UGC : NTA NET-JRF/SET
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा
जूनियर रिसर्च फेलोशिप एवं लेक्चररशिप
पात्रता हेतु

समाजशास्त्र

हल प्रश्न-पत्र

प्रधान सम्पादक
आनन्द कुमार महाजन

संपादन एवं संकलन
यू.जी.सी. समाजशास्त्र परीक्षा विशेषज्ञ समिति

कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण, चरन सिंह

संपादकीय कार्यालय
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
9415650134
Email : yctap12@gmail.com
website : www.yctbooks.com/www.yctfastbook.com/www.yctbooksprime.com
© All Rights Reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा
सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने E:Book by APP YCT BOOKS, से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सहयोग और सुझाव सादर अपेक्षित है

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

विषय-सूची

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) NTA राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा : समाजशास्त्र

■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ नवीन परीक्षा पाठ्यक्रम 3-4
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2005 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 5-10
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2005 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 11-15
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2006 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 16-23
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2006 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 24-31
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2007 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 32-37
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2007 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 38-43
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2008 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 44-52
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2008 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 53-60
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2009 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 61-67
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2009 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 68-73
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2010 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 74-81
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2010 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 82-88
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2011 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 89-96
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2011 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 97-104
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2012 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 105-111
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2012 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल 112-121
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2012 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 122-129
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2012 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल 130-139
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2013 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 140-145
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2013 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल 146-155
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2013 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 156-162
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2013 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल 163-173
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2014 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 174-179
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2014 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल 180-189
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2014 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 190-195
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2014 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल 196-205
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2015 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 206-211
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2015 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल 212-220
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2015 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 221-226
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2015 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल 227-235
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2016 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 236-241
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2016 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल 242-250
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जनवरी-2017 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 251-257
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जनवरी-2017 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल 258-267
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र नवम्बर-2017 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 268-274
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र नवम्बर-2017 तृतीय प्रश्न-पत्र का हल 275-284
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र 8 जुलाई-2018 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 285-298
■ यूजीसी नेट/जेआरएफ पुनर्परीक्षा, समाजशास्त्र 22 जुलाई-2018 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 299-312
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2018 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 313-324
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2019 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 325-336
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर-2019 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 337-352
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून-2020 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 353-368
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र (दिसम्बर 2020/जून-2021) द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 369-392
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र (दिसम्बर 2021/जून-2022) द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 393-416
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर 2022 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 417-443
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र जून 2023 द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 444-464
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर 2023 (13.12.2023) द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 465-480
■ यूजीसी NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, समाजशास्त्र दिसम्बर 2023 (19.12.2023) द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल 481-504

यूजीसी NTA नेट समाजशास्त्र : नवीन पाठ्यक्रम

निर्देश : संशोधित पाठ्यक्रम में विषय से सम्बन्धित एक प्रश्न-पत्र होगा, इसमें प्रश्नों की संख्या 100 होगी जिनका अंक 200 होगा।

इकाई-I समाजशास्त्रीय सिद्धान्त

1. शास्त्रीय समाजशास्त्रीय परंपराएँ
- इमाइल दुर्खीम
- मैक्स वेबर
- कार्ल मार्क्स

2. संरचना- प्रकार्यवाद एवं संरचनावाद
- ब्रोनिस्लो मेलिनोस्की
- ए.आर. रेडक्लिफ-ब्राउन
- टालकॉट पारसंस
- रॉबर्ट के. मर्टन
- क्लॉड लेवी स्ट्रास

3. व्याख्यात्मक एवं निर्वचनात्मक परम्पराएं
- जी.एच. मीड
- कार्ल मैनहेम
- अल्फ्रेड शुट्ज
- हेरोल्ड गारफिंकल
- इरविंग गौफ्फमैन
- क्लिफर्ड गीर्ट्ज

4. उत्तर आधुनिकतावाद, उत्तर संरचनावाद तथा उत्तर उपनिवेशवाद
- एडवर्ड सेड
- पियरे बोर्दियू
- मिशेल फूको
- युर्गेन हेबरमास
- एंथोनी गिडेंस
- मैनुअल कैसेल्स

5. भारतीय चिंतक
- एम.के. गांधी
- बी.आर. अम्बेडकर
- राधाकमल मुखर्जी
- जी.एस. घुर्ये
- एम.एन. श्रीनिवास
- इरावती कर्वे

इकाई-II शोध प्रविधियां और विधियां

1. सामाजिक यथार्थ की अवधारणा
- विज्ञान का दर्शन
- सामाजिक विज्ञान में वैज्ञानिक विधि और ज्ञानमीमांसा
- व्याख्यात्मक परम्पराएं
- सामाजिक विज्ञान में वस्तुनिष्ठता तथा परावर्तकता
- अचारशास्त्र तथा राजनीतिशास्त्र

2. शोध अभिकल्प निरूपण
- सामाजिक विज्ञान शोध, डाटा और प्रलेख पठन
- आगमन और निगमन
- तथ्य, संबोध और सिद्धान्त
- प्राक्कल्पना, शोध प्रश्न, उद्देश्य

3. परिमाणात्मक तथा गुणात्मक विधियां
- नृजातिवर्णन
- सर्वेक्षण विधि
- ऐतिहासिक विधि
- तुलनात्मक विधि

4. तकनीकें
- निदर्शन
- प्रश्नावली और अनुसूची
- सांख्यिकीय विश्लेषण
- अवलोकन, साक्षात्कार और वैयक्तिक अध्ययन
- निर्वचन, आंकड़ाविश्लेषण और प्रतिवेदन लेखन

इकाई-III मौलिक अवधारणाएँ और संस्थाएँ

1. समाजशास्त्रीय अवधारणाएं
- सामाजिक संरचना
- संस्कृति
- नेटवर्क
- प्रस्थिति और भूमिका
- पहचान
- समुदाय
- प्रवासी
- मूल्य, मानदंड और नियम
- पर्सनहुड, हैबिटस और एजेन्सी
- अधिकारी-तंत्र, सत्ता और प्राधिकार

2. सामाजिक संस्थाएं
- विवाह, परिवार और नातेदारी
- अर्थव्यवस्था
- राज्य शासन विधि
- धर्म
- शिक्षा
- कानून और रीति-रिवाज

3. सामाजिक स्तरीकरण
- सामाजिक विभेद, पदानुक्रम, असमानता और पार्श्वीकरण
- जाति और वर्ग
- लिंग, लैंगिकता और दिव्यांगता
- प्रजाति, जनजाति और नृजातीयता

4. सामाजिक परिवर्तन और प्रक्रियाएं
- उद्विकास और प्रसार
- आधुनिकीकरण और विकास
- सामाजिक रूपान्तरण और वैश्वीकरण
- सामाजिक गतिशीलता

इकाई-IV ग्रामीण एवं नगरीय रूपान्तरण

1. ग्रामीण एवं खेतिहर समाज
- जाति-जनजाति बस्तियां
- कृषक सामाजिक संरचना और उभरते वर्ग सम्बन्ध
- भूस्वामित्व और कृषक सम्बन्ध
- कृषक अर्थव्यवस्था का ह्रास, विकृषिकरण और प्रवसन
- कृषक असंतोष और खेतिहर आंदोलन
- बदलते अंतर-समुदाय सम्बन्ध और हिंसा

2. नगरीय समाज

- नगरवाद, नगरीयता और नगरीकरण
- कस्बे, शहर और महानगर
- उद्योग, सेवा और व्यवसाय
- पड़ोस, गंदी बस्तियां और नृजातीय अंतःक्षेत्र
- मध्यमवर्ग और गेटेड कम्युनिटी
- नगरीय आंदोलन और हिंसा

इकाई-V राज्य, राजनीति और विकास

1. भारत में राजनीतिक प्रक्रियाएं

- जनजाति, राष्ट्र राज्य और सरहद
- अधिकारीतंत्र
- अभिशासन और विकास
- लोक नीतिः स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविकाएं
- राजनीतिक संस्कृति
- तृण-मूल प्रजातंत्र
- विधि और समाज
- लिंग और विकास
- भ्रष्टाचार
- अंतर्राष्ट्रीय विकास संगठनों की भूमिका

2. सामाजिक आंदोलन और विरोध

- राजनीतिक गुट, दबाव गुट
- जाति, नृजातीयता, विचारधारा, लिंग, दिव्यांगता, धर्म और क्षेत्र-आधारित आंदोलन
- सिविल सोसाइटी और नागरिकता
- गैर-सरकारी संगठन, सक्रियतावाद और नेतृत्व
- आरक्षण और राजनीति

इकाई-VI अर्थव्यवस्था और समाज

- विनिमय, उपहार, पूंजी, श्रम और बाजार
- उत्पादन की विधियों पर बहस
- सम्पत्ति और सम्पत्ति सम्बन्ध
- राज्य और बाजारः कल्याणवाद और नव-उदारतावाद
- आर्थिक विकास के मॉडल
- गरीबी और अपवर्जन
- कारखाना और उद्योग प्रणालियां
- श्रम सम्बन्धों की बदलती प्रकृति
- लिंग और श्रम प्रक्रिया
- कारोबार और परिवार
- डिजिटल अर्थव्यवस्था और ई-वाणिज्य
- वैश्विक कारोबार और कार्पोरेट्स
- पर्यटन
- उपभोग

इकाई-VII पर्यावरण और समाज

- सामाजिक और सांस्कृतिक पारिस्थितिकी – विविध रूप
- प्रौद्योगिकीय परिवर्तन, कृषि और जैव विविधता
- देशीय ज्ञान प्रणालियां और देशी औषधि
- लिंग और पर्यावरण
- वन नीतियां, आदिवासी और अपवर्जन
- पारिस्थितिकीय ह्रास और प्रवास
- विकास, विस्थापन और पुनर्वास
- जल और सामाजिक अपवर्जन
- आपदा और सामुदायिक प्रतिक्रियाएं
- पर्यावरण प्रदूषण, जन स्वास्थ्य और दिव्यांगता
- जलवायु परिवर्तन और अंतर्राष्ट्रीय नीतियां
- पर्यावरण संबंधी आन्दोलन

इकाई-VIII परिवार, विवाह और नातेदारी

- सैद्धान्तिक उपागमः संरचना-प्रकार्यवादी, वैवाहिक बंधन और सांस्कृतिक
- लिंग सम्बन्ध और शक्ति गतिकी
- विरासत, उत्तराधिकार और प्राधिकार
- लिंग, लैंगिकता और प्रजनन
- बच्चे, युवा और वयस्क
- भावनाएं और परिवार
- परिवार के उभरते रूप
- विवाह की बदलती परिपाटियां
- देखभाल एवं संपोषक प्रणालियों के बदलते स्वरूप
- पारिवारिक कानून
- घरेलू हिंसा और महिलाओं के विरुद्ध अपराध
- ऑनर-किलिंग

इकाई-IX विज्ञान, प्रौद्योगिकी और समाज

- प्रौद्योगिकीय विकास का इतिहास
- समय और स्थान की बदलती धारणाएं
- प्रवाह और सीमाएं
- आभासी समुदाय
- मीडियाः मुद्रित और इलेक्ट्रोनिक, दृश्यात्मक और सामाजिक मीडिया
- ई-अभिशासन और निगरानी समाज
- प्रौद्योगिकी और उभरती राजनीतिक प्रक्रियाएं
- राज्य नीति, डिजिटल डिवाइड तथा समावेशन
- प्रौद्योगिकी और बदलते पारिवारिक सम्बन्ध
- प्रौद्योगिकी और बदलती स्वास्थ्य व्यवस्थाएं
- खाद्य और प्रौद्योगिकी
- साइबर अपराध

इकाई-X संस्कृति और सांकेतिक रूपान्तरण

- संकेत और प्रतीक
- धार्मिक अनुष्ठान, आस्थाएं और प्रथाएं
- बदलती भौतिक संस्कृति
- नैतिक अर्थव्यवस्था
- शिक्षाः औपचारिक और अनौपचारिक
- धार्मिक संगठन, धर्मनिष्ठता और आध्यात्मिकता
- धार्मिक अनुष्ठानों का वस्तुकरण
- साम्प्रदायिकता और धर्मनिरपेक्षता
- सांस्कृतिक पहचान और लामबंदी
- संस्कृति और राजनीति
- लिंग, देह और संस्कृति
- कला और सौन्दर्यबोध विज्ञान
- आचारशास्त्र और नैतिकता
- खेलकूद और संस्कृति
- तीर्थाटन और धार्मिक पर्यटन
- धर्म और अर्थव्यवस्था
- संस्कृति और पर्यावरण
- नूतन और धार्मिक आंदोलन

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2005

समाजशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. 'माइण्ड, सैल्फ एण्ड सोसाइटी' पुस्तक किसने लिखी है?

(a) कूले (b) पारसन्स
(c) जी.एच.मीड (d) मार्गरिट मीड

उत्तर (c)—जी. एच. मीड एक दार्शनिक के साथ-साथ मनो-वैज्ञानिक भी थे। मीड की बहुप्रसिद्ध पुस्तक ''माइन्ड, सेल्फ एण्ड सोसाइटी'' जो वर्ष 1934 में उनकी मृत्यु के बाद प्रकाशित हुई जिसमें उन्होंने सामाजिक मनोविज्ञान की एक नवीन समाजशास्त्रीय ढंग से व्याख्या की।

2. समाजशास्त्र में भूमिका संकल्पना निम्न में से कौन-सा है?

(a) व्यक्ति की पदवी आधार
(b) पदवी का अचल आधार
(c) परिस्थिति का व्यवहारात्मक आधार
(d) व्यवहार का नियमन आधार

उत्तर (c)—समाजशास्त्र में भूमिका संकल्पना का प्रयोग राल्फ लिंटन ने किया था। प्रस्थिति एवं भूमिका की अवधारणाएँ एक दूसरे के साथ जुड़ी है। समाजशास्त्रीय रोल शब्द का प्रयोग किसी व्यक्ति द्वारा किसी नाटक अथवा फिल्म में अभिनीत भूमिका के अर्थ में नहीं करते जिसमें वह व्यक्ति के कार्य-व्यवहार की नकल करता है, अपितु वे भूमिका शब्द का प्रयोग किसी प्रस्थिति के साथ जुड़े हुऐ प्रकार्यो या दायित्वों के अर्थ में करते हैं।

3. निम्न में से यह किस का विचार है कि संघर्ष अनिवार्यतः संगठित समूहों का अटूट अंग है?

(a) कार्ल मार्क्स (b) लेविस कोजर
(c) रॉल्फ डेहरेण्डॉर्फ (d) मैक्स वेबर

उत्तर (c)— डेहरेन्डॉर्फ का प्रमुख योगदान वर्ग-सिद्धाँन्त (वर्ग-संघर्ष) और भूमिका सिद्धांत के क्षेत्र में है। उनका विचार है कि संघर्ष अनिवार्यतः संगठित समूहों का अटूट अंग है।

4. यांत्रिक एकता निम्न में से किससे विकसित होती है?

(a) समानता (b) अलगता
(c) द्वेष (d) प्रेम

उत्तर (a)—यांत्रिक एकता से तात्पर्य समानता अथवा एकरूपता से है। यांत्रिक समाज में व्यक्ति का व्यक्तित्व सामूहिक व्यक्तित्व में विलीन हो जाता है। इस समाज के सदस्यों में नैतिक एवं मानसिक आधार पर अत्यधिक समानता होती है।

5. प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावाद निम्न में से किसे कहते हैं?

(a) मानवीय व्यवहार का भीतरी पहलू
(b) मानवीय व्यवहार का घटनात्मक पहलू
(c) क्रिया का विश्लेषणात्मक अर्थ
(d) कर्ता की भावनात्मक भड़ास

उत्तर (c)—सिम्बोलिक इण्टर एक्शानज्म शब्द की रचना वर्ष 1937 में हरबर्ट ब्लूमर ने की। प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावाद अमेरिकी सामाजिक मनोविज्ञान का एक सिद्धान्त है। जो समाज के संबंधों का अध्ययन सामाजिक कर्ताओं के होने वाले संकेतात्मक सम्प्रेषण की प्रक्रिया के सन्दर्भ में करता है। जिसे क्रिया का विश्लेषणात्मक अर्थ कहते हैं।

6. बालहत्या एवं स्वजातिभक्षपावाद निम्न में से यह किसे दर्शाता है?

(a) सांस्कृतिक सापेक्षता (b) जातीयता
(c) सांस्कृतिक बहुलवाद (d) सांस्कृति चयन

उत्तर (a)—प्रत्येक संस्कृति अपनी-अपनी विशिष्ट परिस्थितियों के साथ अपने ढंग से समायोजन करती है। अतः किसी एक संस्कृति का मूल्यांकन किसी अन्य संस्कृति के मानदण्डो के अनुसार नहीं किया जा सकता यही स्थिति ही सांस्कृतिक सापेक्षता कहलाती है। बालहत्या एवं स्वाजातिभक्षपावाद सांस्कृतिक सापेक्षता का उदाहरण है।

7. पारसन्स द्वारा निम्नांकित प्रकार्यात्मक समस्याओं को उचित क्रम में व्यवस्थित करें-

1. सात्मीकरण 2. आंतरिक
3. लक्ष्य प्राप्ति 4. आत्मसात् करना

(a) 1 2 3 4
(b) 4 2 1 3
(c) 4 3 1 2
(d) 3 2 1 4

उत्तर (c)—पारसंस द्वारा प्रकार्यात्मक समस्याओं का उचित क्रम आत्मसात करना, लक्ष्यप्राप्ति, सात्मीकरण तत्पश्चात आंतरिक है। पारसंस ने अपनी पुस्तक 'द सोशल सिस्टम' में सामाजिक क्रियाशीलता के सम्बन्ध में एक समन्वित ज्ञान प्राप्त किया।

8. निम्नलिखित में से भारत में बढ़ते तलाक के कारण कौन हैं?

(a) महिलाओं का आर्थिक स्वावलंबन
(b) देश की विलासिता
(c) वैवाहिक जोड़ों की अपरिपक्वता
(d) अशिक्षा

उत्तर (a)—भारत में बढ़ते तलाक का कारण महिलाओं का आर्थिक स्वावलम्बन है। अब वह पहले कि भाँति मूकदर्शक नहीं रही। जरुरत पड़ने पर वह अपनी आवाज उठाती है।

9. निम्न में से धर्म का सबसे महत्वपूर्ण प्रकार्य कौन-सा है?

(a) जादू (b) पूर्वज पूजा
(c) आत्मवाद (d) सामाजिक नियंत्रण

उत्तर (d)—धर्म का सबसे महत्वपूर्ण प्रकार्य सामाजिक नियंत्रण है। धर्म मानवीय जीवन के अज्ञात एवं अज्ञेय पक्षों जैसे जीवन, मृत्यु और उसके अस्तित्व के रहस्यों को जानने तथा उनके साथ व्यवहार करने का एक तरीका है। यही नहीं, धर्म नैतिक निर्णयों को लेने की प्रक्रिया में उत्पन्न कठिन असमंजस की स्थिति में उसकी सहायता भी करता है।

10. निम्न में कौन धर्म नहीं है?

(a) जैन (b) बौद्ध
(c) सिख (d) शिव उपासक

उत्तर (d)—शिव उपासक एक सम्प्रदाय से सम्बन्धित है। यह धर्म नहीं अपितु एक घटक है। जो धर्म के अनुपालन से सम्बन्धित है।

11. निम्न में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) संस्कृति मानवीय जीवन को संरचना प्रदान करती है
(b) संरचना मानवीय जीवन को संस्कृति प्रदान करती है
(c) संस्कृति समाजीकरण का मुख्य अंश है
(d) संस्कृति अपने सदस्यों के व्यक्तित्व को बनाती है

उत्तर (b)—सामाजिक संरचना, सामाजिक संस्थाओं, एजेन्सियों, प्रतिमानों एवं लोगों द्वारा प्राप्त किये गये पदों एवं भूमिकाओं रूपी अवयवों से निर्मित होती है अतः यह कथन सही नहीं कि सरंचना मानवीय जीवन को संस्कृति प्रदान करती है।

12. सांस्कृतिक पर्याय निम्न में से किसकी प्रक्रिया है?

(a) सांस्कृतिक परिवर्तन (b) सांस्कृतिक समायोजन
(c) सांस्कृतिक प्रसार्य (d) सांस्कृतिक विलंबना

उत्तर (b)—सांस्कृतिक पर्याय सांस्कृतिक समायोजन की प्रक्रिया है। जिसके द्वारा दो संस्कृतियों का समायोजन किया जाता है।

13. परिवार एवं समाज के बीच शिक्षा पुल का कार्य करती है, यह विचार निम्न में से किस का है?

(a) आर.के. मर्टन (b) टालकॉट पारसन्स
(c) इमाईल दुर्खीम (d) मैक्स वेबर

उत्तर (c)—टालकॉट पारसन्स का विचार है कि, परिवार एवं समाज के बीच शिक्षा पुल का कार्य करती है। पारसन्स स्कूल को 'समाजीकरण की केन्द्रीय एजेंसी' मानते हैं जो परिवार एवं समाज के बीच कड़ी का कार्य करती है।

14. निम्न में से कौन-सा सही नहीं है?

(a) गुणात्मक शिक्षा जीने की सम्भावनाओं को बढ़ाती है
(b) शिक्षा महिलाओं को सशक्त बनाती है
(c) महिलाओं का शिक्षित होना पुरूषों की शक्ति को कम करता है
(d) शिक्षा लोगों को मुक्ति दिलाती है

उत्तर (c)—महिलाओं का शिक्षित होना पुरूषों की शक्ति को कम करता है सही नही है, बल्कि ज्ञान वर्तमान युग में महिला और पुरूषों को शिक्षा अनुरक्षण करती है।

15. आधुनिक समाज में निम्न में से धर्म की कौन-सी विशेषता नहीं है?

(a) धार्मिक बहुलता (b) निजी धर्म
(c) कुलवाद धर्म (d) महिला धर्म

उत्तर (c)—कुलवाद धर्म आदिम समाज की विशेषता थी। क्योंकि उस समय सरल समाज था। आधुनिक समाज में कुलवाद धर्म की विशेषता नहीं है।

16. विकसित एवं विकासशील समाजों में किस प्रकार के नये परिवार उभर रहे हैं?

(a) विस्तृत परिवार (b) पैतृक परिवार
(c) मातृक परिवार (d) एक माता या पिता परिवार

उत्तर (d)—विकसित एवं विकासशील समाजों में एक माता या पिता परिवार की अवधारणा बनता जा रहा है। जो पश्चिमी संस्कृतियों का आधुनिकीकरण और मानवीय आवश्यकता की तुष्टिकरण है।

17. निम्न में से किस धर्म में अलौकिकता की अवधारणा नहीं है?

(a) बौद्ध धर्म (b) यहूदी धर्म
(c) ईसाई धर्म (d) इस्लाम

उत्तर (a)—धर्म में अलौकिकता की अवधारणा आदिम समाज की विशेषता थी। यह बौद्ध धर्म की विशेषता नहीं है।

18. ब्लूमर के अनुसार सांस्कृतिक अन्तःक्रियावाद की निम्न परिभाषाओं में से कौन है?

(a) प्रतीकों के अनुरूप व्यक्ति-क्रिया की व्याख्या करते हैं
(b) व्यक्ति अपने पसंद-अनुसार क्रिया करते हैं
(c) व्यक्ति प्रतीकों की परवाह न करके क्रिया करते हैं
(d) व्यक्ति अपने हित के अनुसार क्रिया करते हैं

उत्तर (a)—ब्लूमर का विचार है कि प्रतीकों के अनुरूप व्यक्ति क्रिया की व्याख्या करते हैं। ब्लूमर के अनुसार सांस्कृतिक अन्तःक्रियावाद सामाजिक व्यवस्थाएँ व्यापक रूप में मात्र अमूर्तीकरण है जिनका व्यक्तियों की क्रियाओं से अलग कोई स्वतन्त्र अस्तित्व नहीं होता जिनके द्वारा उनका निर्माण होता है।

19. निम्न में से किस ने पहली बार समाजशास्त्र में Role-Set **की अवधारणा का प्रयोग किया ?**

(a) राल्फ लिंटन (b) आर.के. मर्टन
(c) एस.एफ. नाडेल (d) जी.एच. मीड

उत्तर (b)— समाजशास्त्र में सर्वप्रथम Role-Set की अवधारणा अमेरिकी समाजशास्त्री आर. के मर्टन ने दी। भूमिका विश्लेषण की समस्याओं पर एस. एफ. नाडेल ने विधिवत प्रकाश डाला।

20. राम एक प्रबन्धकीय अफ़सर है, किसी का बेटा है, किसी का पति है, किसी का पिता है, किसी क्लब का सदस्य आदि है, यह उदाहरण निम्न में से किस का है?

(a) भूमिका सैट (b) प्रस्थिति क्रमबद्धता
(c) विविध भूमिकाएँ (d) प्रस्थिति सैट

उत्तर (d)—मर्टन के अनुसार, एक अकेले व्यक्ति द्वारा धारणा की गई विभिन्न तथा विशिष्ट प्रस्थितियों के संकुल को प्रस्थिति पुंज कहते हैं।

21. अदला-बदली विवाह निम्न में से कौन दर्शाता है?

(a) X, Y की बहन से विवाह करता है एवं Y उसके बदले में X की बहन से विवाह करता है
(b) X, Y से दहेज के लिए विवाह करता है
(c) X, Y से वधू धन के बदले में विवाह करता है
(d) X और Y के बीच विवाह भेंट के लेन-देन के लिए होता है

उत्तर (a)–अदला-बदली विवाह प्रायः आदिम समाजों में पाया जाता था। ग्रामीण उष्णभूमि में 50 वर्ष पहले आंशिक रूप से निम्न जातियों में पाया जाता था। इस प्रकार X, Y की बहन से विवाह एवं Y उसके बदले में X की बहन से विवाह करता है। इसे ग्रामीण पृष्ठभूमि में लिनफरवा विवाह कहते हैं।

22. आपेक्षतः समाजीकरण की अवधारणा का निम्न में से किसने प्रयोग किया?

(a) मीड (b) कूले
(c) मर्टन (d) सोरोकिन

उत्तर (c)– समाजीकरण की अवधारणा का प्रयोग मर्टन ने किया था। समाजीकरण एक सामाजिक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा हम समाज में रहना और उसमें सक्रिय सदस्य बनाना सीखते हैं।

23. निम्न में से जाति व्यवस्था में सामाजिक गतिशीलता को कौन सा सही ढंग से दर्शाता है?

(a) जाति व्यवस्था में गतिशीलता संभव नहीं है
(b) संपत्ति एवं सम्मान अर्जित करने से व्यक्ति की जाति बदल जाती है
(c) जातिव्यवस्था में जाति समूह को उर्ध्वोन्मुखी गतिशीलता संभव है।
(d) जाति व्यवस्था में जाति समूह को क्षैतिज गतिशीलता संभव है

उत्तर (c)– ऊर्ध्वगामी सामूहिक सामाजिक गतिशीलता का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण हम भारतीय जाति व्यवस्था में देख सकते हैं। कई बार मध्यम वर्ग की जातियाँ जाति व्यवस्था में ऊँचा उठने का प्रयास करती हैं। श्रीनिवास ने संस्कृतिकरण की प्रक्रिया द्वारा जातियों की ऊर्ध्वगामी गतिशीलता को व्यक्त किया है।

24. यह विचार कि ''पुरूष महिलाओं से ज्यादा शक्तिशाली है'' निम्न में से क्या है?

(a) विश्वास (b) मापदण्ड
(c) मूल्य (d) मान्यता

उत्तर (a)–पुरूष महिलाओं से श्रेष्ठ है यह एक पुरूषवादी सोच का परिचायक है लेकिन माना जाय तो यह केवल विश्वास है। इसका यथार्थ से कोई लेना-देना नहीं है।

25. निम्न में से कूले किसके बीच अंतर करते हैं?

(a) बाह्य समूह एवं भीतरी समूह
(b) प्राथमिक समूह एवं द्वितीय समूह
(c) मशीनी सुदृढ़ता समूह एवं जैविक सुदृढ़ता समूह
(d) सैनिक समाज एवं उद्योगी समाज

उत्तर (b)–कूले ने सर्वप्रथम प्राथमिक समूह एवं द्वितीयक समूह में बँटवारा किया था। कूले प्राथमिक समूह (Primary group) और आत्मदर्पण की अवधारणाओं के रचनाकार है और उनको पहला मानवतावादी समाजशास्त्री माना जाता है।

26. जातीयता नस्लीयमध्यवाद का एक प्रकार है जो एक समूह की निम्न में से किस की श्रेष्ठता की भावना पर आधारित है-

(a) सामाजिक एवं आर्थिक विकास (b) सांस्कृतिक विकास
(c) जैविक देन (d) तांत्रिकीय विकास

उत्तर (b)–सांस्कृतिक विकास समूह की बढ़ाई वंशवाद पर निर्भर है जो कि जातीयता पर आधारित है।

27. निम्न में से कौन-सा तत्व मर्टन के विचलन के विश्लेषण में शामिल नहीं है?

(a) अलगाव (b) आविष्कार
(c) विधिवाद (d) रीटरीटिज्म

उत्तर (a)–अलगाव मर्टन के विचलन के विश्लेषण में शामिल नहीं है। अलगाव मार्क्स की अवधारणा है, जिसका अर्थ है- स्वविमुखता की स्थिति, जिसके परिणाम स्वरूप श्रमिक अपने कार्य से अलग हो जाते है।

28. समाजशास्त्र में संस्कृति निम्न में से किस को दर्शाती है?

(a) अच्छे तौर-तरीके
(b) साक्षरता एवं सौंदर्य संवेदना
(c) सभ्य व्यवहार
(d) किसी समुदाय के रहने का ढंग

उत्तर (d)– समाजशास्त्र में संस्कृति किसी समुदाय के रहने का ढंग दर्शाती है।

29. व्यवसायों, मान-सम्मान, जाति, श्रेणी एवं शक्ति में हुए परिवर्तन के संबंध में सामाजिक पदवी में हुए परिवर्तन को क्या कहेंगे?

(a) सामाजिक परिवर्तन (b) सामाजिक गतिशीलता
(c) क्रांति (d) पुनर्निर्माण

उत्तर (b)– सामाजिक गतिशीलता व्यवसायों, मान–सम्मान, जाति, श्रेणी, एवं शक्ति में हुए परिवर्तन के सम्बन्ध में सामाजिक पदवी में हुऐ परिवर्तन को कहते हैं। जिसके माध्यम से समाज का अनुरक्षण बना रहता है। अगर समाज में गतिशीलता न हो तो समाज का अस्तित्व खतरे में पड़ जायेगा।

30. निम्न में से कौन-सी समाज की प्रमुख संस्था नहीं है?

(a) अर्थव्यवस्था (b) सामाजिक स्तरीकरण
(c) राजनीति (d) परिवार

उत्तर (b)–सामाजिक स्तरीकरण समाज की एक श्रेणी है जिसके माध्यम से समाज में उच्चता एवं निम्नता का बँटवारा होता है। स्तरीकरण के वजह से ही समाज सरल से जटिल के तरफ बढ़ता है।

31. समाजशास्त्र के संदर्भ में अप्रकार्य का क्या अर्थ है?

(a) एक क्रिया के अनुपयोगी परिणाम

(b) एक क्रिया के दुष्परिणाम
(c) एक क्रिया के अनेक परिणाम
(d) एक क्रिया के अप्रासंगिक परिणाम

उत्तर (b)—मर्टन के अनुसार अकार्य वे निरीक्षत परिणाम हैं जो सामाजिक व्यवस्था में अनुकूलन या समंजस्य को कम कर देते हैं। ये उद्देश्य की पूर्ति में बाधक होते हैं।

32. निम्न में से किसने भारतीय संदर्भ में संस्कृति एवं व्यक्तित्व को समझने के लिए अपने परिप्रेक्ष्य को मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य का नाम दिया है?

(a) ए.आर. देसाई (b) एम.एन. श्रीनिवास
(c) डी.पी. मुकर्जी (d) जी.एस. घुर्ये

उत्तर (a)—मार्क्सवादी विचारधारा के प्रति आजन्म प्रतिबद्ध रहे भारतीय समाजशास्त्री ए.आर. देसाई की गणना बम्बई वि.वि. के प्रथम पंक्ति और देश के अग्रणी समाजशास्त्रियों में की जाती है। उन्होंने भारतीय सन्दर्भ में संस्कृति एवं व्यक्तित्व को समझने के लिए अपने परिप्रेक्ष्य को मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य का नाम दिया।

33. किस का कथन है कि ''सामाजिक मानव विज्ञान तुलनात्मक विज्ञान है''?

(a) रैडक्लिफ ब्राउन (b) आर. के. मर्टन
(c) मैलिनोवस्की (d) एम.एन. श्रीनिवास

व्याख्या—(a) रेडक्लिफ ब्राउन सामाजिक मानवशास्त्र के प्रमुख संस्थापकों में से रहे है। दुर्खीम की भाँति ब्राउन ने भी समाज की संरचना और विभिन्न संस्थाओं के प्रकार्यों की महत्ता पर बल दिया है।

34. ''भारत की किसी एक राज्य में बाल मृत्यु दर उस राज्य में महिलाओं की प्रतिशत साक्षरता दर से प्रभावित हुई लगती है''
उपरोक्त कथन में, स्वतंत्र चर क्या है?

(a) राज्य
(b) महिलाओं की प्रतिशत साक्षरता
(c) बाल मृत्यु दर
(d) महिलाओं की प्रतिशत दर

उत्तर (a)—वह चर जिसका किसी तर्क अथवा किसी से कोई लेना देना नहीं होता, स्वतंत्र चर कहलाता है जैसे उपरोक्त कथन में बाल मृत्युदर का कारण महिलाओं की निरक्षरता है तथा महिलाओं की प्रतिशत दर भी बाल मृत्यु दर को प्रभावित करती है। चूँकि बाल मृत्यु दर एक स्वयं कारण है अतः यह स्वतंत्र चर नहीं हो सकता अतः केवल विकल्प A अर्थात् राज्य एक ऐसा चर है जिसका कारण से कोई लेना देना नहीं है। इस प्रकार राज्य एक स्वतंत्र चर है।
नोट – U.G.C. द्वारा विकल्प B को सही माना गया है।

35. एक महिला एक भार तोलने की मशीन जिसके साथ उसके बच्चों ने ऐसी छेड़छाड़ की हुई है कि वह सही भार से 5 किलोग्राम ज्यादा वज़न दर्शाती है, का उपयोग करती है। जब भी वह अपना वज़न करती है तो हर बार वही तोल मिलता है। इस तरह मशीन द्वारा दिया गया वज़न क्या है?

(a) उपयुक्त परंतु भरोसेमंद
(b) भरोसेमंद परंतु उपयुक्त नहीं
(c) भरोसेमंद एवं उपयुक्त
(d) न ही भरोसेमंद न ही उपयुक्त

उत्तर (b)—उपरोक्त कथन के लिए विकल्प B सही है क्योंकि उस मशीन द्वारा बताया गया वजन उस महिला के लिए भरोसेमंद है परन्तु उपयुक्त नहीं है।

36. एक स्वास्थ्य योजनाकार किसी एक इलाके में बढ़ते हुए एच.आई.वी. के केसों से चिंतित है। वह उस इलाके में कोई संवेदनशील प्रोग्राम बनाना चाहता है। उसके लिए उसे वहाँ के आँकड़े चाहिए। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए उसे निम्न में से कौन-सा शोध प्रारूप अपनाना चाहिए?

(a) अन्वेषणात्मक (b) वर्णनात्मक
(c) व्याख्यात्मक (d) मूल्यात्मक

उत्तर (a)—यह अनुसंधान उन विषयों का अध्ययन करता है जिनके विषय में या तो कोई जानकारी नहीं होती या बहुत कम जानकारी उपलब्ध है। सामान्यतः इस प्रकार का अनुसंधान गुणात्मक होता है जो कि प्राकल्पना निर्माण या प्राकल्पनाओं और सिद्धांतों के परीक्षण में लाभदायक होते हैं।

37. सांख्यिकी नल-उपकल्पना में दो औसत $(\overline{X}1, \overline{X}2)$ होते है, यह निम्न में से कौन है?

(A) $\overline{X}_1 = \overline{X}_2$
(B) $\overline{X}_1 > \overline{X}_2$
(C) $\overline{X}_1 < \overline{X}_2$
(D) $\overline{X}_1 \neq \overline{X}_2$

उत्तर (a)—सांख्यिकी नल उपकल्पना में औसत सदैव शून्य होता है इसलिए विकल्प (A) $\overline{X}_1 = \overline{X}_2$ सही है।

38. भारत में परिवारों के अध्ययन के लिए जब कोई प्रतिनिधि नमूना लेना चाहता है तो निम्न में से सब से कम खर्च वाली नमूना विधि कौन-सी होगी?

(a) स्तरीय निरूद्देश्य नमूना
(b) साधारण निरूद्देश्य नमूना
(c) उद्देश्यपूर्ण नमूना
(d) बहुस्तरीय झुण्ड नमूना

उत्तर (d)—इस प्रतिदर्शन में भी प्रक्रिया वही है जो बहु-चरणी प्रतिदर्शन में होती है अर्थात प्राथमिक चयन द्वितीयक चयन आदि। फिर भी बहु-पक्षीय प्रतिदर्शन प्रक्रिया में दूसरे प्रतिदर्श को निकालने से पूर्व प्रत्येक प्रतिदर्श का भली-भाँति अध्ययन किया जाता हैं परिणाम स्वरूप जहाँ बहु-चरणी-प्रतिदर्शन में केवल अन्तिम प्रतिदर्श का अध्ययन किया जाता है बहुपक्षीय प्रतिदर्शन में सभी प्रतिदर्शो का अन्वेषण किया जाता है। इससे दूसरी विधियों की अपेक्षा अधिक लाभ होता है।

39. परिवार की आय एवं उच्च सेकंडरी परीक्षा में प्राप्त अंको के संबंध को समझने के लिए एक शोधकर्ता को एफीशिएन्ट ऑफ कोरेलेशन लगाता है, जिसका मूल्य 1.0 है। इस का अर्थ है-

(a) कि आय और स्कूल प्रदर्शन का गहरा संबंध है
(b) कि आय स्कूल प्रदर्शन को प्रभावित करती है
(c) कि स्कूल प्रदर्शन पर आय का दोगुना पड़ता है
(d) कि गणना में गलती है

उत्तर (a)–जब दो या दो से अधिक चरों के सह संबंध गुणांक + 0.75 से ± 1 के मध्य हो अथवा 1.0 हो तो उसे उच्च सह संबंध कहते हैं।

40. जब कोई स्तरीय निरूद्देश्य नमूने का प्रयोग करने का फैसला करता है तो स्तरीकरण किस वसूल पर आधारित होना चाहिए?

(a) स्तरों के बीच में अंतर को बढ़ाना तथा प्रत्येक स्तर के बीच में अंतर को कम करना
(b) स्तरों के बीच में अंतर कम करना एवं स्तरों के बीच में अंतर को बढ़ाना
(c) स्तरों के बीच में अंतर को कम करना और प्रत्येक स्तर के बीच में अंतर को कम करना
(d) स्तरों के बीच में अंतर को बढ़ाना एवं प्रत्येक स्तर के बीच के अंतर को बढ़ाना

उत्तर (a)–जब कोई स्तरीय निरूद्देश्य नमूने का प्रयोग करने का फैसला करता है तो स्तरीकरण स्तरों के बीच में अन्तर बढ़ा देता है तथा प्रत्येक स्तर के बीच में अन्तर को कम कर देता है।

41. मानक विचलन है-

(a) व्यक्तिगत मूल्य के विचलित वर्ग का औसत वर्गमूल विचलित मानक है
(b) बदलाव का वर्ग
(c) औसत विचलन का वर्ग
(d) औसत विचलन का वर्गमूल

उत्तर (a)–मानक विचलन व्यक्तिगत मूल्य के विचलित वर्गमूल का औसत वर्गमूल विचलित मानक है।

42. मापन की इकाई - बारंबारता वितरण के बदलाव का स्वतंत्र माप है-

(a) औसत विचलन (b) चौथाई विचलन
(c) मानक विचलन (d) बदलाव का सह-संबंध

उत्तर (d)–मापन की इकाई - बारम्बारता वितरण के बदलाव का स्वतंत्र माप बदलाव का सह-सम्बन्ध है।

43. समाजशास्त्र विषय के कोर्स शोध अध्ययन पद्धति के 11 विद्यार्थियों ने जो अंक प्राप्त किए वह निम्न हैं

विद्यार्थी	A	B	C	D	E	F	G	H	I	J	K
अंक	32	35	45	45	52	53	54	54	54	55	62

यदि इन आँकड़ों का औसत निकाली जाए तो उपरोक्त वितरण का औसत एवं माध्यिका का क्या अंतर होगा?

(a) -3.82 (b) -4.82
(c) 5.82 (d) 4.82

उत्तर (a)–

$\because$ औसत $\frac{\text{पदों का योग}}{\text{पदों की संख्या}}$

औसत $= \frac{32+35+45+45+52+53+54+54+54+55+62}{11}$

$\Rightarrow \frac{541}{11} = 49.18$

माध्यिका $\frac{\text{पदों की संख्या} + 1}{2}$ = वॉ पद

(यदि पदों की संख्या विषम है)

$\Rightarrow \frac{11+1}{2}$ वॉ पद $= \frac{12}{2}$ वॉ पद $= 6$वाँ पद

अतः मध्यिका $\Rightarrow$

32,35,45,45,53 [6वाँ पद: 53] 54, 54, 54, 55,62

माध्यिका $= 53$

अन्तर = औसत- माध्यिका $\Rightarrow$

$49.18 - 53 \Rightarrow -3.82$

44. सूची I को सूची II से मिलाएँ-

	सूची I	सूची II
(A)	मेरा एक एवं इकलौता पति	1. बहु पति
(B)	राधा मेरी पहली पत्नी थी, सीता मेरी दूसरी पत्नी थी, अब उन्होंने दूसरी शादी कर ली	2. एक पति/पत्नी विवाह
(C)	मेरे पतियों से मिलिए	3. रक्त संबंधी
(D)	विवाह क्यों किया जाए और पूर्ण संबंध तबाह किए जाएँ	4. बहु पत्नी

	A	B	C	D
(a)	2	5	1	3
(b)	2	4	1	3
(c)	2	5	1	4
(d)	1	2	5	4

उत्तर (b)–सुमेलित सूची इस प्रकार है–

मेरा एक एवं इकलौता पति/पत्नी - एक पति /पत्नी विवाह
राधा मेरी पहली पत्नी थी, सीता मेरी दूसरी पत्नी थी, अब उन्होंने दूसरी शादी कर ली। - बहु पत्नी
मेरे पतियों से मिलिए - बहु पति
विवाह क्यों किया जाए और पूर्ण संबंध तबाह किए जाएँ - रक्त संबंधी

45. **कथन** (A) : संदर्भ समूह का बनना व्यक्ति एवं समाज के लिए प्रकार्यात्मक होता है।

कारण (R) : संदर्भ समूह का बनना आपेक्षित समाजीकरण की ओर ले जाता है।

(a) A एवं R दोनों सही हैं, और R, A के लिए सही व्याख्या करता है।

(b) A एवं R दोनों सही हैं, परन्तु R, A के लिए सही व्याख्या नहीं करता।

(c) A सही है, परन्तु R गलत है।

(d) A गलत है, परन्तु R सही है।

उत्तर (a)–सन्दर्भ समूह एक समाजीकरण की प्रक्रिया है जिसमें किसी एक समूह का व्यक्ति, दूसरे समूह के व्यक्ति को अपना आदर्श मान कर उसके प्रकार्यों को अपनाने लगता है। अतः अभिकथन A तथा कारण R दोनों सही है तथा कारण R अभिकथन A की सही व्याख्या करता है।

46. सूची I को सूची II से मिलाएँ-

सूची I (लेखक)	**सूची II (अवधारणा)**
(A) मैकाइवर एवं पेज	1. आदर्शात्मक चल
(B) टी. पारसन्स	2. स्व (मी.) विज्ञान
(C) आर.के. मुखर्जी	3. मिडिल रेंज थ्योरी
(D) आर.के. मर्टन	4. हासिये के समुदाय

	A	**B**	**C**	**D**
(a)	4	1	2	3
(b)	1	4	2	3
(c)	1	4	3	2
(d)	4	1	3	2

उत्तर (a)– सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(लेखक)	**(अवधारणा)**
मैकाइवर एवं पेज	- हासिये के समुदाय
टी. पारसन्स	- आदर्शात्मक चल
आर.के. मुखर्जी	- स्व (मी.) विज्ञान
आर.के. मर्टन	- मिडिल रेंज थ्योरी

47. आप सामाजिक तथ्य को कैसे ध्यान करेंगे? यह है-

1. मानव मस्तिष्क के बाह्य
2. प्रतिबन्धक
3. आम
4. व्यक्तियों का योग

(a) 1,2 एवं 3 (b) 1,3 एवं 4

(c) 1,3 एवं 4 (d) 1,2 एवं 4

उत्तर (a)–दुर्खीम ने अपनी कृति 'द रूल्स ऑफ सोशियोलॉजिकल मेथड' में सामाजिक तथ्यों की विवेचना दो प्रमुख वस्तुनिष्ठ मापदण्डों के माध्यम से प्रस्तुत की है-

(i) वह वैज्ञानिक में मस्तिष्क से बाहर होना चाहिए।

(ii) उसका वैज्ञानिक पद कुछ अनिवार्यता मूलक या बाध्यतामूलक प्रभाव होना चाहिए।

48. 'सामुदायिक प्रतिनिधित्व' की अवधारणा निम्न में से किसकी है?

(a) कार्ल मार्क्स (b) दुर्खीम

(c) मैस वेबर (d) लेवी-स्ट्रास

उत्तर (b)–इमाईल दुर्खीम को आधुनिक समाजशास्त्र विषय के संस्थापकों में से एक अग्रणी प्रर्वतक माना जाता है। जिन्होंने समाजशास्त्र को एक अकादमिक विषय के रूप में प्रस्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और उन्होंने सामुदायिक प्रतिनिधित्व की अवधारणा प्रतिपादित किया। सामूहिक चेतना की अभिव्यक्ति जब किसी प्रतीक या चिह्नों के रूप में होती है तो उन्हें ही सामूहिक प्रतिनिधान कहते हैं।

49. निम्नलिखित चार विद्वानों ने संरचनात्मक एवं प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य में योगदान पाया है-

1. आर.के. मर्टन
2. ऑगस्ट कॉम्टे
3. टालकॉट पारसन्स
4. बी. मैलिनोवस्की

निम्न में से कौन-सी सही अनुक्रमणिका है?

(a) 1,2,3,4 (b) 2,1,4,3

(c) 2,4,3,1 (d) 2,3,4,1

उत्तर (c)–संरचनात्मक प्रकार्यवाद परिप्रेक्ष्य में अध्ययन करने वाले समाजशास्त्री क्रमशः ऑगस्त कॉम्ट, बी. मैलिनोवस्की, टालकॉट पारसंस तथा आर. के. मर्टन प्रमुख हैं।

50. जब यह माना जाता है कि उपकल्पना के 5% स्तर को महत्व पर आँका जाता है तो इस का मतलब होता है कि-

(a) जब यह सही होता है उपकल्पना को रद्द करने के 5% की सम्भावना होती है

(b) जब यह सही नहीं है तो उपकल्पना को मानने के लिए 5% की सम्भावना होती है

(c) जब यह सही है तो उपकल्पना को रद्द करने के 95% की सम्भावना होती है

(d) जब यह गलत है तो उपकल्पना को मानने के 95% की सम्भावना होती है

उत्तर (a)–जब यह माना जाता है। कि उपकल्पना की 5% स्तर को महत्व पर आंका जाता है तो इसका मतलब होता है कि जब यह सही होता है तो उपकल्पना को रद्द करने की 5 प्रतिशत की सम्भावना होती है।

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2005

समाजशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. समाज शास्त्र में मूल्य का क्या अर्थ है?

(a) सुसंस्कृत व्यक्ति के गुण (b) आचरण के मानदण्ड
(c) सामाजिक वरीयता (d) आदर्श

उत्तर : (c) मूल्य का सम्बन्ध सामाजिक रूप से 'क्या करना चाहिए' से है। यह किसी भी समाज के लिए सामाजिक वरीयताएँ हैं; क्योंकि मूल्यों के आधार पर ही व्यवहार के 'मानदण्ड' निर्मित होते है।

2. निम्न में से 'फर्स्ट प्रिंसीपल' पुस्तक किसने लिखी?

(a) हरबर्ट स्पेंसर (b) के. डेविस
(c) बी मैलिनोवस्की (d) जेम्स फ्रेजर

उत्तर (a) समाजशास्त्र के क्षेत्र में ऑगस्त कॉम्ट के कार्य को आगे बढ़ाने का श्रेय ब्रिटिश दार्शनिक एवं सामाजिक विचारक हरबर्ट स्पेन्सर को दिया जाता है। ऐसा कहा जाता है कॉम्ट ने समाजशास्त्र के जिस नक्शे को बनाया, स्पेन्सर ने उसमें रंग भरे। स्पेन्सर ने 'फर्स्ट प्रिंसीपल' नामक पुस्तक लिखी।

3. आवश्यकता-सिद्धांत निम्न में से किस की देन है?

(a) दुर्खीम (b) मीड
(c) मैलिनोवस्की (d) मैनहीम

उत्तर : (c) मैलिनोवस्की मानवशास्त्र में प्रकार्यवादी सिद्धान्त के एक प्रमुख हस्तक्षार थे। इन्होंने अपनी पुस्तक ''ए सांइटिफिक थ्योरी ऑफ कल्चर'' में आवश्यकता का सिद्धान्त प्रस्तुत किया तथा इसमें आवश्यकता के तीन प्रकारों का उल्लेख किया-

1. जैविक आवश्यकता
2. सामाजिक आवश्यकता
3. सांकेतिक या समाकलनात्मक आवश्यकता

4. वेबर के अनुसार करिश्माई नेता की निम्न में से सबसे महत्वपूर्ण विशेषता कौन सी है।

(a) समाज के लिए उसकी शक्तियों की महत्तता
(b) व्यक्तिगत आकर्षण
(c) राजनीतिक अनुयायी
(d) अपने अनुयायिओं को अपनी विशेष शक्तियों से प्रभावित करने की योग्यता

उत्तर : (d) समाजशास्त्रीय साहित्य में करिश्माई सत्ता की अवधारणा का प्रयोग मैक्स वेबर ने किया हैं करिश्माई नेता सामजिक परिवर्तन का बड़ा स्रोत होता है। प्रतिष्ठित संस्थानों में करिश्माई प्रघटना अस्थाई एवं अल्पकालिक होती है। करिश्माई नेता के विचारों में बदलाव आ सकता है। उसकी मृत्यु के बाद करिश्माई सत्ता का दस्तूरी तौर पर पालन किया जाता है। अतः करिश्माई नेता में अपने अनुयायियों को अपनी विशेष शक्तियों से प्रभावित करने की योग्यता होती है।

5. निम्न में से संपूर्ण संस्था के कौन से तत्व है?

1. कारागार 2. संरक्षणगृह
3. होटल 4. छात्रावास

Codes :

(a) 2 और 3 (b) 1, 2 और 3
(c) 1 और 2 (d) 2, 3 और 4

उत्तर : (c) गॉफमैन ने 'सम्पूर्ण संस्था' की अवधारणा दी है। इन्होंने जेल, आश्रम, सेना की छावनी, अस्पताल तथा पागलखाने को सम्पूर्ण संस्था का उदाहरण माना है।

6. समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य में संस्कृति का अर्थ है।

(a) व्यक्ति में सुधार
(b) सीखा हुआ व्यवहार
(c) प्रयोगशाला में सूक्ष्म प्राणियों का विकास
(d) सुन्दर गुणों का निर्माण

उत्तर : (b) समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य में संस्कृति का अर्थ सीखा हुआ व्यवहार है। संस्कृति ही समाज का अनुरक्षण रखती है। साधारण अर्थों में संस्कृति शब्द का प्रयोग सुसंस्कृत अथवा संस्कार के अर्थ में किया जाता है।

7. निम्न में से धर्म का कौन सा प्रकार्य नहीं है?

(a) सामाजिक सुदृढ़ता को बनाए रखना
(b) सामाजिक नियंत्रण को बनाए रखना
(c) मानसिक दबाव से छुटकारा दिलाना
(d) सामाजिक स्तरीकरण को बढ़ावा देना

उत्तर : (d) धर्म पवित्र वस्तुओं से सम्बंधित विश्वासों तथा कर्मकाण्डों की एक संगठित व्यवस्था है जो उन व्यक्तियों को एक एकल सामाजिक-नैतिक समुदाय में बाँधता है, जो इसका अनुसरण करते हैं। सामाजिक स्तरीकरण को बढ़ावा देना धर्म का प्रकार्य नहीं है क्योंकि स्तरीकरण का आधार धर्म नही बल्कि सम्पत्ति, सम्मान एवं सत्ता का असमान वितरण है।

8. पिता के भाई की पुत्र वधू निम्न में से किसका उदाहरण है?

(a) प्राथमिक नातेदारी का (b) द्वितीयक नातेदारी का
(c) वैवाहिक नातेदारी का (d) रक्तसम्बन्धी नातेदारी का

उत्तर : (c) वैवाहिक नातेदारी का अर्थ जिनका रक्त से कोई सम्बन्ध नहीं होता है। इसलिए पिता के भाई की पुत्र वधू वैवाहिक नातेदारी का उदाहरण है।

9. उदारता, उच्च पद की प्राप्ति, भौतिक पदार्थों का होना, समय की पाबन्दी, एवं देश भक्ति कुछ ऐसे उदाहरण है जिनकी अभिलाषा तथा उसकी प्राप्ति के लिए प्रयत्नशील हुआ जाए, उसे क्या कहते हैं?

(a) मूल्य (b) प्रथाएं
(c) जीवन शैली (d) लोकाचार

उत्तर : (a) मूल्य वे सांस्कृतिक अथवा व्यक्तिगत धारणायें एवं आदर्श हैं जिनके द्वारा वस्तुओं और घटनाओं की एक दूसरे के साथ तुलना की जाती है। ये वे कसौटियाँ और व्यवहार के पैमाने हैं जिनके आधार पर अच्छे-बुरे, वांछित-अवांछित, सही-गलत, करणीय और अकरणीय का निर्णय किया जाता है। उदारता, उच्च पद की प्राप्ति, भौतिक पदार्थों का होना, समय की पाबंदी एवं देश भक्ति कुछ ऐसे उदाहरण हैं जिनकी अभिलाषा तथा उनकी प्राप्ति के लिए प्रयत्नशील हुआ जाये तो उसे मूल्य कहा जाता है।

10. निम्न में से विवाह द्वारा स्थापित सम्बन्धों के लिए किस अवधारणा का उपयोग होता है?

(a) प्राथमिक नातेदारी (b) द्वितीयक नातेदारी
(c) वैवाहिक सम्बन्धित नातेदारी (d) तृतीयक नातेदारी

उत्तर : (c) 'वैवाहिक सम्बन्धित नातेदारी' अवधारणा का प्रयोग विवाह द्वारा स्थापित सम्बन्धों के लिए होता है।

11. निम्न में से कौन सा कथन सही नहीं है?

(a) जनसंख्या की समरूपता नगर की विशेषता होती है।
(b) कस्बों और गाँवों की अपेक्षा सामाजिक परिवर्तन शहरों में तीव्र गति से होते है।
(c) नगरीय योजना आधुनिक आविष्कार है।
(d) भारत में अधिकतर प्रमुख नगर समुद्र के किनारों या यातायात वाले दरियाओं/नदियों के किनारे बसे हैं।

उत्तर : (a) नगर की विशेषता जनसंख्या समरूपता नहीं अपितु जनसंख्या विभिन्नता होती है।

12. निम्न में से विस्तृत परिवार के कौन से सदस्य हैं?

1. दादा एवं दादी
2. पैसा देकर रहने वाले मेहमान/अतिथि
3. भिन्नशाखीय नातेदार
4. नौकर

कोड :

(a) 1, 3 एवं 4 सही है (b) 1 एवं 3 सही है
(c) 2, 3 एवं 4 सही है (d) 1 एवं 4 सही है

उत्तर : (a) विस्तृत परिवार वह परिवार है जिसमें सदस्यों की संख्या बहुत अधिक होती है। इसमें नौकर को भी परिवार का सदस्य माना जाता है। इस प्रकार के परिवार में सभी रक्त सम्बन्धी व अन्य सम्बन्धी भी सम्मिलित होते हैं। ये एक पक्षीय (मातृ पक्ष/ पितृ पक्ष) या द्विपक्षीय भी हो सकते हैं।

13. कथन (A) : बहुत से साधारण समाजों में धार्मिक प्रवृत्तियां कुछ आर्थिक प्रक्रियाओं का आवश्यक पहलू होती हैं।
कारण (R) : साधारण समाज इन आर्थिक विशेषताओं में पाए जाने वाली दैविक आपदाओं से जागृत होते हैं।
निम्न दिये हुए सही कोड का चयन करें :
कूट :

(a) (A) एवं (R) दोनों सही है और (R) (A) की सही व्याख्या करता है।
(b) (A) एवं (R) दोनों सही है परन्तु (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है परन्तु (R) गलत है
(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है

उत्तर : (c) यह अभिकथन सही है कि साधारण समाजों में धार्मिक प्रक्रिया के माध्यम से वस्तु विनिमय किया जाता है। जैसे ट्रोवियाण्ड द्वीप समूह में कुला व रिंग का विनिमय। साधारण समाज इन आर्थिक विशेषताओं में पाये जाने वाली दैविक आपदाओं से जाग्रत नहीं होते हैं।

14.

उपरोक्त आकृति निम्न में से किन सम्बन्धों को दर्शाती है?

(a) स्वसृक बहुपत्नी विवाह
(b) अस्वसृक बहुपत्नी विवाह
(c) भ्रातृक बहुपति विवाह
(d) अभ्रातृक बहुपति विवाह

उत्तर : (c) दिये गये चित्र में एक स्त्री का दो सगे भाई से विवाह सम्बन्ध दर्शाया गया है अतः यह भातृक बहुपति विवाह को दर्शाता है।

15. जब एक ही भूभाग में दो जनजातियाँ रहती हैं और एक दूसरे की संस्कृति का आदान प्रदान करती हैं जिस से उन की आपसी भिन्नता कम होती है, उस प्रक्रिया को क्या कहते हैं।

(a) वयस्क सामाजीकरण (b) सहयोग
(c) समायोजन (d) आत्मसात्मीकरण

उत्तर : (c) समायोजन अनुकूलन की वह प्रक्रिया है जिसमें विरोध या भिन्नता के तत्व उपस्थित रहते हैं।

16. जिस विवाह में उच्च जाति की स्त्री निम्न जाति के पुरुष से विवाह करती है, उस को क्या कहते हैं?

(a) बाह्य विवाह (b) अनुलोम विवाह
(c) सजातीय विवाह (d) प्रतिलोम विवाह

उत्तर : (d) जिस विवाह में उच्च जाति की स्त्री निम्न जाति के पुरुष से विवाह करती है उसे प्रतिलोम विवाह कहते हैं। धर्मशास्त्रों में इस प्रकार के विवाह की कटु आलोचना की गई है और ऐसे विवाह से उत्पन्न संतान को चाण्डाल या निषाद कहते हैं।

17. राबर्ट रैडफील्ड के अनुसार जिस समुदाय में भिन्नता, लघुता, समरूपता एवं आत्मनिर्भरता की विशेषताएँ पाई जाती हैं, उसे क्या कहतें हैं।

(a) लघु समुदाय (b) बृहद समुदाय
(c) समाज (d) सामाजिक समूह

उत्तर : (a) राबर्ट रैडफील्ड के अनुसार जिस समुदाय में भिन्नता, लघुता, समरूपता एवं आत्मनिर्भरता की विशेषताएँ पाई जाती हैं उसे लघु समुदाय कहते हैं।

18. निम्न में कौन सा कथन सही नहीं है?

(a) प्रस्थिति सामाजिक संरचना की इकाई है।
(b) भूमिका व्यक्तिगत व्यवहार का एक तत्व है।
(c) प्रस्थिति एवं भूमिका दोनों ही सामाजिक संरचना के तत्व है।
(d) प्रस्थिति एवं भूमिका दोनों गतिक और सदैव परिवर्तनशील तत्व है।

उत्तर : (b) किसी विशिष्ट समूह अथवा सामाजिक स्थिति में किसी विशिष्ट पद-प्रस्थिति के साथ जुड़े हुए तथा किन्हीं विशिष्ट दायित्वों एवं अधिकारों में आबद्ध व्यवहार प्रतिमान को भूमिका कहते हैं। भूमिका समाज सम्मत व्यवहार का एक तत्व है ना कि व्यक्तिगत व्यवहार का।

19. आदर्श व्यवहारों को जिन्हें समाज आवश्यक मानता है तथा जिनका वह कठोरता पूर्वक पालन करता है, कहा जाता है।

(a) जनरीतियाँ (b) जनरूढियाँ
(c) प्रथाएँ (d) अभिसमय/मान्यताएँ

उत्तर : (b) आदर्श व्यवहारों को जिन्हें समाज आवश्यक मानता है तथा जिनका वह कठोरता पूर्वक पालन करता है उसे जनरूढियाँ कहा जाता है।

20. मीड द्वारा ऐसे व्यक्तियों को जिनका किसी व्यक्ति के स्वमूल्याँकन तथा सामाजिक आदर्शों की स्वीकृति या अस्वीकृति पर सर्वाधिक प्रभाव होता है, कहा गया है।

(a) सामान्यीकृत दूसरे (b) संदर्भ दूसरे
(c) महत्वपूर्ण दूसरे (d) माडल दूसरे

उत्तर : (a) मीड द्वारा ऐसे व्यक्तियों को जिनका किसी व्यक्ति के स्वमूल्याँकन तथा सामाजिक आदर्शों की स्वीकृति या अस्वीकृति पर सर्वाधिक प्रभाव होता है, तो उसे सामान्यीकृत दूसरे कहते हैं।

21. निम्न में से किसके अनुसार सत्ता का भेदीय प्रसार वर्ग संगठन एवं वर्ग संघर्ष का निर्माण करता है?
(a) कार्ल मार्क्स (b) राल्फ हेहरेंनडॉर्फ
(c) लेवी स्ट्रास (d) लेविस कोजर

उत्तर : (b) डेहरेंडॉर्फ का प्रमुख योगदान वर्ग सिद्धान्त (वर्ग संघर्ष) और भूमिका सिद्धान्त के क्षेत्र में है। इनके अनुसार सत्ता का विभिन्न रूप में वितरण अनिवार्यतः व्यवस्थित सामाजिक संघर्ष का निर्धारक कारक है।

22. प्रक्रियावादी विचार धारा के अनुसार मानव प्रकृति निम्न में से किस प्रकार की है?
(a) पेट्रोल (b) पानी
(c) मोम (d) स्टील

उत्तर : (b) प्रक्रियावादी विचार धारा के अनुसार मानव प्रकृति पानी की तरह होता है। क्योंकि निरन्तर यह प्रक्रिया प्रवाहमान होता रहता है।

23. निम्न में से कौन सा सिद्धांत मानवता की मनोवैज्ञानिक अभिव्यक्ति पर आधारित है?
(a) प्रक्रियावाद (b) प्रसारवाद
(c) संरचनावाद (d) अन्तः क्रियावाद

उत्तर : (d) अन्तःक्रियावाद मानवता की मनोवैज्ञानिक अभिव्यक्ति पर आधारित है। जो समाज के संबंधों का अध्ययन सामाजिक कर्ताओं के होने वाले संकेतात्मक सम्प्रेषण (संचार) की प्रक्रिया के सन्दर्भ में करता है। यह सिद्धांत सभी प्रकार की मानवीय अन्तः क्रियाओं में प्रतीकों और भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

24. वेबर के अनुसार स्थिति व्यवस्था क्यों लागू होती है?
(a) ऊपर एवं नीचे सामाजिक गतिशीलता को प्रोत्साहित करना।
(b) ऊपर-नीचे सामाजिक गतिशीलता को हतोत्साहित करना।
(c) ऊपरी सामाजिक गतिशीलता को प्रोत्साहित करना परन्तु निचली सामाजिक गतिशीलता को हतोत्साहित करना।
(d) ऊपर-नीचे सामूहिक सामाजिक गतिशीलता को प्रोत्साहित करना।

उत्तर : (a) मैक्स वेबर की प्रस्थिति समूह की अवधारणा से तात्पर्य ऐसे समूहों से है जिनमें सकारात्मक और नकारात्मक मानदण्डों और समान जीवन शैली के आधार पर विभेद किया जाता है। इस प्रकार स्थिति व्यवस्था ऊपर एवं नीचे सामाजिक गतिशीलता को प्रोत्साहित करती है।

25. महिलाओं की प्रस्थिति एवं भूमिका में लोक मत में ऐतिहासिक परिवर्तन को समझाने के लिए शोधकर्ता निम्न में से किस अध्ययन पद्धति को अपनायें?
(a) नमूना सर्वेक्षण
(b) जाने माने मीडिया द्वारा पिछले कुछ वर्षों के योगदान का विषय विश्लेषण
(c) समूह केन्द्रित विश्लेषण
(d) सहभागी निरीक्षण

उत्तर : (b) महिलाओं की प्रस्थिति एवं भूमिका में लोकमत में ऐतिहासिक परिवर्तन को समझाने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त प्रविधि अंतर्वस्तु विश्लेषण है। इसके अन्तर्गत मीडिया द्वारा पिछले कुछ वर्षों के योगदान का विषय विश्लेषण किया जाता है।

26. निम्न में से कौन सा सही-मेल नहीं है?
(a) पवित्र एवं अपवित्र - दुर्खीम
(b) संदर्भ समूह - मर्टन
(c) शुद्धता एवं अशुद्धता - ड्यूमोंट
(d) प्रभुत्व जाति - घुर्ये

उत्तर : (d) प्रभु जाति की अवधारणा का प्रतिपादन घुर्ये द्वारा नहीं अपितु एम. एन. श्रीनिवास द्वारा किया गया है।

27. कौन सा सिद्धांत इस बात पर जोर देता है कि सामाजिक स्तरीकरण में व्यक्तियों का एकीकरण व्यक्ति के गुणों या पुरस्कार पर न हो कर प्रकार्यों के आधार पर होता है?
(a) मार्क्सवादी सिद्धांत (b) प्रक्रियावादी सिद्धांत
(c) सांस्कृतिक सिद्धांत (d) संरचनात्मक सिद्धांत

उत्तर : (b) प्रक्रियावादी सिद्धांत इस बात पर जोर देता है कि सामाजिक स्तरीकरण में व्यक्तियों का एकीकरण व्यक्ति के गुणों या पुरस्कार पर न होकर प्रकार्यों के आधार पर होता है।

28. जाति अध्ययन में वेबर के स्तरीकरण के सिद्धांत को किसने अपनाया है?
(a) एम॰ एन॰ श्रीनिवास (b) आन्द्रे, बैतेई
(c) एस॰ सी॰ दूबे (d) जी॰ एस॰ घुर्ये

उत्तर : (b) आन्द्रे बेतेई को समाजशास्त्र में स्तरीकरण और तुलनात्मक विधि का प्रणेता समझा जाता है। उन्होंने जाति अध्ययन में वेबर के स्तरीकरण के सिद्धांत को अपनाया था।

29. कार्य एवं व्यवहार में अंतर करने वाला कारक निम्न में से कौन सा है?
(a) बुद्धिसंगत (b) परम्परा
(c) भावनाएँ (d) अर्थ

उत्तर : (c) भावनाओं का सम्बन्ध व्यक्तिनिष्ठ पहलुओं से है और कार्य एवं व्यवहार में अंतर करने वाला कारक भावना है।

30. जब एक व्यवस्था के किसी एक भाग में परिवर्तन होता है तो दूसरे भागों में भी परिवर्तन स्वतः होने लगता है तथा इन परिवर्तनों को सामाजिक संरचना अपने में शामिल करते हुये एक नई व्यवस्था को जन्म देती है। इस प्रकार की मान्यता के आधार पर निम्न सिद्धांतों में से किस सिद्धांत द्वारा दर्शाया गया है:
(a) सामाजिक परिवर्तन का क्रान्तिकारी सिद्धांत।
(b) सामाजिक परिवर्तन का संघर्ष का सिद्धांत।
(c) सामाजिक परिवर्तन का संतुलन सिद्धांत।
(d) सामाजिक परिवर्तन का नव विकासवादी सिद्धांत।

उत्तर : (c) जब एक व्यवस्था के किसी एक भाग में परिवर्तन होता है तो दूसरे भागों में भी परिवर्तन स्वतः होने लगता है तथा इन परिवर्तनों को सामाजिक संरचना अपने में शामिल करते हुये एक नई व्यवस्था को जन्म देती है। यह मान्यता सामाजिक परिवर्तन का संतुलन सिद्धांत द्वारा दर्शाया गया है।

31. जब किसी सामाजिक सिद्धांत का परीक्षण करना हो तो शोध कर्ता निम्न में से किस विधि को अपनाएगा?
(a) समाविष्ठ शोध/आगमनात्मक शोध
(b) असमाविष्ठ शोध/निगमनात्मक शोध
(c) अन्वेषणात्मक शोध
(d) सैद्धांतिक शोध

उत्तर : (b) निगमनात्मक शोध के अन्तर्गत अपनी रूचि के किसी सिद्धान्त के बारे में सोच से प्रारम्भ होकर परिकल्पनाओं का निर्माण किया जाता है एवं मूल सिद्धांत का प्रमाणीकरण किया जाता है।

32. दुर्खीम के अनुसार श्रम विभाजन किसका कार्य था?

(a) जनसंख्या का घनत्व (b) धर्म
(c) परिवार (d) मानव द्वारा प्रसन्नता की तलाश

उत्तर : (a) दुर्खीम समाजशास्त्र के वास्तविक पिता माने जाते हैं दुर्खीम के अनुसार श्रम विभाजन एक विशुद्ध सामाजिक प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया का पहला पक्ष जनसंख्या की वृद्धि है। इसका दूसरा पक्ष नैतिक है। समाज का नैतिक दायित्व है कि बढ़ती जनसंख्या के साथ प्रत्येक व्यक्ति को समाज में उचित स्थान और कार्य प्रदान करे।

33. पर्यावरण सम्बन्धी गलती का कारण निम्न में से कौन है?

(a) बृहद-व्याख्या के आधार पर सूक्ष्म आधार पर नतीजा निकालना
(b) सूक्ष्म-आधारित व्याख्या के आधार पर बृहद स्तर पर नतीजा निकालना
(c) निरीक्षण की इकाई का विश्लेषण की इकाई जैसा न होना
(d) निरीक्षण की इकाई का सही से परिभाषित न होना

उत्तर : (c) पर्यावरण सम्बन्धी गलती का कारण निरीक्षण की इकाई का विश्लेषण की इकाई जैसा न होना है।

34. एक शोध कर्ता का अपराधिक गैंग बनाने और समाप्त करने के अध्ययन के प्रयास में, गैंग का स्वयं भी सक्रिय सदस्य बन जाना, इस तरह की भूमिका को निम्न में से क्या कहेंगे?

(a) निरीक्षण सहभागी जैसा (b) सहभागी निरीक्षण
(c) केवल सहभागी (d) केवल निरीक्षक

उत्तर : (b) सहभागी निरीक्षण वह विधि है जिसमें अन्वेषक अध्ययन किये जाने वाले परिवेश का एक हिस्सा बन जाता है। वह स्वयं को अन्वेषण विषय के समूह के जीवन का हिस्सा बना लेता है उस परिवेश में स्वयं को शामिल कर लेता है। एक शोध कर्ता का अपराधिक गैंग बनाने और समाप्त करने के अध्ययन के प्रयास में गैंग का स्वयं भी सक्रिय सदस्य बन जाना इस तरह की भूमिका को सहभागी निरीक्षण कहते हैं।

35. निम्न में से आदर्श समाजों की कौन सी विशेषताएँ हैं?

1. मशीनी सुदृढ़ता 2. संबिदात्मक संबन्ध
3. नातेदारी की प्रमुखता 4. सामाजिक भिन्नता

कोड :

(a) 1, 2 (b) 1, 3
(c) 2, 3 (d) 3, 4

उत्तर : (b) मैकाइवर ने अपनी पुस्तक 'सोसाइटी' में समाज को परिभाषित करते हुए लिखा है कि
''समाज परिपाटियों, कार्यविधियों, सत्ता, पारम्परिक सहयोग, अनेक समूहों एवं वर्गों, मानवीय व्यवहारों के नियंत्रणों और स्वतंत्रताओं की एक व्यवस्था है।'' आदर्श समाज वह समाज है जिनमें मशीनों की सुदृढ़ता हो, साथ ही साथ नातेदारी की प्रमुखता भी हो।

36. निम्न में से सामाजिक संरचना को भूमिका सम्बन्धों का जाल तथा आकृति के रूप में किस ने परिभाषित किया है?

(a) नाडेल (b) लैवी-स्ट्रॉस
(c) रैडक्लिफ ब्राऊन (d) मर्टन

उत्तर : (a) नाडेल अपने विशिष्ट संरचनावादी सिद्धांत से मानवशास्त्र और समाजशास्त्र दोनों को प्रभावित किया है। उनके अनुसार किसी वस्तु या सत्ता के हिस्सों के औपचारिक सम्बन्धों को संरचना कहते हैं। उन्होंने सामाजिक संरचना को भूमिका सम्बन्धों का जाल तथा आकृति के रूप में परिभाषित किया था।

37. अतार्किक क्रियाएँ क्या होती है?

(a) क्रियाएँ जो साध्यों को हासिल करने के लिए उपर्युक्त साधनों का प्रयोग करते हैं।
(b) क्रियाएँ जिनका संचालन भावनाओं द्वारा होता है।
(c) क्रियाएँ जो पक्षपातपूर्ण तथा निष्पक्ष होती हैं।
(d) क्रियाएँ जो अवशिष्ट होती हैं।

उत्तर : (b) अतार्किक क्रियाएँ वह क्रियाएँ होती हैं। जिसमें क्रियाओं का संचालन भावनाओं द्वारा होता है और उसके विपरीत तार्किक क्रियाएँ तर्क एवं तथ्य पर आधारित होते हैं।

38. सिद्धांत क्या है?

(a) तर्कसंगत अवधारणाएँ (b) तथ्यों का सामान्यीकरण
(c) तर्कसंगत तथ्य (d) घटनाओं का सामान्यीकरण

उत्तर : (d) सिद्धांत घटनाओं का सामान्यीकरण है। उसका प्रमुख कार्य यथार्थ का विश्लेषण और व्याख्या करना है। यह घटनाओं के घटने के कारणों की व्याख्या करता है। शोध की भाषा में एक सिद्धांत अन्तर्संबन्धित अवधारणाओं, परिभाषाओं और प्रस्थापनाओं का एक समूह है जो किसी घटना से सम्बन्धित विभिन्न चरों के नीचे पाये जाने वाले सम्बन्धों को स्पष्ट करता है।

39. पितृसत्तात्मक व मैत्रीसत्तात्मक नातेदारी संगठन जिस में सदस्यों का एक सांझा पूर्वज होता है, निम्न में से कौन सा है?

(a) सत्तात्मक (b) टोटम (कुलप्रतीक)
(c) गोत्र (d) फ्रेटरी

उत्तर : (c) अंग्रेजी के क्लैन शब्द के लिए हिन्दी भाषा में गोत्र शब्द का प्रयोग कई वंशजों के ऐसे व्यापक समूह के लिए किया जाता है। गोत्र की सदस्यता जन्मजात होती है। पितृसत्तात्मक व मैत्रीसत्तात्मक नातेदारी संगठन जिसमें सदस्यों का एक साझा पूर्वज होता है। उसे गोत्र के नाम से जाना जाता है।

40. मर्टन के अनुसार 'विचलन का अर्थ वह व्यवहार':

(a) जो सात्मीकरण लाता है (b) जो अस्वीकृत होता है
(c) जो प्रतीकात्मक होता है (d) जो स्वीकृत होता है

उत्तर : (b) मर्टन के अनुसार प्रत्येक समाज में कुछ सांस्कृतिक लक्ष्य होते है। इन्हें पूरा करने में कुछ संस्थात्मक लक्ष्य होते है। जब लोग इनमें तारतम्य नहीं बिठा पाते हैं तो विचलन होता है।

41. भूमिका-सेट की अवधारणा किसने दी?

(a) इ-गॉफमैन (b) जी॰ एच॰ मीड
(c) ऑर॰ के॰ मर्टन (d) सी॰ एच॰ कुले

उत्तर : (c) आर॰ के॰ मर्टन ने इस अवधारणा का प्रयोग किया। एक विशिष्ट सामाजिक प्रस्थिति के साथ जुड़ी हुई भूमिकाओं के समुच्चय को भूमिका पुंज कहते है।

42. जब बारम्बारता-सूचक सामग्री से मानक-विचलन का मूल्य-2.2, प्राप्त हो तो इससे क्या अर्थ निकाला जा सकता है?

(a) कम विचलन (b) नकारात्मक विचलन
(c) समरूपता (d) संगणना में गल्ती

उत्तर : (b) जब बारम्बारता सूचक सामग्री से मानक विचलन का मूल्य 2.2 प्राप्त हो तो इससे नकारात्मक विचलन का अर्थ निकलता है।

43. आम तौर पर शोध उपकल्पना निम्न में से किससे ली जाती है या बनाई जाती है?

(a) अनुभवजन्य तथ्य (b) शोधकर्ता की कल्पना
(c) सैद्धांतिक प्रारूप (d) पिछले शोधों से

उत्तर : (c) सैद्धांतिक प्रारूप के द्वारा ही शोध उपकल्पना का निर्माण किया जाता है। शोध उपकल्पना एक काम चलाऊ निष्कर्ष होता है।

44. एक शोधकर्ता को किसी महानगर की गंदी बस्ती में बाल अपराध के कारण समझने में दिलचस्पी है, उस बस्ती में अंतराक्षपण कार्यक्रम के उद्देश के लिए उसे किस प्रकार के शोध डिजाइन पर विचार करना चाहिए?

(a) व्याख्यात्मक (b) अन्वेषणात्मक
(c) वर्णनात्मक (d) मूल्यांकनात्मक

उत्तर : (b) अन्वेषणात्मक अनुसंधान अभिकल्प का प्रयोग तब किया जाता है जब उस प्रकरण के विषय में पर्याप्त जानकारी न हो तथा जिसके विषय में अनुसंधानकर्ता को या तो कोई जानकारी न हो या सीमित जानकारी हो।

45. व्यक्तिगत मान्यों के कुल योग के विचलन का औसत सदैव, निम्न में से क्या होगा?

(a) सकारात्मक (b) नकारात्मक
(c) सकारात्मक या नकारात्मक (d) जीरो (शून्य)

उत्तर : (d) व्यक्तिगत मान्यों के कुल योग के विचलन का औसत सदैव शून्य होता है।

46. भारत के किसी जिले में प्रति 1000 जनसंख्या पर मोटर वाहनों की संख्या किसका उदाहरण है?

(a) नासिक चल (b) क्रमसूचक चल
(c) माध्याँकन चल (d) अनुपातिक चल

उत्तर : (d) भारत के किसी जिले में प्रति 1000 जनसंख्या पर मोटर वाहनों की संख्या आनुपातिक चर है।

47. जातीयता (एथनोसैंट्रीसिम) क्या है?

(a) अपनी संस्कृति के अनुसार दूसरी संस्कृतियों को आंकने की प्रवृति।
(b) दूसरी संस्कृतियों की आदर से देखने की प्रवृति
(c) दूसरी संस्कृतियों को अपनी संस्कृति के बराबर समझाने की प्रवृति।
(d) दूसरी संस्कृतियों के अनुसार अपनी संस्कृति को ढालने की प्रवृति।

उत्तर : (a) जातीयता अपनी संस्कृति के अनुसार दूसरी संस्कृतियों को आँकने की प्रवृत्ति है। इस अवधारणा का सर्वप्रथम प्रयोग समनर ने अन्तःसमूह और वाह्य समूह के बीच ऐसी पक्षपात मनोवृतियों के लिए किया है।

48. सूची-I को सूची-I I से मिलाये:

सूची-I (पुस्तकें)		सूची-II (लेखक)	
(A)	क्लास एण्ड क्लास कांफ्लिक्ट इन इन्डस्ट्रीयल सोसाइटी	i	कार्ल मार्क्स
(B)	द लोनली क्राउड	ii	डाहरेन्डॉर्फ
(C)	दास कैपीटल	iii	ई॰ गॉफमैन
(D)	द एफलियुएण्ट वर्कर	iv	गोल्डथार्प
		v	डी॰ रीसमैन

कूट:

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(b)	(ii)	(v)	(i)	(iv)
(c)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(d)	(iii)	(ii)	(i)	(v)

उत्तर : (b) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(पुस्तकें)	(लेखक)
क्लास एण्ड क्लास कांफ्लिक्ट इन इन्डस्ट्रीयल सोसाइटी	- डाहरेन्डॉर्फ
द लोनली क्राउड	- डी. रीसमैन
दास कैपिटल	- कार्ल मार्क्स
द एफलियुएण्ट वर्कर	- गोल्डथार्प

49. सूची - I को सूची - II से मिलायें:

	सूची - I		सूची - II
(A)	लुकिंग ग्लास सेल्फ	i	एच. मीड
(B)	ड्रामीट्रालीकल सरकमस्पैक्शन	ii	इ. गॉफमैन
(C)	कलेक्टिव कांसियसनेस	iii	एस. फ्रॉयड
(D)	इड. इगो. एण्ड सूपरइगो	iv	सी. एच. कूले
		v	इ. दुर्खीम

कूट:

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(ii)	(v)	(i)
(b)	(iv)	(ii)	(v)	(iii)
(c)	(v)	(iii)	(iv)	(i)
(d)	(ii)	(iii)	(v)	(i)

उत्तर : (b) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

लुकिंग ग्लास सेल्फ	-	सी. एच. कूले
ड्रामीट्रालीकल सरकमस्पैक्शन	-	इ. गाफमैन
कलेक्टिव कांसियसनेस	-	ई. दुर्खीम
इड. इगो एण्ड सूपरइगो	-	एस. फ्राइड

50. निम्न में से किसने समाज में संघर्ष के प्रकार्यों को महत्व देते हुए संघर्ष सिद्धाँत एवं संरचनात्मक प्रक्रार्यवादी सिद्धाँतों को जोड़ा है?

(a) कार्ल मार्क्स (b) दुर्खीम
(c) लेविस कोजर (d) राल्फ डाहरेन्डॉर्फ

उत्तर : (c) अमेरिकी समाजशास्त्री एल. कोजर ने संघर्ष को प्रकार्यात्मक माना है क्योंकि बहुलविधि समाजों में संघर्ष लोगों को जोड़ने का कार्य करता है। लेविस कोजर ने अपनी पुस्तक 'द फंक्शन ऑफ सोशल कान्फिलक्ट' में संघर्ष सिद्धांत एवं संरचनात्मक प्रकार्यवादी सिद्धांतों को अधिक से अधिक स्पष्टता देना चाहते हैं वे जॉर्ज सिमेल की कृतियों से संघर्ष की जो अवधारणा है उसे पुरजोर तरीके से अधिक पैना बनाने की कोशिश की।

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2006
समाजशास्त्र
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

(a) उपकल्पना को सिद्धांतों से अनुमानिकता से निकाला जा सकता है।
(b) उपकल्पना को अन्तर्दृष्टि और अवलोकन के सम्मिलन से निकाला जा सकता है।
(c) उपकल्पना सिद्धांतों की परख में मदद करता है।
(d) उपकल्पना हमें अभेदकारी और अन्धा-धुन्ध दत्त की खोज की तरफ ले जाता है।

उत्तर (d) किसी सिद्धान्त से जुड़ी अवधारणाओं के बीच सम्बन्धों को अभिव्यक्त करने वाले अपरीक्षित कथन को प्राक्कल्पना या उपकल्पना कहते हैं। प्राक्कल्पना को भाग उपकल्पना समझना भूल है। घटनाओं के सम्भावित सम्बन्धों के बारे में केवल ऐसे विचार को ही प्राक्कल्पना की श्रेणी में रखा जाता है जिनकी प्रामाणिकता की जाँच वैज्ञानिक तरीके से सम्भव है। अतः यह कहना गलत होगा कि उपकल्पना हमें अभेदकारी अन्धा-धुन्ध दत्त की खोज की तरफ ले जाता है।

2. निम्नलिखित में से कौन सी विशेषतायें पितृसत्तात्मक परिवार को दर्शाती हैं?

(a) वंश, विरासत और उत्तराधिकार महिला की पंक्ति से रेखाँकित किया जाता है।
(b) वंश, विरासत और उत्तराधिकार पुरुषों की पंक्ति से रेखाँकित किया जाता है।
(c) ऐसे परिवारों में माता प्रभुता और शक्ति का प्रयोग करती है।
(d) ऐसे परिवारों में पिता का दर्जा (स्तर) अमुख्य होता है।

उत्तर (b) पितृसत्तात्मकता सामाजिक संगठन का वह रूप है जिसमें पितृमार्गी वंशानुक्रम, उत्तराधिकार, पदाधिकार, पितृस्थानीयता पैतृक सत्ता तथा वैधानिक रूप से स्त्रियों व बालकों के मातहत होने की प्रवृत्ति होती है। शाब्दिक रूप में 'पितृ सत्ता' का तात्पर्य 'पिता के शासन' से है। अर्थात् पितृसत्तात्मक परिवार में वंश, विरासत और उत्तराधिकार पुरूष की पंक्ति से रेखांकित किया जाता है।

3. निम्नांकित रणनीतियों को सही क्रम में रखें।

i. महिला सबलीकरण
ii. महिला मुक्ति
iii. महिला और विकास
iv. लिंग और विकास

कोडः

(a) (i) (ii) (iii) (iv)
(b) (iv) (iii) (ii) (i)
(c) (i) (iv) (iii) (ii)
(d) (ii) (iii) (iv) (i)

उत्तर (d) सही क्रम है– महिला मुक्ति → महिला और विकास → लिंग और विकास → महिला सबलीकरण

4. अभिकथन (A) : एक नृजातीय समूह एक बड़े समाज का हिस्सा होता है जिसके सदस्यों के बारे में समझा जाता है और वो स्वयं भी समझता है कि उनकी एक साँझी संस्कृति है।

तर्क (R) : नृजातीय समूह की सदस्यता पीढ़ी दर पीढ़ी संक्रमित होती है

प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं। मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है, मगर (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, मगर (R) सही है।

उत्तर (a) व्यक्तियों के ऐसे समूह को नृजाति समूह के रूप में पारिभाषित किया जाता है जो स्वयं के साथ-साथ दूसरों के द्वारा भी यह समझा जाता है कि उनकी कुछ ऐसी विशिष्ट सांस्कृतिक विशेषतायें हैं जो उन्हे समाज के अन्य समूहों से अलग करती है। एक नृजाति समूह में कई भिन्न वर्ग के लोग हो सकते हैं अतः इनकी एक साँझी संस्कृति होती है तथा यह भी कथन सत्य है कि नृजाति समूह की सदस्यता पीढ़ी दर पीढ़ी संक्रमित होती है। जो अभिकथन की व्याख्या करता है।

5. निम्नलिखित में से कौन सा तथ्य भारत में अदृश्य बेटियों के साथ जोड़ा जाता है?

(a) उन्नत चिकित्सक तकनीक
(b) महिलाओं में अशिक्षा
(c) महिलाओं में आर्थिक आजादी की कमी
(d) सांस्कृतिक कारण आर्थिक दायित्व बन जाते हैं

उत्तर (d) भारत में अदृश्य बेटियों के साथ सांस्कृतिक कारण आर्थिक दायित्व बन जाते हैं।

6. निम्नांकित कोड के अनुसार लेखकों को उनके पुस्तकों से जोड़ें।

	लेखक		पुस्तक
(A)	मार्गरिट मीड	i	द सेकेण्ड सेक्स
(B)	सिमों ड बूवूआर	ii	द डाइलेक्टिक ऑफ सेक्स
(C)	केट मिलेट	iii	सेक्स एण्ड टेमपरामेन्ट
(D)	सुलामिथ फायरस्टोन	iv	सेक्सुअल पॉलटिक्स

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

उत्तर (c) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(लेखक)		(पुस्तक)
मार्गरिट मीड	-	सेक्स एण्ड टेम्परामेण्ट
सिमो ड बूवूआर	-	द सेकेण्ड सेक्स
केट मिलेट	-	सेक्सुअल पॉलिटिक्स
सुलामिथ फायरस्टोन	-	द डाइलेक्टिक ऑफ सेक्स

7. बोगार्डस पैमाने को किस प्रकार वर्गीकृत किया जा सकता है?

(a) सांकेतिक
(b) क्रमिक संख्या
(c) अन्तराल
(d) अनुपात

उत्तर (b) बोगार्डस पैमाने को क्रमिक संख्या के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है। बोगार्डस ने सामाजिक अंतर नापने के लिए या संबन्ध रखने या विभिन्न समूहों में नजदीकी नापने के लिए एक अनुमापक का विकास किया। यह दर्शाता है कि आधार सामग्री कम करने के साधन के रूप में अनुमापन एक मितव्ययी साधन है।

8. निम्नांकित कोड के अनुसार लेखकों को उनके पुस्तकों से जोड़ें।

	विचार		लेखक
(A)	वास्तविक तथा अवास्तविक संघर्ष	i	आर॰ डेहरेन्डॉर्फ
(B)	समाज का अवपीड़न सिद्धांत	ii	एल॰ कोजर
(C)	अब तक के समाजों का इतिहास वर्ग संघर्ष का इतिहास रहा है	iii	के॰ मार्क्स
(D)	हिंसक बल प्रयोग	iv	आर॰ कॉलिंस

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(d)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

उत्तर (c) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(विचार)	(लेखक)
वास्तविक तथा अवास्तविक संघर्ष	- एल. कोजर
समाज का अवपीड़न सिद्धान्त	- आर. डेहरेंडॉर्फ
अब तक के समाजों का इतिहास वर्ग संघर्ष का इतिहास रहा है।	- कार्ल मार्क्स
हिंसक बल प्रयोग	- आर. कॉलिन्स

9. लेखकों को उनकी पुस्तकों से जोड़ें। कोड का इस्तेमाल करें।

	लेखक		पुस्तक
(A)	एम. एन. श्रीनिवास	i	कास्ट, क्लास एण्ड पावर
(B)	एस.सी. दुबे	ii	हाउसहोल्ड डाइमेन्सन ऑफ फेमिली
(C)	ए.एम. शाह	iii	द' रिमेंम्बर्ड विलेज
(D)	आन्द्रे बैतेई	iv	इंडियन विलेज

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(b)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(c)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(d)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

उत्तर (a) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(लेखक)		(पुस्तक)
एम. एन. श्रीनिवास	-	द रिमेम्बर्ड विलेज
एस. सी. दूबे	-	इण्डियन विलेज
ए. एम. शाह	-	हाउस होल्ड डाइमेन्शन ऑफ फेमिली
आन्द्रे बैतेई	-	कास्ट, क्लास एण्ड पॉवर

10. अभिकथन (A) : ग्रामीण समाज में हो रहे परिवर्तनों को समझने के लिए ऐतिहासिक तथ्य एवं सहभागी अवलोकन दोनों आवश्यक हैं।

तर्क (R) : प्रारम्भिक समाजशास्त्र ने ऐतिहासिक प्रक्रियाओं के अध्ययन पर अधिक बल दिया था, किन्तु बाद में क्षेत्र-अध्ययन को अपने उपागम तथा अध्ययन पद्धति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया।

प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:

(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) गलत है मगर (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

उत्तर (d) प्रत्येक समाज का इतिहास उसके वर्तमान स्वरूप का मूल आधार होता है अतः किसी समाज का अध्ययन करने के लिए उसके इतिहास का ज्ञान आवश्यक है तथा सहभागी अवलोकन द्वारा समाज के वर्तमान स्वरूप का वास्तविक, तथ्य प्राप्त किया जा सकता है। प्रारम्भ में समाजशास्त्रियों ने ऐतिहासिक तथ्य पर बल दिया। परन्तु वर्तमान समय में क्षेत्र अध्ययन पद्धति का महत्वपूर्ण हिस्सा है।
अतः A तथा R दोनों सही है तथा R, A का सही स्पष्टकरण है।

11. अभिकथन (A) : सामाजिक स्तरण से ऐसे सामाजिक समूहों का मान होता है जिनकी दर्जा बन्दी की गई होती है।

तर्क (R) : सामाजिक समूह की अपनी एक जीवन शैली होती है और यही जीवन शैली अन्य सामाजिक समूहों के सदस्यों से उनकों भिन्न करती है।

प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:

(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) गलत है मगर (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

उत्तर (d) स्पष्टीकरण समाज के समूहों एवं सदस्यों के विभिन्न स्तरों में बँटने की प्रक्रिया है अर्थात् सामाजिक स्तरण से ऐसे सामाजिक समूहों का मान होता है जिनकी दर्जा बन्दी की गयी होती है। सामाजिक समूह की अपनी एक जीवन शैली होती है। और यही जीवनशैली अन्य सामाजिक समूहों को सदस्यों से उनकों भिन्न करती है। (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

12. निम्नलिखित कथनों को उनके निदर्शन की रूपरेखा से जोड़े जिनसे वे संबंधित हैं।

	कथन		निदर्शन की रूपरेखा
(A)	यह एक मौलिक संभाव्यता निदर्शन पद्धति है जो सभी अन्य प्रकार की संभाव्यता निदर्शन पद्धति में निहित है।	i	स्तरीकृत निदर्शन
(B)	पहले जनसंख्या को विभिन्न स्तरों में विभाजित किया जाता है और फिर प्रत्येक स्तर से दैव पद्धति से कुछ संख्या	ii	बहु-चरण निदर्शन

	चुन लिया जाता है।		
(C)	इस पद्धति में निदर्शन का चुनाव विभिन्न चरणों में होता है।	iii	सरल दैव निदर्शन
(D)	इकाइयों के गुच्छ से प्रत्येक तत्व का चुनाव किया जाता है।	iv	गुच्छ निदर्शन

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

उत्तर (b) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(कथन)	(निदर्शन की रूपरेखा)
यह एक मौलिक संभाव्यता निदर्शन पद्धति है जो सभी अन्य प्रकार की संभाव्यता निदर्शन पद्धति में निहित है।	–सरल दैव निदर्शन
पहले जनसंख्या को विभिन्न स्तरों में विभाजित किया जाता है और फिर प्रत्येक स्तर से दैव पद्धति से कुछ संख्या चुन लिया जाता है।	–स्तरीकृत निदर्शन
इस पद्धति में निदर्शन का चुनाव विभिन्न चरणों में होता है।	–बहु-चरण निदर्शन
इकाइयों के गुच्छ से प्रत्येक तत्व का चुनाव किया जाता है।	–गुच्छ निदर्शन

13. निम्नांकित मापों को चार के प्रकारों से जोड़े। उत्तर के लिए कोड का इस्तेमाल करें।

	माप		चर
A.	बहुलक	i	क्रम सूचक
B.	मध्यम	ii	नामिक
C.	माध्यम	iii	अन्तराल
D.	मानक विचलन	iv	अनुपात

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(b)	(ii)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(i)	(i)	(ii)	(iv)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

उत्तर (a) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(माप)	(चर)
बहुलक	- नामिक
मध्यम	- अन्तराल
माध्यम	- क्रम सूचक
मानक विचलन	- अनुपात

14. शोध प्रक्रिया में निहित सही चरणों को सुव्यवस्थित करें। निम्नांकित कोड का इस्तेमाल करें।

(i) समस्या निर्धारण (ii) साहित्य सर्वेक्षण

(iii) सामग्री विश्लेषण (iv) सामग्री संकलन

कोडः

(a) (iv) (iii) (ii) (i)
(b) (ii) (i) (iv) (iii)
(c) (i) (iii) (iv) (ii)
(d) (iii) (i) (ii) (iv)

उत्तर (b) शोध प्रक्रिया में निहित सही चरणों का क्रम इस प्रकार है- साहित्य सर्वेक्षण-समस्या निर्धारण-सामग्री संकलन-सामग्री विश्लेषण

15. निम्नलिखित लेखकों को उनकी किताबों से जोड़ें। नीचे दिये गये कोड का इस्तेमाल करें।

	लेखक		किताबे
A.	जे॰ एच॰ हट्टन	i	जाति एक नये अवतार
B.	एम॰ एन॰ श्रीनिवास	ii	जाति, वर्ग और शक्ति
C.	ऑन्द्रे बेतेई	iii	जाति और प्रजाति
D.	जी॰ एस॰ घुये	iv	भारत में जाति

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(b)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(c)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर (c) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(लेखक)	(किताबें)
जे. एच. हट्टन	- भारत में जाति
एम. एन. श्रीनिवास	- जाति एक नये अवतार
आन्द्रे बेतेई	- जाति, वर्ग और शक्ति
जी. एस. घुरिये	- जाति और प्रजाति

16. तथ्य विश्लेषण में निहित तार्किक चरणों को सही क्रम में रखें।

(i) सामग्री की सफाई (ii) सामग्री प्रविष्ट

(iii) कोडिंग (iv) सामग्री वर्गीकरण

कोडः

(a) (iv) (iii) (ii) (i)
(b) (iii) (iv) (i) (ii)
(c) (ii) (iv) (i) (iii)
(d) (iii) (ii) (i) (iv)

उत्तर (d) तथ्य विश्लेषण में निहित तार्किक चरणों का सही क्रम इस प्रकार है–कोडिंग-सामग्री प्रविष्ट-सामग्री की सफाई-सामग्री वर्गीकरण

17. निम्नांकित विचारों को उनके लेखक से जोड़े। नीचे दिये गये कोड का प्रयोग करें।

	विचार		लेखक
(A)	तार्किक एवं अतार्किक क्रिया	i	अल्फ्रेड शुट्ज
(B)	प्रतीकात्मक अन्तक्रियावाद	ii	विलफ्रेड परेटो
(C)	घटना विज्ञान	iii	जी॰ एच॰ मीड
(D)	नाट्यशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य	iv	इरविंग गॉफमैन

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(c)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(d)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

उत्तर (b) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(विचार)	(लेखक)
तार्किक एवं अतार्किक क्रिया	- विल्फ्रेड परेटो
प्रतीकात्मक अन्तर्क्रियावाद	- जी. एच. मीड
घटना विज्ञान	- अल्फ्रेड शुट्ज
नाट्य शास्त्रीय परिप्रेक्ष्य	- इरविंग गॉफमैन

18. निम्नांकित में से किसने समाज के विकास के तीन चरणों का विश्लेषण किया है- ईश्वरपरक, अभौतिक तथा वैज्ञानिक?

(a) कार्ल मार्क्स (b) हरबर्ट स्पेंसर
(c) ऑगस्त काम्टे (d) एल॰ टी॰ हॉबहाउस

उत्तर (c) ऑगस्त कॉम्ट समाजशास्त्र के जनक माने जाते हैं। उन्होंने समाज के विकास के लिए तीन चरणों का विश्लेषण किया है। जो निम्नवत है- 1. ईश्वर परक, 2. पराभौतिक , 3. वैज्ञानिक
ऑगस्त कॉम्ट ने विकास के इन तीन स्तरों की व्याख्या प्रत्यक्षवादी दर्शन में विस्तृत रूप से किया है। इस अर्थ में कॉम्ट उद्विकासवादी विचारधारा के समर्थक थे।

19. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सामाजिक स्तरीकरण की अवधारणा को दर्शाता है?

(a) वह समाज जिसमें लोगों को सामाजिक पुरस्कार प्राप्य नहीं हैं।
(b) जनसंख्या की विभिन्नता को क्रमबद्धता के आधार पर सामाजिक समूहों में बाँटा जाता है।
(c) सामाजिक समूहों को धन और प्रतिष्ठा सामान्य रूप से प्राप्य नहीं है।
(d) सामाजिक समूहों का राजनीतिक शक्ति सामान्य रूप से प्राप्य नहीं है।

उत्तर (b) सामाजिक स्तरीकरण वह प्रक्रिया है जिसमें किसी सामाजिक व्यवस्था में व्यक्तियों का ऊँच-नीच के क्रम-विन्यास में विभाजन होता है। जनसंख्या की विभिन्नता को क्रमबद्धता के आधार पर सामाजिक समूहों में बाँटा जाता है। यह कथन सामाजिक स्तरीकरण की अवधारणा को दर्शाता है।

20. निम्नलिखित अवधारणाओं को उन के कथन से जोड़े नीचे दिये गये कोड का इस्तेमाल करें?

अवधारणायें		कथन	
(A)	संस्कृतिकरण	i	धर्म निर्पेक्षता
(B)	आधुनिकीकरण	ii	वैज्ञानिक ज्ञान को मानवीय विकास के लिये धारण करना
(C)	पश्चिमीकरण	iii	ब्राह्मण संदर्भ समूह है
(D)	ब्राह्मणीकरण	iv	जाति के भीतर ऊर्ध्वगामी गतिशीलता

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(b)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(c)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर (c) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(अवधारणायें)		(कथन)
संस्कृतिकरण	-	जाति के भीतर ऊर्ध्वगामी गतिशीलता
आधुनिकीकरण	-	वैज्ञानिक ज्ञान को मानवीय विकास के लिए धारण करना
पश्चिमीकरण	-	धर्म निर्पेक्षता
ब्राह्मणीकरण	-	ब्राह्मण सन्दर्भ समूह है।

21. समाजशास्त्रीय अध्ययन में निम्नलिखित अवधारणाओं को क्रम अनुसार लिखें।
नीचे दिये हुये कोड के अनुसार उत्तर दें:

(i) कायिक संगठन (ii) सांस्कृतिक पिछड़न
(iii) प्रतिमान चर (iv) प्रत्यक्ष प्रकार्य

कोडः

(a)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

उत्तर (b) समाजशास्त्रीय अध्ययन में दिये गये उपरोक्त विकल्प (अवधारणा) का क्रम इस प्रकार है-
कायिक संगठन-सांस्कृतिक पिछड़ापन, प्रतिमान-चर, प्रत्यक्ष प्रकार्य।
कायिक संगठन-(सावयववाद)-एक सिद्धान्त अथवा परिप्रेक्ष्य जिसके अनुसार समाज को संरचना एवं प्रकार्य की दृष्टि से एक जैविकीय सावयव के समान माना जाता है।
सांस्कृतिक पिछड़न-यह अवधारणा इस तथ्य पर बल देती है कि एक समाज के तकनीकी विकास और उसकी नैतिक एवं कानूनी संस्थाओं में समान गति से परिवर्तन नहीं होती है। तकनीकी विकास में तीव्र गति से परिवर्तन होता है, परिणामतः दोनों में एक अन्तराल उत्पन्न हो जाता है। इस पिछड़न और अन्तराल के कारण कभी-कभी कुछ समाजों में सामाजिक संघर्ष और समस्याएँ उत्पन्न हो जाती है। इस अवधारणा का प्रयोग विलियम ऑगबर्न ने प्रस्तुत किया।
प्रतिमान चर–सामाजिक सम्बन्धों के द्विभाजन की एक विशिष्ट योजना प्रतिमान चर के नाम से जानी जाती है। इस योजना के प्रस्थापक विद्वान टालकॉट पारसंस रहे हैं।
प्रत्यक्ष प्रकार्य-किसी घटना, तत्व या इकाई के वे वस्तुपरक परिणाम प्रकट या व्यक्त प्रकार्य है जो किसी व्यवस्था के कार्यकर्ताओं या सहयोगी द्वारा अपेक्षित, मान्य एवं वांछित है।

22. बचपन से मनुष्य के समाजीकरण की एजेंसी को क्रम अनुसार लिखें:

(a) समकक्ष समूह, स्कूल, परिवार, धर्म
(b) धर्म, परिवार, समकक्ष समूह, स्कूल
(c) परिवार, धर्म, स्कूल, समकक्ष समूह
(d) परिवार, स्कूल, समकक्ष समूह, धर्म

उत्तर (d) समाजीकरण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा बच्चा सांस्कृतिक विशेषताओं तथा आत्मपन को सीखकर व्यक्तित्व का निर्माण करता है। बचपन से मनुष्य के समाजीकरण की एजेंसी क्रमशः परिवार, स्कूल, समकक्ष समूह, धर्म आदि है।

23. निम्नलिखित लेखकों के स्तरीकरण के सैद्धांतिक अध्ययन को काल क्रम के अनुसार बताइये:

(a) मैक्स वेबर-कार्ल मार्क्स-रॉबर्ट लिंड-सी डब्ल्यू मिल्स
(b) कार्ल मार्क्स-सी डब्ल्यू मिल्स-मैक्स वेबर-रॉबर्ट लिंड
(c) कार्ल मार्क्स-मैक्स वेबर-सी डब्ल्यू मिल्स-रॉबर्ट लिंड
(d) कार्ल मार्क्स-मैक्स वेबर-रॉबर्ट लिंड-सी डब्ल्यू मिल्स

उत्तर (d) लेखकों का स्तरीकरण के सैद्धान्तिक अध्ययन का काल-क्रम इस प्रकार है-
कार्ल मार्क्स (1818-1883ई.), मैक्स वेबर (1864-1920) राबर्ट लिंड (1879-1949) तथा सी डब्ल्यू मिल्स (1916-1962)

24. अभिकथन (A) : परिवार का प्रारम्भिक कार्य है बालक की प्रसूति, देखभाल (परिचर्या) और पालन पोषण।

तर्क (R) : बच्चों का पालन-पोषण समाज की मूलभूत आवश्यकता है।

प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:

(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) गलत है मगर (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

उत्तर (b) लुण्डबर्ग के अनुसार परिवार मुख्यतः चार प्रकार के कार्य करता है- (1) यौन व्यवहार की नियमन तथा संतान की उत्पत्ति (2) बच्चों की देखरेख और उनका पालन-पोषण (3) सहकारिता एवं श्रम विभाजन (4) प्राथमिक समूह संतुष्टियाँ । अतः अभिकथन A तथा कारण R दोनों सही है तथा कारण R अभिकथन A की व्याख्या है।

25. **अभिकथन** (A) : विवाह को आम तौर पर प्रत्येक व्यक्ति के लिए अनिवार्य माना जाता है।
तर्क (R) : बच्चे के जन्म से किसी व्यक्ति की निर्वाण प्राप्ति संभव हो जाती है।

प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:

(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) गलत है मगर (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

उत्तर (a) पारम्परिक रूप में विवाह दो या दो से अधिक विषमलिंगियों के बीच समाजोनुमोदित, औपचारिक तथा अपेक्षाकृत स्थायी लैंगिक सम्बन्धों की एक व्यवस्था एवं नियमा चरों का एक पुंज है जो पारिवारिक जीवन के लिए आवश्यक पारस्परिक दायित्वों एवं अधिकारों द्वारा इन्हें एक सूत्र में बाँधता है। अतः विवाह को आमतौर पर प्रत्येक व्यक्ति के लिए अनिवार्य माना जाता है। परन्तु बच्चे के जन्म से किसी व्यक्ति की निर्वाण प्राप्ति का संभव होना असत्य है।
अतः A सही तथा R गलत है।

26. **अभिकथन** (A) : वरिष्ठों एवं अधीनस्थों के बीच जो आर्थिक संबंध है, उनसे संघर्ष पैदा होता है।
तर्क (R) : संघर्ष का मुख्य कारण वे अधिकार हैं जिन का प्रयोग वरिष्ठ, अधीनस्थों पर करते हैं।

प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:

(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) गलत है मगर (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

उत्तर (c) वरिष्ठता एवं अधीनस्थता का सम्बन्ध सत्ता का सम्बन्ध है आर्थिक नही तथा संघर्ष का मुख्य कारण वे अधिकार हैं जिनका प्रयोग वरिष्ठ अधीनस्थों पर करते हैं। अतः अभिकथन A गलत है मगर तर्क R सही है।

27. **एम॰ एन॰ श्रीनिवास द्वारा प्रस्तुत संस्कृतिकरण की प्रक्रिया के विभिन्न चरणों को सही क्रम में रखे कोड का इस्तेमाल करें।**

(a) आर्थिक सम्पन्नता, व्यवसाय में परिवर्तन, ऊँची जातियों की जीवन चरणों को सही क्रम में रखें।
(b) व्यवसाय में परिवर्तन, आर्थिक सम्पन्नता, ऊँची जातियों की जीवन शैली को अपनाना, जाति-नाम में परिवर्तन
(c) जाति-नाम में परिवर्तन, व्यवसाय में परिवर्तन, आर्थिक सम्पन्नता, ऊँची जातियों की जीवन शैली को अपनाना,
(d) ऊँची जातियों की जीवन शैली को अपनाना, जाति-नाम में परिवर्तन, व्यवसाय में परिवर्तन, आर्थिक सम्पन्नता

उत्तर (d) एम. एन. श्रीनिवास द्वारा प्रस्तुत संस्कृतिकरण की प्रक्रिया में चरणों की सही क्रम इस प्रकार है-
ऊँची जातियों की जीवन शैली को अपनाना, जाति नाम में परिवर्तन, व्यवसाय में परिवर्तन तथा आर्थिक सम्पन्नता।

28. **निम्नलिखित में से कौन सी नारीवादी विदुशी ने ''फैमिनिन मिस्टेक'' को परिभाषित किया?**

(a) मार्गरिट मीड (b) सीमों डी बूवूआर
(c) बैटी फ्राइडन (d) ऐन ओकले

उत्तर (c) बैटी फ्राइडन ने फैमिनिन मिस्टेक को परिभाषित किया। महिलावादी आन्दोलन की द्वितीय लहर की शुरूआत में बैटी फ्रेडन की पुस्तक 'फैमिनिन मिस्टेक' ने पहली भूमिका अदा की है। महिलावादी आन्दोलन की द्वितीय लहर की शुरूआत सन् 1960 के दशक में हुई ऐसा अनुमान है।

29. **अभिकथन** (A) : किसी संरचित साक्षात्कार में प्रश्नों के शब्द तथा उनके क्रम प्रत्येक स्थिति में एक समान हैं।
तर्क (R) : सामान्यतया, संरचित साक्षात्कार को 'तथ्य' आधारित प्रश्नों तथा उत्तरदाता की आयु, लिंग कार्य सम्बन्धी उत्तर प्राप्त करने के लिए उपयुक्त समझा जाता है।

प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:

(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) गलत है मगर (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

उत्तर (b) शोध सूचनायें एकत्रित करने की एक मौखिक विधि जिसमें पूर्व निर्मित एवं लिखित प्रश्नों (साक्षात्कार अनुसूची) के माध्यम से सूचनादाता से पूर्व निश्चित स्थान एवं समय पर वार्तालाप किया जाता है, संरचित साक्षात्कार कहलाता है तथा इस विधि में साक्षात्कारकर्ता को साक्षात्कार के दौरान प्रश्नों की भाषा अथवा क्रम में हेर-फेर करने की स्वच्छन्दता नहीं होती अर्थात् किसी संरचित साक्षात्कार में प्रश्नों के शब्द तथा उनके क्रम प्रत्येक स्थिति में एक समान रहते है। तथा सामान्यतया, संरचित साक्षात्कार को तथ्य आधारित प्रश्नों तथा उत्तरदाता की आयु, लिंग कार्य सम्बन्धी उत्तर प्राप्त करने के लिए उपयुक्त समझा जाता है।

30. **संस्कृतिकरण कौन से परिवर्तन का जिक्र करता है?**

(a) शैक्षिक (b) भौगोलिक
(c) स्थानिक (d) राजनीतिक

उत्तर (c) भारत में सामाजिक परिवर्तन के विश्लेषण के सम्बन्ध में कुछ अवधारणाओं का विकास हुआ है जिसमें अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त भारतीय समाजशास्त्री एम॰ एन॰ श्रीनिवास की संस्कृतिकरण की अवधारणा विशेष महत्व रखती है। संस्कृतिकरण स्थानिक परिवर्तन का जिक्र करता है। एम॰ एन॰ श्रीनिवास के अनुसार संस्कृतिकरण में पदमूलक परिवर्तन होते हैं न कि संरचनात्मक परिवर्तन ।

31. अभिकथन (A) : समाजशास्त्रीय जाँच के परिणाम स्वरूप हमारी परिकल्पना की पुष्टि हो सकती है, ऐसी स्थिति में हम उस सामान्य सैद्धान्तिक ढाँचे में जिससे इस विशिष्ट परिकल्पना का विकास किया गया था, ज्यादा विश्वास करने लगते है।

तर्क (R) : आम तौर पर परिकल्पनाओं को न तो पूरी तरह समर्थन दिया जाता है और न उन्हें पूरी तरह रद्द ही किया जाता है।

प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) (A) सही है मगर (R) गलत है।

(d) (A) गलत है मगर (R) सही है।

उत्तर (a) किसी सिद्धान्त से जुड़ी अवधारणाओं के बीच के सम्बन्धों को अभिव्यक्त करने वाले अपरीक्षित कथन को प्राक्कल्पना कहते हैं। अर्थात् दो या दो से अधिक चरों के बीच संभावित सम्बन्धों के बारे में बनाये गये जाँचनीय कथन को प्राकल्पना कहा जाता है। जाँच के पश्चात् प्राक्कल्पना की सत्यता सिद्ध की जा सकती है। परन्तु यदि यह सत्यता की कसौटी पर खरा नहीं उतरता है तो इसे पुनः संशोधित किया जाता है न कि इसे पूरी तरीके से नष्ट कर दिया जाता है अतः अभिकथन A तथा तर्क R दोनों सत्य है तथा तर्क R अभिकथन A का सही स्पष्टीकरण है।

32. निम्नलिखित में से संघ का उदाहरण कौन सा है?

(a) पड़ोस (b) समकक्ष समूह

(c) परिवार (d) जाति सभा

उत्तर (*) संघ ऐसे समूह को कहते हैं, जिसकी रचना जानबूझकर किन्ही विशिष्ट उद्देश्यों या क्रियाओं को पूरा करने के लिए की जाती है। समितियाँ सनातन नहीं होती, अपितु उद्देश्यों की पूर्ति के साथ ही प्रायः समाप्त हो जाती है। अतः परिवार तथा जाति सभा दोनों संघ के उदाहरण हैं।

33. अभिकथन (A) : समाजशास्त्रीय मूलतः आवर्ती सामाजिक घटनाओं का प्रायः अकाट्य स्पष्टीकरण ढूँढ़ने में रूचि रखता है।

तर्क (R) : समाजशास्त्रीय अपनी प्रारम्भिक मान्यता को ले कर ही अवधारणा और सिद्धांतों तक पहुँचता है यह मान्यता है कि जिन वस्तुओं का वह निरीक्षण करता है, उनमें नियमितता है।

प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) (A) सही है मगर (R) गलत है।

(d) (A) गलत है मगर (R) सही है।

उत्तर (b) समाजशास्त्री समाजशास्त्र में प्रत्यक्षवाद, तुलनात्मक पद्धति तथा वस्तुनिष्ठ तथ्यों का प्रयोग कर रहा है जिससे सामाजिक घटनाओं का प्रायः अकाट्य स्पष्टीकरण ढूढ़ने में मदद मिल सके। समाजशास्त्री अनुभव के आधार पर प्राप्त तथ्य के परिप्रेक्ष्य में घटनाओं का विश्लेषण प्रस्तुत करते हैं। इसलिए निरीक्षण, परीक्षण आधारित सार्वभौमिक सिद्धान्तों का निर्माण किया जा रहा है अतः अभिकथन A तथा तर्क R दोनों सत्य हैं परन्तु A, का R सही स्पष्टीकरण नहीं है।

34. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सामाजिक मानदण्ड की व्याख्या नहीं करता?

(a) मानदण्ड व्यवहार की रूपरेखा दर्शाता है।

(b) मानदण्ड सामाजिक मूल्यों पर आधारित होता है।

(c) मानदण्ड हमेशा मनुष्य के व्यवहार को नियंत्रित नहीं करता।

(d) मानदण्ड हमेशा स्वीकृति पर आधारित नहीं होता।

उत्तर (c) व्यवहार की ऐसी सांझा अपेक्षाओं तथा प्रत्याशाओं को मानदण्ड कहते हैं, जिन्हें सांस्कृतिक दृष्टि से (एक समाज विशेष में) वांछनी तथा उपयुक्त माना जाता है। मानदण्ड मानव व्यवहार को नियमित एवं नियंत्रित करते हैं।

35. निम्नलिखित में से कौन सी विशेषता समुदाय को नहीं दर्शाती?

(a) हम की भावना (b) स्पष्ट लक्ष्य

(c) सुनिश्चित इलाका (d) स्थायित्व

उत्तर (b) समुदाय शब्द का प्रयोग बहुधा व्यक्तियों के ऐसे समूह, सामाजिक साहचर्य के एक ऐसे रूप के लिए किया गया है जिसके सदस्य एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में रहते हैं और जिनमें पारस्परिक एकत्व की भावना, अन्तर्पारस्परिकता, साझा संस्कृति तथा संगठित क्रिया-कलापों की विशेषतायें होती हैं। समुदाय के लिए स्पष्ट लक्ष्य नहीं होता है।

36. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

(a) संस्थायें नियंत्रण के माध्यम है।

(b) संस्थायें तुलनात्मक रूप से स्थायी होती है।

(c) संस्थायें मानकीकृत मानदण्ड हैं।

(d) उपरोक्त सभी।

उत्तर (d) गिलिन एवं गिलिन ने संस्था की निम्नांकित विशेषताओं का उल्लेख किया है।

(1) व्यवस्था की एक इकाई (2) पारिभाषिक परम्परायें

(3) अधिक स्थायित्व (4) सांस्कृतिक उपकरण

(5) स्पष्ट प्रतीक (6) एक या अनेक सुस्पष्ट उद्देश्य

37. अभिकथन (A) : संस्कृति से भाव उन मान्यताओं मूल्यों एवं अभिव्यक्ति के चिन्हों से है जिन्हें कोई मानव समूह सच्चे रूप से अपनाता है।

तर्क (R) : संस्कृति ऐसे मानव समूह के सदस्यों के अनुभवों को संगठित करने और उनके व्यवहार का पथ-प्रदर्शन करने का कार्य करती है।

प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:

(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

(c) (A) गलत है मगर (R) सही है।

(d) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

उत्तर (b) पी. एच. लैण्डिस के अनुसार,''संस्कृति वह संसार है जिसमें एक व्यक्ति जन्म से लेकर मृत्यु तक निवास करता है, चलता है फिरता है और अस्तित्व को बनाये रखता है।'' संस्कृति मनुष्य द्वारा निर्मित एवं विकसित है। संस्कृति का एक प्रभावी आचार तत्व होता है जिसे इथॉस कहते हैं। इसका अर्थ है संस्कृति मानव व्यवहार को नियंत्रित करती है और उनके पक्ष प्रदर्शक का कार्य करती है।

38. निम्नलिखित में से कौन सा कथन भूमिका विन्यास को दर्शाता है?

(a) वह पद-स्थिति का व्यवहारिक पक्ष है
(b) एक व्यक्ति एक से अधिक भूमिका निभाता है
(c) वह एक भूमिकाओं का झुँड है और दोतरफा है
(d) पद-स्थिति और भूमिका एक ही सिक्के के दो पहलू है

उत्तर (c) जब एक व्यक्ति अपनी प्रस्थिति से सम्बन्धित विभिन्न प्रस्थितियों को धारण करने वाले व्यक्तियों के साथ अलग-अलग प्रकार की जो भूमिका निभाता है, उसकी सम्पूर्णता को ही भूमिका प्रतिमान (Role set) कहते है। जैसे एक डॉक्टर का नर्स से, मरीजों से, अन्य डॉक्टरों से तथा चिकित्सा अधिकारियों के साथ भिन्न-भिन्न प्रकार की भूमिका निभाना। अतः भूमिका विन्यास भूमिकाओं का झुण्ड है और दो तरफा है।

39. किसने कहा था कि सामाजिक तथ्यों को वस्तुओं की तरह समझना चाहिये।

(a) इमाईल दुर्खीम (b) मैक्स वेबर
(c) ऑगस्त कॉम्टे (d) हरबर्ट स्पेन्सर

उत्तर (a) दुर्खीम समाजशास्त्र के वास्तविक पिता माने जाते है। उन्होंने सामाजिक तथ्यों को वस्तुओं की तरह समझा और कहा 'जिस प्रकार प्राकृतिक घटनाओं का वैज्ञानिक अध्ययन हो सकता है, उसी प्रकार सामाजिक घटनाओं का भी अध्ययन करना चाहिए।'

40. निम्नलिखित में से कौन सी किताब में कार्ल मार्क्स का यह कथन है कि ''आज-तक के सभी समाजों का इतिहास वर्गों के संघर्षों का इतिहास है''?

(a) दास कैपिटल (b) क्लास स्ट्रगल्ज इन फ्रान्स
(c) कम्यूनिस्ट मैनीफैस्टो (d) दि एटीन्थ ब्रूमैर

उत्तर (c) कार्ल मार्क्स वैज्ञानिक साम्यवाद के जनक माने जाते हैं। कार्ल मार्क्स एवं एंजिल्स ने अपनी पुस्तक 'कम्युनिस्ट मैनीफैस्टो' में कहा कि अब तक के सभी समाजों का इतिहास वर्गों के संघर्षों का इतिहास रहा है।

41. निम्नलिखित में से कौन जाना-माना मार्क्सवादी समाजशास्त्री है?

(a) एस॰ सी॰ दूबे (b) एम॰ एन॰ श्रीनिवास
(c) जी॰ ऐस॰ घुर्ये (d) ए॰ आर॰ देसाई

उत्तर (d) मार्क्सवादी विचारधारा के प्रति आजन्म प्रतिबद्ध रहे भारतीय समाजशास्त्री अक्षय रमणलाल देसाई की गणना मुम्बई विश्वविद्यालय में अंग्रेजी समाजशास्त्री के रूप में जाना जाता है। ए॰ आर॰ देसाई को मार्क्सवादी समाजशास्त्री माना जाता है।

स्रोत-समाजशास्त्रीय चिंतक एवं सिद्धांतकार-हरिकृष्ण रावत

42. निम्नलिखित में से किसने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रकार्यों की अवधारणा विकसित की थी?

(a) टालकॉट पारसन्स (b) इ॰ दुर्खीम
(c) रॉबर्ट के मर्टन (d) ब्रोनिस्लॉ मैलिनोवस्की

उत्तर (c) अप्रकट प्रकार्य- किसी घटना, क्रिया, तत्व अथवा वस्तु के उन परिणामों को अव्यक्त या अप्रकट प्रकार्य कहा जाता है जो अप्रत्याशित, अनपेक्षित, अकल्पित तथा अमान्य होते हैं।

प्रकट प्रकार्य-किसी घटना, तत्व या इकाई के वे वस्तुपरक परिणाम प्रकट या व्यक्त प्रकार्य हैं जो किसी व्यवस्था के कार्यकर्ताओं या सहयोगियों द्वारा अपेक्षित, मान्य एवं वांछित हैं।
प्रकट एवं अप्रकट- प्रकार्य की अवधारणा को रॉबर्ट के. मर्टन ने होपी लोगों के एक धार्मिक संस्कार के उदाहरण के रूप में दी।

43. ''उद्दीपन-प्रत्युत्तर का मॉडल बाहरी क्रियाओं को महत्व देता है। इन्सान के कार्यों को उद्दीपन का प्रत्युत्तर माना जाता है जो कि बाहरी दुनिया में घटते हैं।'' यह विचार किसका है?

(a) जी॰ एच॰ मीड (b) ई॰ दुर्खीम
(c) जी॰ एच॰ ब्लूमर (d) मैक्स वेबर

उत्तर (a) जी॰ एच॰ मीड अमेरिका के शिकागो वैचारिक परम्परा के एक अग्रणी दार्शनिक और अर्थक्रियावादी विचारधारा से ओत–प्रोत का नवीन परम्परा रखने का गौरव प्राप्त है। जी॰ एच॰ मीड के अनुसार उद्दीपन - प्रत्युत्तर का प्रतिरूप बाहरी क्रियाओं को महत्व देता है। इंसान के कार्यों को उद्दीपन का प्रत्युत्तर माना जाता है जो कि बाहरी दुनिया में घटते हैं।

स्रोत- आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक- एस॰ एल॰ दोषी

44. निम्नलिखित किताबों में से किसमें मैक्स वेबर ने सामाजिक क्रिया की अवधारणा का विवरण दिया है?

(a) प्रोटेस्टेन्ट इथिक एण्ड दी स्पिरिट ऑफ कैपिटलिज्म
(b) मेथोडोलॉजी ऑफ सोशल साइंसेज
(c) रिलिजन ऑफ इन्डिया
(d) थ्योरी ऑफ सोशल एण्ड इकोनॉमिक ऑर्गनाइजेशन

उत्तर (d) मैक्स वेबर को आधुनिक समाजशास्त्र का एक विशिष्ट सामाजिक विज्ञान के रूप में प्रतिष्ठित करने वाला प्रवर्तक समाजशास्त्री माना जाता है। मैक्स वेबर ने 'थ्योरी ऑफ सोशल एण्ड इकोनॉमिक आर्गनाइजेशन' में सामाजिक क्रिया की अवधारणा का उल्लेख किया था।

45. गुणात्मक पद्धति से तात्पर्य है

(a) वास्तविक जीवन परिस्थिति से संबंधित प्रचुर सामग्री प्रदान करना
(b) व्यवहार को सही अर्थ में समझना
(c) व्यवहार को व्यापक संदर्भ में समझने में मदद करना
(d) उपरोक्त सभी

उत्तर (d) जो पद्धतियाँ केवल गुणों को महत्व देती हैं, संख्याओं को नहीं, उन्हें गुणात्मक पद्धतियाँ कहते हैं। ये पद्धतियाँ इकाइयों का केवल विवरण प्रस्तुत करती हैं। इनके अन्तर्गत स्थिति की व्याख्या तथा विवेचना प्रस्तुत की जाती है। सहभागी अवलोकन, वैयक्तिक अध्ययन, अन्तर्वस्तु विश्लेषण तथा जीवन इतिहास गुणात्मक पद्धतियों के उदाहरण हैं।

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए तथा यथास्थान पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

नव संजातीय दृश्य को समझने के लिए दो प्रमुख दृष्टिकोण हैं। संजातीयता एवं संजातीय पहचान के लिए मूलतावादी एक ही वंश से होने को ज्यादा महत्वपूर्ण तत्व मानते हैं क्योंकि संजातीय तत्वों पर आधारित बौद्धिक सिद्धांतों एवं संगठनों की अपेक्षा मूलतावादी निष्ठाओं को शीघ्रता से सक्रिय किया जा सकता हैं। दूसरे दृष्टिकोण को स्थितिजन्य, व्यक्तिजन्य अथवा उपकरण जन्य कह सकते हैं। इस में प्रमुख बल इस बात पर है कि किसी समूह विशेष के सदस्यों की इन अनुभूति से है कि वे अन्यों से किस प्रकार अपने को भिन्न मानते हैं और ऐसी अनुभूति से उस समूह की वतर्मान स्थिति के लिए क्या

समस्याएँ अथवा विषमताएँ पैदा होती हैं और इसका उनके भावी अवसरों पर कितना प्रभाव पड़ता हैं इन विवादास्पद दृष्टिकोणों से मुद्दों के स्पष्टीकरण एवं समकालीन यथार्थता को समझने में सहायता मिलती है। मगर उनसे कोई अन्तिम निष्कर्ष प्राप्त नहीं होता। वे प्रायः विगत के पुनर्निर्माण के अभ्यास से अधिक कुछ नहीं है अथवा वर्तमान की व्याख्या के लिए ये स्थितियों को परिभाषित एवं पुनः परिभाषित करते हैं। ये अपोषित भविष्य की उपलब्धि के लिए युक्ति एवं विधि है।

संजातीयता राज्य, धर्म, सम्प्रदाय और श्रेणी की जानी-पहचानी सीमाओं को लाँघ जाती है। यह राष्ट्रीयता एवं समुदायों को टुकड़ों में विभाजित करना चाहती है और संजातीय संकेतकों के प्रयोग द्वारा नई राष्ट्रीयता एवं समुदाय का निर्माण करना चाहती है, इसमें सन्निहित हैं प्रतीक। ये प्रतीक पुराने तथा ताजा बनाये गए हो सकते हैं जिनका प्रयोग होशियारी से स्पर्धा में जुटे लोग करते हैं। संजातीयता के प्रतीकात्मक एवं सांस्कृतिक पहलू अपने आप में महत्वपूर्ण हैं। और प्रायः उनका राजनीतिकरण हो जाता है क्योंकि विश्लेषण करने पर यही अन्तिम निष्कर्ष निकलता है कि संजातीय संघर्षों में आर्थिक स्रोतों एवं उत्पादों और निर्णय लेने की प्रक्रिया में अधिक भागीदारी की मांगे ही निहित होती हैं। 'प्रदत्त' पहचान के प्रति व्यक्ति एवं समूह प्रश्न उठा सकते हैं और उनकी क्रियाएँ नई पहचान एवं नई चिन्ह-व्यवस्था को निर्मित कर सकते हैं जो उनके नए हितों को मुखरित करती हो। इस प्रकार संजातीयता से सामाजिक एवं सांस्कृतिक सीमाओं को पुनर्परिभाषित करने की आवश्यकता हो सकती है। संजातीय आकांक्षायें एवं उत्कण्ठाओं में तीव्र पहली गुणवत्ता होती है। इनमें स्थिरता एवं दृढ़ता होनी चाहिए। यह बात अनेकों संजातीय आंदोलनों के नेतृत्व के गुणों से स्पष्ट हो चुकी है। स्थापित विशिष्ट वर्ग का एक भाग उनकी पीठ पर हो, मगर इस विशिष्ट वर्ग को धकेल कर दूसरी ओर किया जा सकता है और किसी विभिन्न उद्‌गम वाले हथियारबंद तत्व नेतृत्व को हथिया सकते हैं।

संजातीयता पूर्णतया नवीन परिदृश्य नहीं हैं, यह लेबल नया है। विचार धाराएँ जो मौजूदा संजातीय सम्बन्धों का मूल्यांकन करती हैं और अपेक्षित संजातीय यथा नाजवाद एवं श्वेतवाद को निरूपित करती हैं जिनका पालन पुरातन समय से हो रहा है। इन विचारधाराओं का बल प्रभावशीलता (डोमिनेशन) एवं प्रभावहीनता (सबार्डीनेशन) के सम्बन्ध पर है जिसके अन्तर्गत प्रभावहीन गुटों को सामाजिक एवं आर्थिक बराबरी नहीं की जाती और न ही उन्हें बराबर की स्वतन्त्रता ही प्रदान की जाती है।

राष्ट्रीयता, समीकरण एवं सांस्कृतिक बहु-वाद में स्पष्ट सैद्धान्तिक तत्व है। उदाहरण के रूप में, राष्ट्रवादी मुख्य धारा अपने में उप-राष्ट्रवादियों एवं लघु राष्ट्रवादियों को समा लेना चाहती है। दूसरी तरफ समीकरण का ध्येय रहता है कि सभी विभिन्न गुटों को समरूप दे दिया जाए जिसके अन्तर्गत संजातीय पहचानों को प्रतीकात्मक मर्यादा के रूप में रहने दिया जाता है। तीसरी तरफ, सांस्कृतिक बहुलवाद में प्रचलित सांस्कृतिक स्थिति को स्थिर करने का प्रयास किया जाता है और संचेष्ट प्रयत्न होता है कि किसी भी संस्कृति का क्षय न हो।

46. गद्यांश के लेखक का मुख्य सरोकार है।

(a) विचारधाराओं के महत्व की चर्चा
(b) मूलतावादी निष्ठाओं को तीव्रता से सक्रिय बनाये जाने का स्पष्टीकरण देना।
(c) किसी गुट की वर्तमान स्थिति के अध्ययन द्वारा उनके विगत को पुनर्निर्मित करने की व्याख्या करना
(d) नव संजातीय परिदृश्य को समझना

उत्तर (d) गद्यांश के लेखक का मुख्य सरोकार नव संजातीय परिदृश्य को समझना है।

47. उपरोक्त गद्य के अनुसार नव संजातीय परीदृश्य को समझने में कौन से दृष्टिकोण सहायक होते हैं?

i. संजातीयता एवं संजातीय पहचान का मूलतावादी दृष्टिकोण
ii. स्थिति जन्य, व्यक्ति जन्य, अथवा यांत्रिक जन्य विचारधारा जो समूह-विशेष के सदस्यों की इस अनुमति से है कि वे दूसरों से अपने को भिन्न मानते हैं।
iii. दोनों दृष्टिकोण संजातीयता को समकालीन यथार्थता को समझने और उसका मूल्यांकन करने में सहायक मात्र हैं।

(a) (i) सही हैं (b) (iii) सही है
(c) (i) और (ii) सही है (d) (ii) सही है

उत्तर (c) जैसा कि उपरोक्त गद्यांश की दूसरी पंक्ति से यह स्पष्ट होता है कि नव संजातीय परीदृश्य को समझने में संजातीयता एवं संजातीय पहचान का मूलतावादी दृष्टिकोण होना चाहिए तथा पाँचवे पंक्ति से यह स्पष्ट होता है कि यदि नव संजातीय परिदृश्य को समझना है तो स्थित जन्य, व्यक्ति जन्य अथवा यांत्रिक जन्य विचारधारा जो A समूह विशेष के सदस्यों की इस अनुमति से है कि वे दूसरों से अपने को भिन्न मानते हैं यह ज्ञात होना चाहिए।

48. लेखक दर्शाता है कि, संजातीयता जानी-पहचानी सीमाओं को लांघ जाता है जिसमें वह केवल संजातीय संकेतकों से ही चिपका रहता है।

(a) इस प्रकार वह राष्ट्रीयताओं को भी तोड़ता है।
(b) गैर-प्रतीकात्मक पक्षों को उठा कर आर्थिक स्रोतों में और अधिक हिस्सेदारी मांगना।
(c) नए हितों को मुखरित करने के लिए नई पहचानों एवं नव-प्रतीक व्यवस्था का निर्माण करना।
(d) संजातीय मुद्दों में एवं दृढ़ पक्ष लेना

उत्तर (d)

49. संजातीय विचारधाराएं किस प्रकार असमानता का प्रचार करने में सहायक होती हैं?

(a) उनके एक समान उद्‌गम पर बल देने से
(b) प्रक्षालन कार्यक्रम की भर्त्सना करने से।
(c) विवादित क्षेत्र के प्रति समझौता करने में सहमति जताने से
(d) प्रभावशीलता, प्रभावहीनता सम्बन्धों, पर जिसके अन्तर्गत सामाजिक, आर्थिक समानता एवं स्वतंत्रता को नकारा जाता है, पर बल देने से।

उत्तर (d) संजातीय विचारधारायें, प्रभावशीलता, प्रभावहीनता सम्बन्धों, पर जिसके अन्तर्गत सामाजिक, आर्थिक समानता एवं स्वतंत्रता को नकारा जाता है, पर बल देने जैसे असमानता का प्रचार करने में सहायक होती हैं जैसा कि पैराग्राफ नम्बर-3 में उद्‌धृत है।

50. संजातीयता के परिदृश्य से पैदा हुई समस्याओं को

(a) राष्ट्रवाद का प्रचार करने से जो अपने में उप-राष्ट्रीयताओं एवं लघु राष्ट्रीयताओं को समा लेना चाहता है।
(b) समीकरण द्वारा विभिन्न गुटों का समरूप होने से।
(c) सांस्कृतिक बहुवाद का पक्षधर होने से जो प्रचलित सांस्कृतिक स्थिति को स्थिर करती है।
(d) एक बहुत सांस्कृतिक घटा के अन्तर्गत संजातीय गुटों के अलगाव से।

उत्तर (a) संजातीयता के परिदृश्य से पैदा हुई समस्याओं को राष्ट्रवाद का प्रचार करने से जो अपने में उप-राष्ट्रीयताओं एवं लघु राष्ट्रीयताओं को समा लेना चाहता है। यह तथ्य पैराग्राफ-4 में उद्धृत है।

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2006

समाजशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. भूमिका के संग्रह को, जो किन्ही पद्स्थिति से संबंधित होती है, उसे कहते हैं:

(a) बहुविध भूमिका (b) भूमिका द्वन्द्व
(c) भूमिका विन्यास (d) भूमिका संकलन

उत्तर (c) एक विशिष्ट सामाजिक प्रस्थिति के साथ जुड़ी हुई भूमिकाओं के समुच्चय को भूमिका-पुंज अथवा भूमिका विन्यास कहते हैं।

मर्टन के अनुसार, भूमिका-पुंज से मेरा तात्पर्य भूमिका सम्बन्धों के उस ताने-बाने से है जिसमें एक व्यक्ति एक विशिष्ट सामाजिक प्रस्थिति को धारण करने के कारण बंधा होता है।

2. निम्नांकित में कौन समाजीकरण के साधन नहीं है?

(a) परिवार (b) विद्यालय
(c) संचार (d) पुलिस

उत्तर (d) जिन संस्थाओं या समूहों के माध्यम से समाजीकरण होता है। उन्हें समाजीकरण की संस्थाएँ/अभिकरण कहा जाता है। जो निम्न हैः जैसे परिवार, विद्यालय, संचार आदि। रिजमैन ने कहा है कि वर्तमान में खेल समूह समाजीकरण करने वाला महत्वपूर्ण समूह है।

3. पुनर्समाजीकरण होता है जबः

(a) एक बच्चा पैदा होता है।
(b) बच्चा विद्यालय जाना प्रारंभ करता है।
(c) एक युवती का विवाह होता है।
(d) एक व्यक्ति किसी क्रांतिकारी आन्दोलन में शामिल हो जाता है।

उत्तर (d) किसी व्यक्ति द्वारा पहले सीखे हुए व्यवहार के स्थान पर उसे नवीन मूल्यों, मानकों, मान्यताओं एवं व्यवहारों का प्रशिक्षण देने की प्रक्रिया पुनर्समाजीकरण कहलाती है। इसमें पहले वाली जीवन विधि के स्थान पर दूसरी जीवन विधि अपनायी जाती है। अतः जब एक व्यक्ति किसी क्रांन्तिकारी आन्दोलन में शामिल हो जाता है तो पुनर्समाजीकरण कहलाएगा।

4. अवधारणाओं का उनसे संबोधित समाजशास्त्रियों के साथ सुमेल करें। उत्तर के लिए कोड का इस्तेमाल कीजिए।

	अवधारणा		समाजशास्त्री
(A)	सांस्कृतिक पिछड़न	i	सी॰ एच॰ कुले
(B)	प्राथमिक समूह	ii	आर॰ के॰ मर्टन
(C)	प्रत्यक्ष प्रकार्य	iii	डब्ल्यू॰ एफ॰ आगबर्न
(D)	कायिक संगठन	iv	ई॰ दुर्खीम

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(b)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(c)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(d)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)

उत्तर (b) सुमेलित सूची निम्न प्रकार है–

(अवधारणाएँ)		(समाजशास्त्रीय)
सांस्कृतिक पिछड़न	-	डब्ल्यू. एफ. ऑगबर्न
प्राथमिक समूह	-	सी. एच. कूले
प्रत्यक्ष-प्रकार्य	-	आर. के. मर्टन
कायिक संगठन	-	इमाईल दुर्खीम

5. निम्नलिखित में से कौन सा प्रयत्न समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण को दर्शाता है?

(a) सामाजिक व्यवस्था में परिवर्तन लाना।
(b) सामाजिक व्यवस्था को समझना।
(c) सामाजिक व्यवस्था में संशोधन बनाना।
(d) सामाजिक व्यवस्था से सामंजस्य करना।

उत्तर (b) आधुनिक सन्दर्भों में सामाजिक प्रणाली की अवधारणा का प्रयोग हमें ऑगस्त कॉम्ट, हरबर्ट स्पेंसर, कार्ल मार्क्स, इमाइल दुर्खीम आदि समाज वैज्ञानिकों की कृतियों में देख सकते हैं। सामान्यतः एक प्रणाली को आत्मनिर्भर तत्वों अथवा भागों के समूह द्वारा निर्मित सम्पूर्णता के रूप में परिभाषित किया जाता है। इस प्रकार समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण सामाजिक व्यवस्था को समझने के अर्थ को दर्शाता है।

6. पुस्तकों को उनके लेखकों से जोड़ें।

	पुस्तक		लेखक
(A)	फेमली, सोशलाइजेशन एण्ड इन्टरैक्शन प्रोसेस	i	विलियम जे॰ गुडे
(B)	वर्ल्ड रिवोल्यूशन एण्ड फेमली पैटर्न्स	ii	एलिजाबेथ बॉट
(C)	फेमली एण्ड किनशिप इन इस्ट लंदन	iii	टालकॉट पारसन्स
(D)	फेमली एण्ड सोशल नेटवर्क	iv	यंग एवं विलमौट

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(b)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(c)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(d)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

उत्तर (c) सही सुमेलन निम्न प्रकार है-

(पुस्तक)	(लेखक)
फेमिली, सोशलाइजेशन एण्ड इण्टरैक्शन प्रोसेस	- टालकॉट पारसंस
वर्ल्ड रिवोल्युशन एण्ड फेमली पैटर्न्स	– विलियम जे. गुडे
फेमिली एण्ड किनशिप इन ईस्ट लंदन	– यंग एवं विलमौट
फेमिली एण्ड सोशल नेटवर्क	- एलिजाबेथ बॉट

7. निम्नांकित में कौन समाज की प्राक-प्रकार्यात्मक आवश्यकता नहीं है?

(a) पर्यावरण से अनुकूलन
(b) लक्ष्य-प्राप्ति
(c) प्रतिमान-अनुरक्षण तथा तनाव-प्रबंधन
(d) सामाजिक वियोजन

उत्तर (d) सामाजिक वियोजन समाज की प्राक-प्रकार्यात्मक आवश्यकता नहीं है। पारसन्स ने चार पूर्व-प्रकार्यात्मक आवश्यकताएं बतायी हैं- (i) अनुकूलन, (ii) लक्ष्य प्राप्ति, (iii) एकीकरण तथा (iv) प्रतिमान अनुरक्षण।

8. नीचे दिये गये विवाह के प्रकार को उन समुदायों के साथ जोड़े जहाँ ये पाये जाते हैं। अपने उत्तर के लिए कोड का इस्तेमाल करें।

	विवाह के प्रकार		समुदाय
(A)	क्रॉस-कजन	i	मुसलमान
(B)	पैरलल-कजन	ii	द्विज जातियाँ
(C)	बहुपति विवाह	iii	दक्षिण भारतीय
(D)	अनुलोम विवाह	iv	नीलगीरि पहाड़ियों के टोडा

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(b)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(c)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(d)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

उत्तर (b) सही सुमेलन निम्न प्रकार है-

(विवाह के प्रकार)		(समुदाय)
क्रॉस-कजन	-	दक्षिण भारतीय
पैरलल-कजन	-	मुसलमान
बहुपति विवाह	-	नीलगिरि पहाड़ियों के टोडा
अनुलोम विवाह	-	द्विज जातियाँ

9. एम॰ एन॰ श्रीनिवास के अनुसार प्रभुजाति को कौन सी स्थिति उपलब्ध होती है?

(a) संख्या की ताकत (b) आर्थिक शक्ति
(c) नैतिक शक्ति
(d) आर्थिक, नैतिक एवं विधि-विधान का समर्थन

उत्तर (d) प्रभुजाति की अवधारणा का प्रयोग समाजशास्त्र में सर्वप्रथम एम॰ एन॰ श्रीनिवास ने दिया है। श्रीनिवास के अनुसार प्रभुजाति के लिए आर्थिक, नैतिक एवं विधि-विधान का समर्थन की स्थिति उपलब्ध होती है।

स्रोत-आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन-श्रीनिवास

10. निम्नलिखित में से किस नारीवादी विद्वान ने यह वक्तव्य दिया था कि ''नारी पैदा नहीं होती, बल्कि बना दी जाती है।''

(a) सीमोन डी॰ बूवूआर (b) मार्गरेट मीड
(c) जॉर्ज हरबर्ट मीड (d) बैटी फराइडन

उत्तर (a) पेरिस में जन्मीं **सीमोन बोवुआर** मूल रूप में एक दार्शनिक के रूप मे दीक्षित थी, किन्तु उन्होंने समाजशास्त्रीय महत्ता से भरपूर ढेर सारा बौद्धिक लेखन किया है। इसकी प्रसिद्ध पुस्तक ''द्वितीय लिंग में नारी की अधीनता का उसके जैवकीय, ऐतिहासिक और नृजातीय परिप्रेक्ष्य में पूरी गहराई से विश्लेषण किया गया है। इनकी सुप्रसिद्ध उक्ति ''नारी जन्मती नहीं, बनाई जाती है'' ने विश्व में इन्हें विख्यात कर दिया । स्त्रियाँ कैसे बनती हैं ? इस सम्बन्ध में बोवुआर लिखती हैं कि ''यह सम्पूर्ण रूप में सभ्यता ही है जो इस प्राणी को बनाती है।

11. सामाजिक परिवर्तन के कारकों में सम्मिलित हैं:

(i) विज्ञान और प्रौद्योगिकी (ii) विचार और सिद्धांत
(iii) संस्कृति और शिक्षा (iv) उद्विकास और प्रगति

सही मेल को कोड के अनुसार रखें।

(a) (i) और (ii) (b) (ii) और (iii)
(c) (i), (ii) और (iii) (d) (i), (ii), (iii) और (iv)

उत्तर (d) किग्सले डेविस के अनुसार ''सामाजिक परिवर्तन से मेरा मतलब केवल उन परिवर्तन से है जो समाज के सांगठनिक ढाँचे में होते हैं अर्थात् समाज की संरचना और उनके प्रकार्यों में होने वाले परिवर्तन से है। प्रश्न के विकल्प में दिये गये सभी कारक सामाजिक परिवर्तन के कारकों में सम्मिलित हैं।

12. ''बौना-प्रभाव'' का तात्पर्य है।

(a) लिंग आधारित श्रम विभाजन
(b) पति की इच्छानुसार अहम् की पुनर्परिभाषा
(c) कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न
(d) पत्नी को पीटना

उत्तर (b) बौना प्रभाव का तात्पर्य दूसरों की अपेक्षा का व्यक्ति पर होने वाला अपेक्षित प्रभाव है। जैसे पति की इच्छानुसार अहम् की पुनर्परिभाषा।

13. निम्नलिखित में से किस समाजशास्त्री ने कहा था कि, ''जब सामाजिक गतिशीलता की रफ्तार कम होती है तब वर्गीय संगठन एवं संलग्नता अधिक हो जाती है''?

(a) इमाईल दुर्खीम (b) मैक्स वेबर
(c) राल्फ डेहरेन्डॉर्फ (d) ऐन्थनी गिडेन्स

उत्तर (d) ऐन्थनी गिडेन्स ने कहा था कि, ''जब सामाजिक गतिशीलता की रफ्तार कम होती है तब वर्गीय संगठन एवं संलग्नता अधिक हो जाती है''

14. किसी औद्योगिक समाज में व्यावसायिक स्थिति किस प्रकार प्राप्त होती है?

(a) उपलब्धि से (b) प्रदत्त से
(c) जन्म से (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर (a) औद्योगिक समाज में व्यावसायिक स्थिति उपलब्धि से प्राप्त होती है। किसी सामाजिक व्यवस्था में वह पद जो एक व्यक्ति प्रयासों, बहुधा प्रतिस्पर्धा, विशिष्ट योग्यता ज्ञान एवं निपुणता द्वारा प्राप्त करता है, उपार्जित या अर्जित प्रस्थिति कहलाती है। डॉक्टर, इंजीनियर, अध्यापक, कलेक्टर आदि उपार्जित प्रस्थितियों के उदाहरण हैं।
इन प्रस्थितियों को प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को सक्रिय प्रयास करने पड़ते हैं, तथा वह प्रस्थिति जो व्यक्ति को मात्र जन्म के आधार पर प्राप्त हो जाती है, प्रदत्त प्रस्थिति कहलाती है। लिंग, आयु, नातेदारी, जाति, प्रजाति आदि कारक प्रदत्त प्रस्थिति के मुख्य निर्धारक तत्व है।

15. सूची - I को सूची - II से जोड़े। उत्तर के लिए कोड का इस्तेमाल करें।

सूची - I		सूची - II	
(A)	लॉ ऑफ थ्री स्टेजेज	i	हरबर्ट स्पेन्सर
(B)	समाजीकरण का सिद्धांत	ii	दुर्खीम
(C)	यांत्रिक एकात्मता और कायिक एकात्मता	iii	मैक्स वेबर
(D)	उद्विकास के सिद्धांत	iv	ऑगस्त काम्टे

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(b)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(c)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

(d) (ii) (iii) (i) (iv)

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है-

लॉ ऑफ थ्री स्टेजेज	- ऑगस्त कॉम्ट
समाजीकरण का सिद्धांत	- मैक्स वेबर
यांत्रिक एकात्मता और कायिक एकात्मता	- दुर्खीम
उद्विकास के सिद्धांत	- हरबर्ट स्पेन्सर

16. स्तरीकरण में सामाजिक प्रतिरूप होता है, क्योंकि:

(a) प्रत्येक पीढ़ी को नये सिरे से मूल्यों से अवगत करवाना होता है।
(b) मूल्य एवं स्वीकृति सामाजिक व्यवस्था को बनाये रखते हैं।
(c) राजनीतिक, धार्मिक, आर्थिक एवं शैक्षिक संस्थान प्रभावित होते हैं।
(d) उपरोक्त सभी

उत्तर (d) किसी सामाजिक व्यवस्था में प्रतिष्ठा, प्रभाव, शक्ति, सम्पत्ति तथा सुविधाओं आदि की भिन्नता के आधार पर प्रस्थितियों एवं भूमिकाओं की एक अपेक्षाकृत स्थायी श्रेणीबद्धता को सामाजिक स्तरीकरण कहते हैं।
सामाजिक स्तरीकरण के दो आधार बताये गये हैं –
1. प्राणीशास्त्रीय आधार-लिंग, आयु, प्रजाति जन्म शारीरिक व बौद्धिक कुशलता।
2. सामाजिक सांस्कृतिक आधार- सम्पत्ति (अमीर-गरीब),व्यवसाय (मानसिक कार्य श्रेष्ठ शरीरिक कार्य नियम), धार्मिक ज्ञान, राजनीतिक शाक्ति।

17. निम्नलिखित कथनों को उनके लेखकों से जोड़े।

	कथन		लेखक
(A)	सामाजिक संरचना अपने आप में एक वास्तविकता है।	i	लेवी-स्ट्रॉस
(B)	सामाजिक संरचना वास्तविकता के पीछे एक तर्क है।	ii	टालकॉट पारसन्स
(C)	सामाजिक संरचना, सामाजिक अन्तःक्रिया की एक स्थायी व्यवस्था है।	iii	रैडब्लिफ ब्राउन
(D)	सामाजिक संरचना व्यक्तियों के बीच के संबंधों को व्याख्या के लिए एक इकाई है।	iv	एस॰ एफ॰ नैडल

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(d)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

उत्तर (a) सही सुमेलन निम्न प्रकार है-

(कथन)	(लेखक)
सामाजिक संरचना अपने आप में एक वास्तविकता है।	– एस. एफ. नैडल
सामाजिक संरचना वास्तविकता के पीछे एक तर्क है	- लेवी-स्ट्रॉस
सामाजिक संरचना, सामाजिक अन्तः क्रिया की एक स्थायी व्यवस्था है।	–टालकॉट पारसन्स
सामाजिक संरचना व्यक्तियों के बीच के सम्बन्धों की व्याख्या के लिए एक इकाई है।	– रैडक्लिफ ब्राउन

18. निम्नलिखित में से संभाविता निदर्शन के शोध-प्रारूप का किस से संकेत मिलता है?

(a) अंश निदर्शन (b) स्नोबॉल निदर्शन
(c) संगुच्छित निदर्शन (d) उद्देश्यपूर्ण निदर्शन

उत्तर (c) - प्रतिचयन (निदर्शन) का वह रूप जिसमें समग्र में से प्रत्येक इकाई को चुने जाने की सम्भावना ज्ञात होती है या निर्धारित की जा सकती है, संभावनामूलक प्रतिचयन, कहलाता है। साधारण दैव प्रतिचयन, स्तरित दैव प्रतिचयन, बहुचरणीय दैव प्रतिचयन, क्षेत्र अथवा संभाग प्रतिचयन (संगुच्छित निदर्शन) आदि सभी संभावनामूलक प्रतिचयन विधियाँ हैं। व्यक्तिगत इकाइयों के एक गुच्छे या समूह चुनाव की विधि संभाग प्रतिचयन (संगुच्छित प्रतिचयन) कहलाती है। अतः संगुच्छित निदर्शन से संभाविता निदर्शन के शोध-प्रारूप का संकेत मिलता है।

19. निम्नलिखित में से किसने समाजशास्त्र में विश्लेषण की एक विधि को प्रकार्यवाद का नाम दिया?

(a) नाडेल (b) लेवी-स्ट्रॉस
(c) दुर्खीम (d) परेटो

उत्तर (c) दुर्खीम पहले व्यक्ति थे जिन्होंने समाजशास्त्र को विज्ञान बताया। उन्होंने समाजशास्त्र में विश्लेषण की एक विधि को प्रकार्यवाद का नाम दिया।

स्रोत- समाजशास्त्रीय व्याख्या-एस॰ एल॰ दोषी

20. निम्नांकित में से कौन एक शोध-अभिकल्प का कार्य नही है?

(a) यह शोधकर्ता को सामाजिक प्रश्नों के अध्ययन की रूपरेखा प्रदान करता है।
(b) यह शोध कार्य का क्षेत्र निर्धारित करता है।
(c) यह अध्ययन-संदर्भ के बाहर शोध-परिणामों की व्याख्या में मदद करता है।
(d) यह शोधकर्ता को अध्ययन के कार्यान्वयन में आने वाली संभावित समस्याओं के पूर्वानुमान की शक्ति देता है।

उत्तर (c) शोध अभिकल्प का अर्थ है रूपरेखा बनाना या नियोजन करना या विवरण को व्यवस्थित करना। यह स्थिति के उत्पन्न होने से पूर्व निर्णय लेने की प्रक्रिया है जिसमें निर्णय को क्रियान्वित किया जाना होता है।
यह अध्ययन सन्दर्भ के बाहर शोध परिणामों की व्याख्या में मदद नहीं करता है।

21. निम्नलिखित में से कौन संरचनात्मक प्रकार्यवादी नही है?

(a) दुर्खीम (b) रैडक्लिफ ब्राउन
(c) पारसन्स (d) मैलिनोवस्की

उत्तर (a) दुर्खीम संरचनात्मक प्रकार्यवादी नहीं बल्कि वे प्रकार्यवादी हैं और उन्होंने प्रकार्यवाद शब्द का प्रयोग समाजशास्त्र में पहली बार किया।

22. समाज में लैंगिक भूमिका की स्थापना किन कारणों से होती है?

(a) समाजीकरण (b) नैतिक भिन्नता
(c) महिलाओं की निम्न पद्यस्थिति (d) निरक्षरता

उत्तर (a) समाजीकरण एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा हम समाज में रहना और उसके सक्रिय सदस्य बनाना सीखते है।इस प्रक्रिया में समाज के मानदण्डों एवं मूल्यों के साथ-साथ अपनी सामाजिक भूमिकाओं (पति/पत्नी, माता/पिता, मित्र, नागरिक आदि) के सम्पादन करने की कला सीखने सम्बन्धी दोनों बातें सम्मिलित होती हैं।

मूलतः समाजीकरण सीख की एक प्रक्रिया है जो जीवशास्त्रीय मानव को एक सामाजिक मानव के रूप में बदल देती है। अतः सामाजीकरण की वजह से ही समाज में लैंगिक भूमिका की स्थापना होती है।

23. सामग्री एकत्र करने के लिये वैयक्तिक अध्ययन पद्धति का इस्तेमाल तब किया जाता है जब निदर्शन का आकार होता है?

(a) अत्यन्त बड़ा
(b) अत्यन्त छोटा
(c) छोटा तथा गहरायी में सामग्री को आवश्यकता होती है।
(d) अत्यन्त बिखरा हुआ।

उत्तर (b) किसी एक प्रकरण (केस) के गहन, सूक्ष्म एवं सर्वांगीण अध्ययन को वैयक्तिक अध्ययन कहते हैं। यह तथ्य संकलन की एक प्रविधि होने की अपेक्षा अध्ययन विश्लेषण का एक उपागम एक शोध-प्रकल्प या एक व्यूह रचना है जो अध्ययन की किसी एक इकाई को उसकी समग्रता में अध्ययन करने पर बल देते हैं।

24. अपेक्षित भूमिका से सम्बन्धित पुरस्कार एवं दण्ड को कहा जाता है:

(a) मानदण्ड (b) मूल्य
(c) लोकाचार (d) स्वीकृति

उत्तर (d) अपेक्षित भूमिका से सम्बन्धित पुरस्कार एवं दण्ड को स्वीकृति कहा जाता है।

25. आधुनिक समाज में संघर्ष के बदलते स्वरूप का संबंध निम्नांकित कारकों में किस से नहीं है?

(a) व्यक्ति की उन्नति के लिए अधिक अवसर
(b) औद्योगिक एवं प्रौद्योगिक विकास
(c) आर्थिक - स्तर के सुधार के लिए वर्ग-निर्माण की कम आवश्यकता
(d) प्रतिस्पर्धा के माध्यम से सामाजिक प्रभुत्व बढ़ाना वर्ग संघर्ष की तुलना में सरल है।

उत्तर (c) संघर्षवादी सिद्धान्त के जनक कार्ल मार्क्स ने द्वन्द्वात्मक सिद्धान्त को भौतिक-आर्थिक अवस्थाओं में लागू करके संघर्ष का सिद्धान्त दिया। वर्तमान समय के संघर्ष के बदलते स्वरूप में आर्थिक सुधार के लिए वर्ग की प्रासंगिकता शून्य हो गयी है। वर्ग का निर्माण आर्थिक सुधार में बाधक है।

26. धन, शक्ति एवं प्रतिष्ठा की असमानता से उत्पन्न होने वाले प्रभावों को किस रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है?

(a) जीवन अवसर (b) जीवन शैली
(c) मूल्य एवं सिद्धांत (d) उपरोक्त सभी

उत्तर (d) धन, शक्ति एवं प्रतिष्ठा की असमानता से उत्पन्न होने वाले प्रभावों को जीवन अवसर, जीवनशैली तथा मूल्य एवं सिद्धान्त के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है।

27. अभिकथन (A) : शोधकर्ता जो प्रश्नावलियों का उपयोग करते हैं, वे इन्हें अनुपाततः लोगों की ज्यादा गिनती से सम्बोधित भारी मात्रा में सामग्री जुटाने के लिए इन्हें तुलनात्मक दृष्टि से सस्ता, तेज एवं प्रभावशाली ढंग मानते हैं।

तर्क (R) : प्रश्नावलियाँ ऐसी सामग्री मुहैया करती हैं जिन्हें लक्षणबद्ध किया जा सकता है।

प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:

कोड:

(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) गलत है मगर (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

उत्तर (b) प्रश्नावली प्रश्नों की एक सूची होती है जिसे शोधकर्ता उत्तरदाता के पास डाक के माध्यम से भेजता है तथा उत्तरदाता इन प्रश्नों का उत्तर देकर पुनः शोधकर्ता के पास भेज देता है। प्रश्नावली का प्रयोग व्यवहार परक शोधों में आँकड़े एकत्र करने के लिए तथा शोध समस्याओं का अध्ययन करने के लिए किया जाता है। यह अधिक सामग्री जुटाने वाला सस्ता तथा प्रभावशाली तरीका हैं इस प्रकार एकत्रित किये गये आँकड़ों को लक्षणबद्ध किया जा सकता है। अतः अभिकथन A तथा तर्क R सही है। एवं R अभिकथन A का सही स्पष्टिकरण है।

28. अभिकथन (A) : अल्पसंख्यक समूह अक्सर बहुसंख्यकों के प्रति अविश्वास व्यक्त करता है।

तर्क (R) : अल्पसंख्यक समूह प्रायः पूर्वाग्रह तथा पक्षपात के शिकार होते हैं।

प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:

कोड :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है।

उत्तर (b) लुई विर्थ ने अल्पसंख्यक समूह को परिभाषित करते हुए लिखा है कि "यह व्यक्तियों का एक ऐसा समूह है जिसे उनकी शारीरिक या सांस्कृतिक विशेषताओं के आधार पर उस समाज के अन्य व्यक्तियों से जिसमें वे रहते हैं, भेदभावपूर्ण और असमान व्यवहार करके इस प्रकार अलग-अलग कर दिया जाता है कि वे स्वयं यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि उनके साथ सामूहिक रूप से भेदभाव किया जा रहा है। (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

29. अभिकथन (A) : मार्क्स के अनुसार किसी व्यक्ति की किसी वर्ग में सदस्यता को उसकी आर्थिक व्यवस्था में स्थिति को देखकर ही निर्धारित किया जाता है।

तर्क (R) : वर्ग संघर्ष किसी एक वर्ग के दूसरे वर्ग द्वारा शोषण का आवश्यक प्रतिफल है।

प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:

कोड:

(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) गलत है मगर (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

उत्तर (b) वर्ग से मार्क्स का अभिप्राय उन जन समूहों से है जिनकी परिभाषा उत्पादन की प्रक्रिया में उनकी भूमिका के द्वारा की जा सकती है। वर्ग ऐसे लोगों के समूहों को कहते है जो अपनी जीविका एक ही ढंग से कमाते हैं। अतः मार्क्स ने वर्ग का निर्धारण आर्थिक व्यवस्था के आधार पर किया है।
मार्क्स के अनुसार समाज में दो वर्ग पाये जाते हैं।
(1) शोषक वर्ग (2) शेषित वर्ग।
जब शोषक वर्ग की नीतियाँ शोषित वर्ग पर असहनीय हो जाती है। तब वर्ग संघर्ष शुरू हो जाता हैं अतः अभिकथन A तथा तर्क R सही है तथा तर्क R, A का सही स्पष्टीकरण है।

30. **अभिकथन** (A) : प्रकार्यवादी समाज को एक व्यवस्था के रूप में देखता है जिसका भाव है कि यह अन्तर्सम्बंधित भागों का समूह है जिनके समुच्चय से समग्रता का निर्माण होता है।
तर्क (R) : परिवार एवं धर्म सरीखी संस्थाओं का विश्लेषण एकाकी इकाइयों की बजाय सामाजिक व्यवस्था के एक अंग के रूप में किया जाता है।
प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:
कोड :
(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) गलत है मगर (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

उत्तर (b) प्रकार्यवाद समाज को अन्तर्सम्बन्धित भागों की एक ऐसी स्वचालित व्यवस्था के रूप में देखने का सरल दृष्टिकोण है । समाजशास्त्र में प्रकार्य की अवधारणा का प्रयोग उन्नीसवीं शताब्दी में ऑगस्त कॉम्ट तथा हरबर्ट स्पेंसर द्वारा किया गया किन्तु इसे व्यवस्थित एवं एक वैज्ञानिक अवधारणा के रूप में प्रयोग किये जाने का श्रेय इमाईल दुर्खीम को जाता है।
सामाजिक व्यवस्था सिद्धान्त में किसी इकाई का अध्ययन उसके पृथक भागों के रूप में करने की अपेक्षा उसके सम्पूर्ण तथ्य उसके निर्णायक भागों के अन्तर्सम्बन्धों के सन्दर्भ में किया जाता है। अतः अभिकथन A तथा तर्क R दोनों सही हैं परन्तु A का R सही स्पष्टीकरण है।

31. **अभिकथन** (A) : शिक्षा का मुख्य कार्य समाज के प्रबल संस्कृति का सम्प्रेषण करना है।
तर्क (R) : सांस्कृतिक लक्ष्यों एवं मूल्यों में भिन्न-भिन्न समाजों के बीच और यहाँ तक कि एक ही समाज के बीच भारी भिन्नता होती है।
प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:
कोड:
(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) गलत है मगर (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

उत्तर (c) शिक्षा का मुख्य कार्य व्यक्ति को बेहतर बनाना है जिससे वह सुखी नैतिक और कुशल मानव बन सके। अतः अभिकथन A गलत है। मूल्य अधिकाशतः भावनाओं से भरे होते हैं क्योंकि उन बातों का प्रतिनिधित्व करते हैं जिन्हे हम अच्छा मानते हैं और जिनकी रक्षा करना हम अपना कर्तव्य समझते हैं। भिन्न –भिन्न समाजों में मूल्य व लक्ष्य भिन्न-भिन्न होते है। अतः तर्क R सही है।

32. **अभिकथन** (A) : मार्क्स के अनुसार कुछ लोगों के द्वारा दूसरों के शोषण एवं उत्पीड़न की समाप्ति तब हो सकती है जब उत्पादन की शक्तियों का स्वामित्व सामुदायिक होगा।
तर्क (R) : शासक वर्ग अपनी शक्ति उत्पादन के साधनों के स्वामित्व तथा उन पर नियंत्रण से प्राप्त करता है।
प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:
कोड:
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है।

उत्तर (a) आधुनिक साम्यवाद के प्रणेता मार्क्स एवं एंजिल के अनुसार साम्यवाद एक ऐसा तंत्र अथवा व्यवस्था है जिसमें आर्थिक उत्पादन, वितरण और विनिमय के प्रमुख साधनों पर किसी व्यक्ति विशेष का स्वामित्व न होकर सम्पूर्ण समाज का स्वामित्व होता है। वे इस तंत्र की स्थापना की चरम परिणति सर्वहारा के अधिनायक तंत्र में देखते हैं। कार्ल मार्क्स के अनुसार पूंजीवादी समाज में स्वामित्व उनका होता है जो उत्पादन के साधनों पर स्वामित्व प्राप्त करते हैं। अतः अभिकथन A तथा तर्क R सही है। A का R सही स्पष्टीकरण है।

33. **अभिकथन** (A) : ऐसी स्थिति जहाँ किसी मनुष्य से दो अथवा इससे अधिक भूमिकाओं को निभाने कि मांग की जाती है जो परस्पर मेल नहीं खाते तो उसे भूमिका संघर्ष कहा जाएगा।
तर्क (R) : पारम्परिक समाजों में भूमिका संघर्ष सामान्यतया नहीं होती है क्योंकि ऐसी समाजों में प्रत्येक व्यक्ति सीमित भूमिकाओं को ही निभाता है।
प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:
कोड :
(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) गलत है मगर (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

उत्तर (b) दो या दो से अधिक ऐसी भूमिकाओं के बीच असंगतता अथवा विरोधाभास की स्थिति, जिनके सम्बन्ध में एक व्यक्ति से किसी विचाराधीन स्थिति में सम्पादन किये जाने की आशा की जाती है। भूमिका संघर्ष कहलाती है। पारम्परिक समाज एक सरल समाज होता है इन समाजों में श्रम विभाजन नहीं पाया जाता है अर्थात् एक व्यक्ति से अधिक भूमिका की अपेक्षा नहीं की जाती है अतः इन समाजों में भूमिका संघर्ष देखने को नहीं मिलता है।
अतः A और R दोनों सही हैं तथा A का R सही स्पष्टीकरण है।

34. **अभिकथन** (A) : सहभागी पर्यवेक्षक जिस वस्तु का अध्ययन करना चाहता है, वह उस की हर रोज की दिनचर्या में शामिल होता है।
तर्क (R) : पर्यवेक्षक यह प्रयत्न करता है कि क्रिया को उसके सामान्य, प्राकृतिक संदर्भ में ही देखा जाए।
प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:
कोड :
(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(c) (A) गलत है मगर (R) सही है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

उत्तर (b) अवलोकन विधि का एक रूप जिसमें शोधकर्ता अध्ययन किये जाने वाले समूह की गतिविधियों और कार्यकलापों में समूह के एक आंतरिक समूह के रूप में भाग लेते हुए उनका अध्ययन करता है। सहभागी अवलोकन कहलाता है। अवलोकन की इस तकनीक में शोधकर्त्ता अपनी पहचान गुप्त रखता है। अवलोकन का उद्देश्य है कि प्रत्येक सामाजिक घटना की प्राकृतिक एवं यथार्थ रूप में वर्णन किया जा सके। अतः अभिकथन (A) व तर्क (R) दोनों सही हैं तथा A का R सही स्पष्टीकरण है।

35. **अभिकथन** (A) : व्यक्तित्व प्रणाली का सामाजिक व्यवस्था में एकीकरण, सामाजीकरण तथा सामाजिक नियंत्रण के द्वारा होता है।
तर्क (R) : सामाजीकरण अभिकर्ताओं में प्रेरणा एवं दक्षता विकसित कर उन्हें भूमिका अदा करने में मदद करती है तथा सामाजिक नियंत्रण व्यक्तियों के बीच के संबंधों में स्थायित्वता लाती है।
प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:
कोड :
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(d) (A) गलत है मगर (R) सही है।

उत्तर (a) सामाजिक नियंत्रण से तात्पर्य ऐसी विधियों या साधनों से है जिनके द्वारा किसी सामाजिक व्यवस्था में व्यक्तियों के विचारों, भावनाओं, आकांक्षाओं और व्यवहार को नियंत्रित करता है। यह व्यक्तियों तथा समूहों में एकता तथा स्थायित्व प्रदान करते हैं। अतः अभिकथन A तथा तर्क R सही है। तथा A का R सही स्पष्टीकरण है।

36. **अभिकथन (A) :** नृजातीयता के विकास में परंपरा का पुनर्निर्माण एक महत्वपूर्ण तत्व है।
तर्क (R) : परंपरा के पुनर्निर्माण का इस्तेमाल राष्ट्र निर्माण तथा आर्थिक विकास के औजार के रूप में किया जा सकता है।
प्रदत्त कोड से सही उत्तर का चयन कीजिये:
कोड:
(a) (A) सही है मगर (R) गलत है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं मगर (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
(d) (A) गलत है मगर (R) सही है।

उत्तर (d) नृजातीयता एक ऐसी विशिष्ट एवं पृथक सामाजिक सांस्कृतिक श्रेणी है। जिसकी रचना समान भाषा, धर्म, प्रजाति (रंग - रूप) और संस्कृति (खान-पान, पहनावा) जैसे गुणों से होती है नृजातीयता में परम्परा का पुनर्निर्माण नहीं होता है। परन्तु परम्परा के पुनर्निर्माण का इस्तेमाल राष्ट्र निर्माण तथा आर्थिक विकास के औजार के रूप में किया जा सकता है। अतः A गलत है तथा R सही है।

37. **निम्नांकित कथन एक दूसरे से संबंधित है। इन्हें अग्रताक्रम अथवा अनुक्रम के अनुसार व्यवस्थित करें।**
(A) मौलिक जीवन अवसर की ओर असमान पहुँच
(B) खण्डीय समाज व्यवस्था
(C) असमान लाभों का पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तान्तरण
(D) सम्पत्ति की भिन्नता
कोड:

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(d)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

उत्तर (d) कथनों का अनुक्रम इस प्रकार है-
सम्पत्ति की भिन्नता-असमान लाभों का पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तान्तरण-मौलिक जीवन अवसर की ओर असमान पहुँच-खन्डीय समाज व्यवस्था।

38. **प्रकार्यवादी के क्षेत्र में अंशदान देने वाले निम्नलिखित चिन्तकों को कालक्रमानुसार सही क्रम में चिन्हित करें।**
(a) पारसंस, मर्टन, दुर्खीम, स्पेन्सर
(b) मर्टन, दुर्खीम, स्पेन्सर, पारसंस
(c) पारसंस, स्पेन्सर, दुर्खीम, मर्टन
(d) स्पेन्सर, दुर्खीम, पारसंस, मर्टन

उत्तर (d) प्रकार्यवादी के क्षेत्र में अंशदान देने वाले प्रमुख चिंतक स्पेन्सर, दुर्खीम, पारसंस, मर्टन आदि प्रमुख हैं। जिन्होंने समाजशास्त्र को उपजाऊ बनाया है।
स्रोत - समाजशास्त्रीय विचारक- एस॰ एल॰ दोषी

39. **निम्नलिखित अवधारणाओं को उस क्रम में प्रस्तुत करें जैसा टालकॉट पारसन्स ने अपने समाज व्यवस्था के सिद्धांत में क्रमबद्ध किया है।**
(A) अव्यक्तता (B) एकीकरण
(C) अनुकूलन (D) लक्ष्य-प्राप्ति
कोड:

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

उत्तर (c) आधुनिक अमेरिकी अग्रणी समाजशास्त्रियों में टालकॉट पारसंस की गणना एक दिग्गज सिद्धान्तकार के रूप में की जाती है। टालकॉट पारसन्स ने किसी सामाजिक व्यवस्था को बनाये रखने के लिए चार प्रकार्यात्मक पूर्व अपेक्षायें बतायी, जो निम्नलिखित है– अनुकूलन – लक्ष्य प्राप्ति – एकीकरण - यथास्थिति (अव्यक्तता)

40. बढ़ती जटिलता के क्रमानुसार निम्नांकित अवधारणाओं को प्रस्तुत करें।

(a) राज्य, समाज, समुदाय, संघ
(b) समुदाय, संघ, समाज, राज्य
(c) संघ, राज्य, समुदाय, समाज
(d) समाज, राज्य, समुदाय, संघ

उत्तर (b) बढ़ती हुई जटिलता के अनुसार अवधारणाओं का क्रम इस प्रकार है-

समुदाय – संघ – समाज - राज्य

समुदाय– व्यक्तियों का एक ऐसा समूह जो एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में रहता हो, जिनमें हम की भावना पायी जाती हो तथा उनमें पारस्परिकता हो, समुदाय कहलाता है।

संघ– एक ऐसे समूह को संघ/समिति कहते हैं जिसकी रचना जानबूझकर किन्ही विशिष्ट उद्देश्यों या क्रियाओं को पूरा करने के लिए की जाती है।

समाज– समाज परिपाटियों, कार्यविधियों, सत्ता पारस्परिक सहयोग, अनेक समूहों एवं वर्गों, मानवीय व्यवहारों के नियंत्रण और स्वतंत्रताओं की एक व्यवस्था है।

राज्य– समाज का वह पक्ष, अभिकरण अथवा संस्था, राज्य के नाम से जानी जाती है जिसे किसी निर्दिष्ट क्षेत्र पर शारीरिक शक्ति के प्रयोग का वैधानिक एकाधिकार प्राप्त होता है।

41. निम्नलिखित अवधारणाओं को उसी तार्किक क्रम में रखें जिस प्रकार रॉल्फ डेहरेण्डॉर्फ ने अपने संघर्ष के सिद्धांत में रखा है।

(A) हित समूह (B) शासक एवं शासित
(C) संघर्ष (D) आवश्यकरणीय समन्वित समूह

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(b)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(c)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(d)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

उत्तर (d) राल्फ डेहरेण्डॉर्फ ने अपने संघर्ष सिद्धांत में संरचनात्मक कारणों को ढूढ़ने का यत्न किया है। उनके अनुसार आर्थिक सम्बन्ध ही संघर्ष का कारण नहीं है अपितु सत्ता-शक्ति के सम्बन्ध भी संघर्ष को जन्म देते हैं। उन्होंने अपने अवधारणाओं को तार्किक क्रम में आवश्यकरणीय समन्वित समूह, शासक एवं शासित, हित समूह, तथा संघर्ष को रखा है।

42. निम्नलिखित प्रत्ययों को उनके लेखकों से जोड़े।

	प्रत्यय		लेखक
(A)	प्रतिमान चर	i	परेटो
(B)	सामाजिक क्रिया के प्रकार	ii	टालकॉट पारसन्स
(C)	तार्किक एवं अतार्किक क्रियाएँ	iii	जी॰ एच॰ मीड
(D)	प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावाद	iv	मैक्स वेबर

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(d)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

उत्तर (a) सही सुमेलन निम्न प्रकार है-

(प्रत्यय)		(लेखक)
प्रतिमान चर	-	टालकॉट पारसन्स
सामाजिक क्रिया के प्रकार	-	मैक्स वेबर
तार्किक एवं अतार्किक क्रियाएँ	-	परेटो
प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावाद	-	जी. एच. मीड

43. निम्नलिखित अवधारणाओं को उनके लेखकों से जोड़े।

	सूची-I लेखक		सूची-II अवधारणा
(A)	परेटो	i	संघर्ष
(B)	ब्लूमर	ii	सामाजिक क्रिया
(C)	कॉलिंस	iii	संरचनावाद
(D)	नैडल	iv	प्रतीकात्मक अन्तर्कियावाद

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(b)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(c)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(d)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)

उत्तर (c) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(लेखक)	(अवधारणा)
परेटो	- सामाजिक क्रिया
ब्लूमर	- प्रतीकात्मक अन्तर्क्रियावाद
कॉलिंस	- संघर्ष
नैडल	- संरचनावाद

44. निम्नलिखित अवधारणाओं को इस क्रम में प्रस्तुत करें, जिस क्रम में इनका समाजशास्त्र में पहली बार प्रयोग हुआ था।

(A) प्राथमिक समूह (प्राइमरी ग्रुप)
(B) जैसेलशाफ्ट
(C) नौकरशाही (ल्युरोक्रैसी)
(D) सामाजिक तथ्य (सोसल फैक्ट)

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(c)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(d)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

उत्तर (d) प्रश्नगत अवधारणाओं का क्रम समाजशास्त्र में पहली बार जिस क्रम में प्रस्तुत हुआ वह निम्नवत है-

1. जैसेलशाफ्ट 2. प्राथमिक समूह 3. सामाजिक तथ्य 4. नौकरशाही

45. लेखकों को उनके पुस्तक से जोड़ें–

	लेखक		पुस्तक
(A)	लेविस कोजर	i	द फंक्शन्स ऑफ सोशल कांफ्लिक्ट
(B)	रॉल्फ डेहरेनडॉर्फ	ii	क्लास एण्ड क्लास कांफ्लिक्ट इन एन इण्डस्ट्रियल सोसाइटी
(C)	कार्ल मार्क्स और एफ॰ ऐंजेल्स	iii	द कम्युनिस्ट मैनिफेस्टो
(D)	रैनडॉल कॉलिंस	iv	कांफ्लिक्ट सोशियोलॉजी

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

उत्तर (c) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(लेखक)	**(पुस्तक)**
लेविस कोजर	- द फंक्शन ऑफ सोशल कांफ्लिक्ट
राल्फ डेहरेंडॉर्फ	- क्लास एण्ड क्लास कांफ्लिक्ट इन एन इण्डस्ट्रियल सोसाइटी
कार्ल मार्क्स और एफ. ऐंजेल्स रैनडॉल कोलिंस	- द कम्युनिस्ट मैनिफेस्टो कांफ्लिक्ट सोशियोलॉजी

निर्देश (46-50)- निम्नांकित गद्यांश को पढ़िए और इस गद्यांश की समझ पर आधारित प्रश्नों का उत्तर दीजिए-

अब ये देखने का समय है कि शिक्षा वस्तुतः हमारे समाज में क्या कार्य कर रही हैं ऐसा करते समय हमें शिक्षा के सचेत लक्ष्यों तथा शैक्षिक संगठन के अनचाहे परिणामों में भेद करना होगा। शिक्षा द्वारा सिखलाए जाने वाले मूल्यों और सिद्ध-हस्ताओं (स्किल्स) के महत्व का परीक्षण करने से हम इसका प्रारम्भ कर सकते हैं। शिक्षा, अर्थव्यवस्था एवं समाज के बीच एक निश्चित कड़ी है और प्रत्येक के विकास पर अन्य का प्रभाव पड़ता है, मगर हमें यह अधिक स्पष्टता से यह समझने की आवश्यकता है कि इनके बीच रिश्तों का स्वरूप क्या है।

सिद्धहस्ताओं (स्किल्स) को पहले लिया जा सकता है। शिक्षा उन कार्यों में कुशलता प्रदान करती है जिनकी अर्थव्यवस्था में आवश्यकता होती है। इसके पूर्ण महत्व को प्रायः भुला दिया जाता है।

अर्थव्यवस्था और शिक्षा के बीच का संबंध सटीक हो सकता है। उदाहरणतः इंजीनियरी फर्मों की गिनती एवं उनका उत्पादन-सामर्थ्य शिक्षा द्वारा तैयार किए गए इंजीनियरों की गिनती पर निर्भर है। यही बात अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों पर लागू होती है। शिक्षा एवं अर्थव्यवस्था के बीच इस सटीक संबंध से अभिप्राय यह है कि आधुनिक नियोजित अर्थव्यवस्था में समाज की आर्थिक एवं सामाजिक आवश्यकताओं के अनुसार प्रबुद्ध प्रयास द्वारा सिद्ध हस्त व्यक्ति (स्किल्ड प्यूपल) तैयार किए जाएँ। डॉक्टरों, वैज्ञानिकों, अध्यापकों आदि को किस गिनती में तैयार किया जाए इसकी योजना अनिवार्यता, ऐसा प्रायः होता है, बहुत पहले बना ली जाए ताकि सम्भावित आर्थिक एवं सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

शिक्षा के अन्तर्गत सीखी सिद्धहस्ताओं (स्किल्ड) का, उस सीमित आर्थिक महत्व, जिसकी चर्चा हम अब तक करते आए हैं, की अपेक्षा ज्यादा विस्तृत महत्व है। एक विकासशील देश को लीजिए। ऐसे देश का आवश्यक लक्ष्य यह है कि सहभागी प्रजातंत्र को बढ़ावा दिया जाए। किसी विशाल एवं जटिल समाज में सहभागी प्रजातंत्र साक्षरता पर निर्भर करता है। साक्षरता जन-माध्यमों एवं प्रभावी मतदान में भाग लेना सिखाती हैं साक्षरता शिक्षा की उपज है। इस प्रकार किसी शैक्षिक व्यवस्था की स्थिति का राजनीतिक एवं आर्थिक महत्व होता है।

शिक्षा का महत्व इसलिए भी है कि वह मूल्यों को सिखलाती है। बहुत से विकासशील देशों में स्कूल पाठ्यक्रम का बड़ा भारी भाग उन कोर्सों और सामग्री के इर्द-गिर्द संगठित किया जाता है जिसे राष्ट्रीय एकता के मूल्यों की सिखलाई देने के लिए बनाया जाता है। राष्ट्रीय संकल्प को बनाने वाले जातीय समूहों के इतिहास एवं रीति-रिवाज की ओर उदाहरणतः बहुत ध्यान दिया जाता है। बहुत से राष्ट्रों में, जिनके सम्मुख भिन्न-भिन्न जन-समूहों को एक साथ रखने की समस्या है अथवा जो भिन्न-भिन्न भौगोलिक क्षेत्रों को इकट्ठा रखने की समस्या से जूझ रहे हैं, उनकी शैक्षिक व्यवस्था पर राज्य का कड़ा निरीक्षण रहता है और राज्य ही साझा राष्ट्रीय मूल्यों को सचेत रूप में संचारित करता है। इस प्रकार शिक्षा समाज में ऐसे मूल्यों का संचार करके समाज के भिन्न-भिन्न समूहों को जोड़ने के लिए एकीकरण की शक्ति बन सकती है।

46. लेखक का मूल लक्ष्य यह परीक्षण करना है कि-

(a) शिक्षा एवं समाज में परस्पर क्या संबंध है
(b) शिक्षा के प्रमुख कार्य
(c) शिक्षा एवं अर्थव्यवस्था के पारस्परिक संबंध
(d) शिक्षा की राजनीति

उत्तर (a)

47. उपरोक्त गद्यांश के अनुसार निम्नलिखित में से शिक्षा के कौन-कौन से कार्य हैं?

i. मूल्यों एवं सिद्धहस्ताओं (स्किल्ड) की सिखलाई देना।
ii. औद्योगिक विकास को सुगम बनाना।
iii. राजनीतिक चेतना को जागृत करना।

(a) केवल (i) (b) केवल (ii)
(c) केवल (iii) (d) उपरोक्त सभी

उत्तर (d)

48. विकासशील देशों में तीव्र शैक्षिक कार्यक्रम के अनचाहे परिणाम हैं-

(a) तीव्र औद्योगिक उन्नति
(b) सामाजिक तनाव में वृद्धि
(c) सामन्तीय समूहों का राजनीतिक संचालन
(d) साक्षरता की दर में वृद्धि

उत्तर (c)

49. उक्त गद्यांश में उठाए गए प्रश्नों को उचित रूप से इस तर्क के पक्ष में प्रयुक्त किया जा सकता है-

(a) प्रारम्भिक शिक्षा के लिए और अधिक धन मुहैया करना
(b) तकनीकी शिक्षा का प्रसार
(c) नारी शिक्षा पर अधिक बल
(d) शिक्षा की समग्र उन्नति

उत्तर (d)

50. राज्य द्वारा शिक्षा के निरीक्षण कर लेखक ने पक्ष लिया ताकि उपलब्ध हो-

(a) राष्ट्रीय एकता (b) भौगोलिक एकता
(c) जन समूहों में समानता (d) सामाजिक साहचर्य

उत्तर (a)

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2007

समाजशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. निम्नलिखित में से किसने समाजशास्त्र को समाजिक क्रिया की व्याख्यात्मक समझ के रूप में परिभाषित किया है?

(a) हरबर्ट स्पेंसर (b) ऑगस्ट कॉम्टे
(c) इमाईल दुर्खीम (d) मैक्स वेबर

उत्तर (d) मैक्स वेबर ने सर्वप्रथम समाजशास्त्र में सामाजिक क्रिया की व्याख्यात्मक समझ के रूप में परिभाषित किया है। कोई भी मानव अभिवृत्ति या गतिविधि जिसके साथ कर्ता अपना व्यक्तिनिष्ठ अर्थ सम्मिलित करता है वह सामाजिक क्रिया कहलाती है।

2. एक प्राथमिक समूह से बना होता है।

(a) लघु इकाई (b) विशाल जनसंख्या
(c) सुदूरवर्ती (d) औपचारिक सदस्यता

उत्तर (a) एक प्राथमिक समूह लघु इकाई से बना होता है। जिसमें सम्बन्ध आमने-सामने का होता है। सम्बन्ध भावना पर आधारित होता है। प्राथमिक समूह की अवधारणा का प्रयोग चार्ल्स कूले ने पुस्तक 'सोशल आर्गनाइजेशन' में प्रस्तुत किया।

3. निम्नलिखित में से किसने ''अन्तर्समूह' तथा 'बाह्य समूह' की सुविस्तृत चर्चा की है?

(a) आर॰ के॰ मर्टन (b) सी॰ एच॰ कूले
(c) जी॰ सी॰ होम्स (d) आर॰ के॰ मुखर्जी

उत्तर (a) ''अन्तःसमूह' तथा 'बाह्य समूह' की अवधारणा समनर की है। परन्तु मर्टन ने इसकी विस्तृत व्याख्या अपने संदर्भ समूह के अध्ययन के संदर्भ में की है। उनका निष्कर्ष है कि एक व्यक्ति का संदर्भ समूह उसका अपना अन्तःसमूह हो सकता है जिसका कि वह वास्तव में सदस्य है और वह बाह्य समूह भी हो सकता है जिसका की वह सदस्य नहीं है। मर्टन के अनुसार संदर्भ समूह का सिद्धान्त यह बताता है कि व्यक्ति अन्तःसमूह अथवा बाह्य समूह को किस प्रकार अपने व्यवहार का निर्देशक मानने लगता है और उस समूह से अपना संदर्भ स्थापित कर लेता है।

4. मानव समाज के वैज्ञानिक अध्ययन के लिए 'सोशियोलॉजी' पद का सर्वप्रथम प्रयोग...ने किया था।

(a) हरबर्ट स्पेंसर (b) ए॰ कॉम्ट
(c) अरिस्टॉटल (अरस्तू) (d) ई॰ दुर्खीम

उत्तर (b) ऑगस्त कॉम्ट प्रत्यक्षवाद के जनक माने जाते हैं। उन्होंने मानव समाज के वैज्ञानिक अध्ययन के लिए सोशियोलॉजी पद का सर्वप्रथम प्रयोग किया था।

5. निम्नलिखित में से कौन समुदाय का एक तत्व नहीं है?

(a) हम भावना
(b) अधिक्षेत्र
(c) सांस्कृतिक विविधता
(d) आत्म निर्भरता

उत्तर (c) सांस्कृतिक विविधता समुदाय का एक तत्व नहीं है। बोगार्डस के अनुसार, समुदाय एक ऐसा सामाजिक समूह है जिसमें कुछ अंशों तक हम की भावना पायी जाती है तथा जो एक निश्चित क्षेत्र में रहता है।

6. कुछ लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए व्यक्तियों द्वारा गठित एक संगठन को ..... कहते हैं।

(a) समाज (b) संघ
(c) संस्था (d) समुदाय

उत्तर (b) कुछ लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए व्यक्तियों द्वारा गठित एक संगठन को संघ अथवा समिति कहते हैं। मैकाइवर एवं पेज के अनुसार, नवीन समाजों में विशिष्ट हितों की पूर्ति के लिए जो समूह संगठित किये जाते हैं, समिति कहलाते हैं।

7. निम्नलिखित में से किसे सार्वभौम समाज संस्था के रूप में जाना जाता है?

(a) जाति (b) धर्म
(c) परिवार (d) जनजाति

उत्तर (c) परिवार को ही सार्वभौम सामाजिक संस्था के रूप में जाना जाता है। पीटर मर्डाक ने अपनी पुस्तक 'Social Structure' में परिवार को एक सार्वभौम सामाजिक संस्था कहा है। यह सभी समाजों और सभी कालों में पाया जाता रहा है। परिवार ही एक बालक का समाजीकरण कर उसे मानव बनाकर समाज को समर्पित करता है।

8. निम्न वर्ग संस्कृति .....का एक उदाहरण है।

(a) प्रति संस्कृति (b) परि संस्कृति
(c) उप संस्कृति (d) प्रभुत्व संस्कृति

उत्तर (c) जैविक, आर्थिक, क्षेत्रीय या सामाजिक आधार पर बने किसी समूह की सांस्कृतिक विशिष्टताओं के कुल योग को उपसंस्कृति कहते हैं, जैसे–महिलाओं, बूढ़ों, किसानों, मजदूरों आदि की संस्कृति।

9. ..... जाति-प्रथा का मूलभूत अभिलक्षण है।

(a) समानता (b) पदानुक्रम
(c) समान प्रस्थिति (d) खुलापन

उत्तर (b) पदानुक्रम जाति व्यवस्था का मूलभूत अभिलक्षण है। जे. एच. हट्टन के अनुसार ''जाति एक ऐसी व्यवस्था है जिसके अन्तर्गत एक समाज कई-कई स्व-केन्द्रित एवं एक दूसरे से पूर्णतः अलग इकाईयों (जातियों) में बँटा होता है। इन जातियों के मध्य पारस्परिक सम्बन्ध उच्चता एवं निम्नता पर आधारित सांस्कृतिक रूप से निर्धारित होता है।

10. आर॰ के॰ मर्टन के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सा एक संदर्भ समूह के आधार पर निर्माण करता है?

(a) सापेक्षिक समानता (b) सापेक्षिक कठिनाइयाँ
(c) सापेक्षिक साहचर्य (d) सापेक्षिक वंचना

उत्तर (d) सन्दर्भ समूह एक ऐसा समूह है जिसका व्यक्ति तुलना के लिए एक प्रामाणिक समूह के रूप में प्रयोग करता है। सन्दर्भ समूह का सर्वप्रथम प्रयोग हाइमन ने वर्ष 1942 ई0 में एक लेख 'साइकोलॉजी ऑफ स्टेटस' में किया था।

11. 'रोल-सेट' की अवधारणा का प्रतिपादन किसने किया?

(a) टालकॉट पार्सन्स (b) आर॰ के॰ मर्टन
(c) मैक्स वेबर (d) ए॰ आर॰ रैडक्लिफ-ब्राउन

उत्तर (b) रोल सेट की अवधारणा का प्रतिपादन आर॰ के॰ मर्टन ने किया है। एक विशिष्ट सामाजिक प्रस्थिति के साथ जुड़ी हुई भूमिकाओं के समुच्चय को भूमिका-पुंज कहते हैं। किसी भी सामाजिक प्रस्थिति में एक व्यक्ति अनेक सामाजिक सम्बन्धों से घिरा रहता है। जो कि व्यक्तियों के लिए उस सामाजिक प्रस्थितियों में सर्वदा अथवा सामान्यतः आवश्यक होते हैं।

12. 'ह्यूमन सोसाइटी' का लेखक निम्नलिखित में से कौन है?

(a) टी॰ पार्सन्स (b) आर॰ के॰ मर्टन
(c) के॰ डेविस (d) मैकाइवर

उत्तर (c) ह्यूमन सोसाइटी के लेखक के॰ डेविस है। समाज शास्त्र के आम पाठकों के बीच किंग्सले डेविस विशेष रूप में अपनी पुस्तक 'मानव समाज' के लिए जाने जाते हैं।

13. सामाजिक मानदण्ड कौन निर्धारित करता है?

(a) राज्य (b) धर्म
(c) समाज (d) विशिष्ट जन वर्ग

उत्तर (c) सामाजिक मानदण्ड **समाज** ही निर्धारित करता है और समाज का अनुरक्षण सामाजिक मानदण्डों द्वारा सुनिश्चित होता है।

14. समाजशास्त्र की भाषा में मूल्य (वैल्यू) को सन्दर्भित करता है।

(a) आचरण का मानदण्ड (b) सामाजिक निष्पादन
(c) सुसंस्कृत व्यक्ति के गुण (d) आदर्श

उत्तर (a) समाजशास्त्र की भाषा में मूल्य आचरण के मानदण्ड के रूप में सन्दर्भित है। सामाजिक मूल्य वे मानक या धारणायें हैं जिनके आधार पर हम किसी व्यक्ति के व्यवहार, वस्तु के गुण, लक्ष्य साधन एवं भावनाओं आदि को उचित या अनुचित अथवा अच्छा या बुरा ठहराते हैं।

15. एक पुरुष के दो या अधिक स्त्रियों से विवाह को कहते हैं।

(a) बहु-पत्नी विवाह (b) एक विवाह
(c) बहुपति विवाह (d) पैतृक बहुपति विवाह

उत्तर (a) एक पुरुष के दो या अधिक स्त्रियों से विवाह को **बहु-पत्नी** विवाह कहते है। बहुपति विवाह का एक विशिष्ट रूप भ्रातृक बहुपतित्व के नाम से जाना जाता है। जिसमें एक स्त्री से विवाह करने वाले सभी व्यक्ति आपस में भाई होते हैं।

16. इनमें से किसमें बहुपतिविवाह की प्रथा प्रचलित है?

(a) पालियान (b) संथाल
(c) टोडा (d) जाट

उत्तर (c) टोडा में बहुपति विवाह की प्रथा प्रचलित है। एक स्त्री के एक समय में एकाधिक पति होने की प्रथा बहुपति विवाह कहलाती है। पत्नी एक और पति अनेक की यह प्रथा भारत में उत्तर प्रदेश के जौनसार-बाबर क्षेत्र के निवासी खस जनजाति तथा दक्षिण में नीलगिरि पर्वत पर निवास करने वाली टोडा जनजाति में पाई जाती है।

17. सामाजिक स्तरीकरण के मापदण्ड है-

(i) शक्ति प्रतिष्ठा
(ii) प्रतिष्ठा, पद
(iii) शक्ति, पद
(iv) शक्ति, पद, प्रतिष्ठा

(a) केवल (i) सही है। (b) (ii) तथा (iii) सही है
(c) (iii) तथा (i) सही है (d) केवल (iv) सही है

उत्तर (d) शक्ति, पद तथा प्रतिष्ठा सामाजिक स्तरीकरण के मापदण्ड है। जिसबर्ट के अनुसार, सामाजिक स्तरीकरण समाज का उन स्थायी समूहों तथा श्रेणियों में विभाजन है जो परस्पर श्रेष्ठता एवं अधीनता के सम्बन्धों द्वारा सम्बद्ध होते हैं।

18. सूची - I में दी गई मदों को सूची - II में दी गई मदों से मिलाइए-

	सूची - I (अधिनियम)		सूची - II (वर्ष)
A	घरेलू हिंसा अधिनियम	1	1954
B	हिन्दू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम	2	1961
C	शारदा ऐक्ट	3	2006
D	दहेज निषेध अधिनियम	4	1926
		5	1929

(A) (B) (C) (D)
(a) (3) (1) (5) (2)
(b) (4) (5) (3) (2)
(c) (1) (2) (3) (4)
(d) (2) (3) (1) (5)

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अधिनियम)		(वर्ष)
घरेलू हिंसा अधिनियम	–	2006 (लागू)
हिन्दू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम	–	1954
शारदा ऐक्ट	–	1929
दहेज निषेध अधिनियम	–	1961

19. प्रत्याशित समाजीकरण..... को जन्म देता है।

(a) संघर्ष
(b) व्यक्तित्व का विघटन
(c) मानदण्ड हीनता
(d) ऊर्ध्वगामी सामाजिक गतिशीलता

उत्तर (d) प्रत्याशित समाजीकरण ऊर्ध्वगामी सामाजिक गतिशीलता को जन्म देता है । भविष्य में जो स्थिति आने वाली है उसके लिए पहले से अभ्यास या तैयारी करना या उन व्यवहारों को सीखना ही प्रत्याशित समाजीकरण है। उदाहरण– यदि एक व्यक्ति पति, पिता, अफसर आदि बनने से पूर्व ही उनसे सम्बन्धित व्यवहारों को सीखता है तो वह पूर्वाभ्यासी (प्रत्याशित) समाजीकरण की स्थिति में है।

20. जाति के प्रति सामाजिक स्तरीकरण के वेबेरियन मॉडल का उपयोग.....के द्वारा किया गया।

(a) एम॰ एन॰ श्रीनिवास (b) एस॰ सी॰ दुबे
(c) जी॰ एस॰ घुरिये (d) आन्द्रे बेतेई

उत्तर (d) जाति के प्रति सामाजिक स्तरीकरण के वेवेरियन मॉडल का उपयोग आन्द्रे बेतेई के द्वारा किया गया है। इनकी प्रसिद्ध पुस्तक 'कास्ट, क्लास एण्ड पॉवर' है।

21. ब्लूमर के अनुसार निम्नलिखित में से कौन एक 'सामाजिक कृत्य' नहीं है?

(a) विवाह (b) डायरी लिखना
(c) पारिवारिक रात्रि-भोज (d) शैक्षणिक पर्यटन

उत्तर (b) डायरी लिखना सामाजिक कृत्य नहीं है। बल्कि यह व्यक्तिनिष्ठ पहलू को समावेश करता है। जब तक किसी कार्य में सामूहिकता कृत्य नहीं जुड़ेगा तब तक वह कार्य सामाजिक कृत्य नहीं माना जायेगा।

22. निम्नलिखित में से कौन-सा समाजशास्त्र में मैक्स वेबर का योगदान है?

(a) धर्म के क्रम विकास का सिद्धांत
(b) सामाजिक रूपान्तरण में मूल्यों की भूमिका
(c) संघर्ष का सामाजिक कार्य तथा कारणत्व
(d) मानव व्यवहार को सँवारने में आनुवंशिकता की भूमिका

उत्तर (b) मैक्स वेबर ने प्रोटेस्टेंट नैतिकता को यूरोप के पूँजीवाद का कारण माना है क्योंकि मूल्यों का स्रोत धर्म है अतः दुनिया के आर्थिक व्यवहार एवं उसमें आये परिवर्तन के लिए वेबर ने विश्व के छः महान धर्मों (कन्फ्यूशियन, हिन्दू, बौद्ध ईसाई, इस्लाम तथा यहूदी) का अध्ययन किया और उस धर्म विशेष को मानने वाले लोगों के आर्थिक तथा सामाजिक संगठन पर पड़ने वाले, प्रभावों को सिद्ध किया।

23. डेहरेण्डॉर्फ के लिए वर्ग संघर्ष ..... से संबंधित है।

(a) सामाजिक प्रणालियों
(b) सामाजिक संगठनों
(c) अनिवार्यतः समन्वित संघों
(d) साम्राज्यवादी समाजों

उत्तर (c) डेहरेण्डॉर्फ के लिए वर्ग संघर्ष अनिवार्यतः समन्वित संघों से संबंधित है।

24. आर॰ के॰ मर्टन के अनुसार दुष्क्रिया का अर्थ है-

(a) किसी गतिविधि के अनुपयोगी नतीजे
(b) किसी गतिविधि के नकारात्मक नजीजे
(c) किसी गतिविधि के अनेक नतीजे
(d) किसी गतिविधि के अप्रासंगिक नतीजे

उत्तर (b) बीसवीं शताब्दी के अमेरिकी समाजशास्त्र में मर्टन की गणना अग्रणी समाजशास्त्रियों में की जाती है। मर्टन के अनुसार दुष्क्रिया का अर्थ किसी गतिविधि के नकारात्मक नतीजे परिलक्षित होने से है।

25. निम्नलिखित अवधारणाओं तथा लेखकों को सुमेलित करें-

	सूची - I (अवधारणा)		सूची - II (लेखक)
A	अतिरिक्त मूल्य	1	परेटो
B	सामाजिक तथ्य	2	वेबर
C	तर्कसंगत कार्य	3	दुर्खीम
D	आदर्श कोटि	4	कार्ल मार्क्स

(A) (B) (C) (D)
(a) (4) (3) (1) (2)
(b) (2) (4) (3) (1)
(c) (3) (2) (1) (4)
(d) (1) (2) (3) (4)

उत्तर (a) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणाएँ)	(लेखक)
अतिरिक्त मूल्य	- कार्ल मार्क्स
सामाजिक तथ्य	- इमाईल दुर्खीम
तर्क संगत कार्य	- परेटो
आदर्श कोटि	- वेबर

26. दुर्खीम का प्रतिपादन स्पष्टतः .....के साथ उन्नीसवीं सदी की बौद्धिक तल्लीनता से प्रभावित है।

(a) नृजाति विज्ञान (b) जीव विज्ञान
(c) मनोविज्ञान (d) दर्शन शास्त्र

उत्तर (d) दुर्खीम समाजशास्त्र के वास्तविक पिता माने जाते हैं। दुर्खीम का प्रतिपादन स्पष्टतः दर्शनशास्त्र के साथ उन्नीसवीं सदी की बौद्धिक तल्लीनता से प्रभावित है।

27. नीचे दिए गए वक्तव्यों के आलोक में दिए गए कूट से सही उत्तर दें-

(i) शिक्षा में संघर्ष सिद्धांत यह प्रतिपादित करता है कि शिक्षा एक प्रच्छन्न कार्यसूची से अभिलक्षित है।
(ii) शिक्षा में संघर्ष सिद्धांत समाज में शिक्षा की भूमिका को अनुमोदित नहीं करता।
(iii) शिक्षा में संघर्ष सिद्धांत व्यक्ति के विकास में शैक्षिक योगदान की उपेक्षा करता है।
(iv) शिक्षा में संघर्ष सिद्धांत समकारी के रूप में शिक्षा को पूर्णतया अस्वीकृत करता है।

(a) केवल (i) सही है।
(b) (ii) तथा (iii) सही है
(c) केवल (iv) सही है
(d) (i). (ii) तथा (iii) सही है।

उत्तर (a) शिक्षा में संघर्ष सिद्धान्त यह प्रतिपादित करता है कि शिक्षा एक प्रच्छन्न कार्यसूची से अभिलक्षित है, सही है क्योंकि संघर्ष सिद्धान्त मानता है कि पूँजीवाद शिक्षा की प्रछन्न कार्य सूची (Hidden Curriculum) है। यह असमानता बढ़ाती है एवं शोषक वर्ग के हितों को संरक्षित रखती है। संघर्ष सिद्धान्त इसे ही पूँजीवादी समाज में शिक्षा की भूमिका मानता है।

28. निम्नलिखित अवधारणाओं को उनसे संबंधित विद्वानों के साथ सुमेलित करें-

	सूची - I (अवधारणा)		सूची - II (विद्वान)
A	टोटकावाद	1	डेहरेण्डॉर्फ
B	तार्किक एवं अतार्किक कृत्य	2	कोलिंस
C	संघर्ष की संगठनात्मक स्थली	3	परेटो
D	अनिवार्यतः समन्वित संघ	4	दुर्खीम

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(1)	(3)	(2)	(4)
(b)	(4)	(3)	(1)	(2)
(c)	(2)	(4)	(3)	(1)
(d)	(3)	(2)	(4)	(1)

उत्तर (*) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

(अवधारणाएँ)	**(विद्वान्)**
टोटकावाद	- दुर्खीम
तार्किक एवं अतार्किक कृत्य	- परेटो
संघर्ष की संगठनात्मक स्थली	- कॉलिन्स
अनिवार्यतः समन्वित संघ	- डेहरेण्डॉर्फ

29. जनजाति समुदाय आदिमकालीन धर्म को मानता है जिसे समाजशास्त्रीय बोलचाल में ..... कहा जाता है।

(a) टोटकावाद (b) जीववाद
(c) साम्यवाद (d) समाजवाद

उत्तर (a) जनजाति समुदाय आदिमकालीन धर्म को मानता है जिसे समाजशास्त्रीय बोलचाल में टोटकावाद कहा जाता है।

30. नीचे दिए गए वक्तव्यों पर विचार करें तथा सही वक्तव्य को चुनें-

(i) सारे अन्तर्क्रियावादी सिद्धांत जी॰ एच॰ मीड द्वारा दिए गए सैद्धान्तिक संश्लेषण से कर्षित हैं।
(ii) अन्तर्क्रियावादी सिद्धांतीकरण विविधता को नहीं बल्कि एकता को उद्घाटित करता है।
(iii) एक सैद्धांतिक परिदृश्य के रूप में प्रतीकात्मक अन्तर्क्रियावाद के बारे में कोई सुस्पष्ट विवाद नहीं है।

(a) केवल (i) सही है। (b) केवल (ii) सही है
(c) (ii) और (iii) सही है (d) उपरोक्त सभी सही है।

उत्तर (d) अन्तःक्रिया के क्षेत्र में जार्ज हरबर्ट मीड का नाम पूरे सम्मान के साथ लिया जाता है। आज प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावाद सिद्धान्त में जो कई अवधारणायें, तर्क एवं रणनीति पायी जाती हैं जिसका उद्गम मीड के सिद्धान्त से है।

31. टी॰ पारसन्स ने सामाजिक प्रणाली की प्रकार्यात्मक पूर्वापेक्षाओं को निम्नलिखित में से किस क्रम में दिया है?

(a) लक्ष्य प्राप्ति, एकीकरण, अनुकूलन, पैटर्न कायम रखना
(b) अनुकूलन, एकीकरण, पैटर्न कायम रखना, लक्ष्य प्राप्ति
(c) अनुकूलन, लक्ष्य प्राप्ति, एकीकरण, पैटर्न कायम रखना
(d) एकीकरण, पैटर्न कायम रखना, लक्ष्य प्राप्ति, अनुकूलन

उत्तर (c) टी॰ पारसंस की गणना एक दिग्गज सिद्धांतकार आधुनिक अमेरिकी समाजशास्त्री के रूप में की जाती है। टी॰ पारसंस ने सामाजिक प्रणाली को प्रकार्यात्मक पूर्वपेक्षाओं को अनुकूलन, लक्ष्यप्राप्ति, एकीकरण तथा पैटर्न कायम रखने के क्रम में दिया है।

32. निम्नलिखित में से किसने 'आवश्यकता' पद के स्थानापन्न के रूप में 'अस्तित्व की आवश्यक शर्ते' पद के पक्ष में तर्क दिया है?

(a) लेवी स्ट्रास (b) ए॰ आर॰ रैडक्लिफ-ब्राउन
(c) रॉल्फ नॉडेल (d) दुर्खीम

उत्तर (b) रैडक्लिफ ब्राउन के अनुसार सामाजिक संरचना को प्रकार्य के सन्दर्भ में ही समझा जा सकता है तथा प्रकार्य को संरचना के सन्दर्भ में ही सार्थकता मिलती है। संयुक्त रूप से दोनों संरचनात्मक प्रकार्यात्मक स्वरूप का निर्माण करते हैं। दुर्खीम ने प्रकार्य की अवधारणा का प्रयोग मानव की आवश्यकताओं के सन्दर्भ में किया। वहीं रैडक्लिफ ब्राउन ने आवश्यकताओं के स्थान पर अस्तित्व की अनिवार्य स्थितियों जैसे शब्दों का प्रयोग किया है।

33. अभिकथन (A) : वियतनाम युद्ध के समय अमेरिकी समाज सक्रियाशील नहीं था।

तर्क (R) : युद्ध समाज में आन्तरिक एकजुटता लाता है।

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (A),(R) का सही कारण है।
(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (A),(R) का सही कारण नहीं है।
(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

उत्तर (d) शीत युद्ध काल में वियतनाम युद्ध लाओस तथा कंबोडिया की धरती पर लड़ी गयी एक भयंकर लड़ाई का नाम है। प्रथम हिन्द चीन युद्ध के बाद आरम्भ हुआ यह युद्ध उत्तरी वियतनाम (कम्यूनिष्ट मित्रों द्वारा समर्थित) तथा दक्षिण वियतनाम की सरकार (यू. एस. ए. और अन्य साम्यवाद विरोधी देशों द्वारा समर्थित) के बीच में लड़ा गया । इसे शीतयुद्ध के दौरान साम्यवाद और विचारधारा के मध्य एक प्रतीकात्मक युद्ध के रूप में देखा जाता है। अतः वियतनाम युद्ध में अमेरिका सक्रियाशील थी तथा युद्ध समाज में आन्तरिक एकजुटता लाता है। अतः A गलत व R सही है ।

34. मैक्स वेबर की कृतियों का समाजशास्त्र पर महत्वपूर्ण प्रभाव था, उदाहरणार्थ-

(i) सामाजिक कृत्य के तात्विक मिशन के लिए।
(ii) सामाजिक संरचना के विश्लेषण के लिए रणनीति ।
(iii) चार सार्वभौमिक प्रकार्यात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए।
(iv) सामाजिक कृत्य की संरचना को संशोधित करने के लिए।

(a) (i) तथा (ii) सही है (b) (ii) तथा (iii) सही है
(c) (iii) तथा (iv) सही है (d) (i) तथा (iv) सही है

उत्तर (d) मैक्स वेबर ने 'सामाजिक क्रिया' को समाजशास्त्र की केन्द्रीय अध्ययन वस्तु माना है। मैक्स वेबर की कृतियों का समाजशास्त्र पर महत्वपूर्ण प्रभाव था जैसे- सामाजिक कृत्य के तात्विक मिशन तथा सामाजिक कृत्य की सरंचना का संशोधन।

35. लुइस कोजर निम्नलिखित में से किसका लेखक है?

(a) आउट ऑफ यूटोपिया
(b) क्लास एण्ड क्लास कंफ्लिक्ट इन इण्डस्ट्रियल सोसाइटी
(c) द फंक्शन ऑफ सोशल कंफ्लिक्ट
(d) द नेचर ऑफ ह्यूमन कंफ्लिक्ट

उत्तर (c) लुईस कोजर एक प्रकार्यवादी संघर्षवेत्ता है, जिन्होंने अपनी सुप्रसिद्ध कृति द फंक्शन आफ सोशल कान्फ्लिक्ट (1956) में संघर्ष के बारे में अपने विचारों की विस्तृत विवेचना की है। कोजर के अनुसार संघर्ष के दो रूप हैं–

1. संगठनात्मक –जिसमें संघर्ष समूहों की समाज के मौलिक मूल्यों के प्रति समान आस्था होती है।
2. विघटनात्मक-जिसमें संघर्ष समूहों की समाज के मूल्यों के प्रति कोई आस्था नहीं रह जाती ।

36. सूची-I का सूची-I I से मिलान करें तथा नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनें-

	सूची-I		सूची-II
A	सामाजिक कृत्य	1	मैलिनोवस्की
B	श्रम का विभाजन	2	दुर्खीम
C	प्रकार्यवाद	3	परेटो
D	प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद	4	जी॰ एच॰ मीड
		5	मार्गरिट मीड

(A) (B) (C) (D)

(a) (5) (3) (2) (1)
(b) (3) (2) (1) (4)
(c) (2) (1) (4) (3)
(d) (3) (1) (4) (2)

उत्तर (b) सुमेलित सूची इस प्रकार है–

सामाजिक कृत्य	- परेटो
श्रम का विभाजन	- दुर्खीम
प्रकार्यवाद	- मैलिनोवस्की
प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद	- जी॰ एच॰ मीड

37. रैडक्लिफ-ब्राउन के अनुसार संरचनात्मक विश्लेषण युक्तियुक्त रूप में .....से आगे बढ़ेगा।

(i) समाज की उत्तरजीविता के लिए एक आवश्यक शर्त इसके अंशों का न्यूनतम एकीकरण है।
(ii) कार्य पद उन प्रक्रियाओं को सन्दर्भित करता है जो आवश्यक एकीकरण को कायम रखती है।
(iii) प्रत्येक समाज में संरचनात्मक लक्षणों को आवश्यक दृढ़ीकरण कायम रखने में योगदानकर्ता के रूप में दर्शाया जा सकता है।

(a) केवल (i) सही है (b) केवल (ii) सही है
(c) केवल (iii) सही है (d) सभी सही है।

उत्तर (d) रैडक्लिफ-ब्राउन के शब्दों में सामाजिक संरचना को सुविधाजनक रूप से परिभाषित करने के लिए कहा जा सकता है कि सामाजिक संरचना व्यक्तियों के बीच वह क्रम है जो उसके निश्चित सम्बन्धों अथवा संस्थागत रूप से नियंत्रित सम्बन्धो में प्रकट होता है। रैडक्लिफ ब्राउन के अनुसार उपरोक्त तीनों विशेषताओं से संरचनात्मक विश्लेषण युक्तियुक्त रूप में आगे बढ़ेगा।

38. सामाजिक परिवर्तन के 'उत्थान एवं पतन' सिद्धांत को अन्य प्रकार से ..... के रूप में जाना जाता है।

(a) मॉयूलर सिद्धांत (b) रेखीय सिद्धांत
(c) चक्रीय सिद्धांत (d) क्रमविकासवादी सिद्धांत

उत्तर (d) सामाजिक परिवर्तन के 'उत्थान एवं पतन' सिद्धांत को अन्य प्रकार से चक्रीय सिद्धान्त के रूप में जाना जाता है 'सोरोकिन' उतार–चढ़ाव के सिद्धान्त के रूप में जाने जाते हैं। इनके अनुसार, परिवर्तन सांस्कृतिक दशाओं के बीच उतार-चढ़ाव है।

39. 'मूर्त सामाजिक संरचना' तथा 'संरचनात्मक रूप' के बीच अंतर किसने किया?

(a) रैडक्लिफ-ब्राउन (b) टी॰ पारसन्स
(c) लेवी स्ट्रास (d) मरडॉक

उत्तर (a) रैडक्लिफ-ब्राउन जो सामाजिक मानवशास्त्र के प्रणेता कहे जाते हैं। मूर्त सामाजिक संरचना तथा संरचनात्मक रूप के बीच अन्तर किया।

40. एक परिवार में पितामह मोची थे, पिता शहर की एक प्राथमिक पाठशाला में पढ़ाते थे तथा अब पुत्र एक बहुउद्देशीय कार्पोरेशन में एक इंजीनियर है। यह ..... का एक उदाहरण है।

(a) सांस्कृतिक गतिशीलता
(b) अन्तः पीढ़ी गतिशीलता
(c) क्षैतिजीय गतिशीलता
(d) अन्तर्पीढ़ी परक गतिशीलता

उत्तर (d) उक्त उदाहरण अन्तर्पीढ़ी परक गतिशीलता का उदाहरण है। एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी की सामाजिक प्रस्थिति में होने वाला उदग्र परिवर्तन अन्तर पीढ़ीगत गतिशीलता का कहलाता है तथा अन्तःपीढ़ीगत गतिशीलता में व्यक्ति के वर्तमान व्यवसाय या पद–स्थिति की तुलना उसके गत (पुराने) व्यवसाय या पद स्थिति से की जाती है।

41. किसी क्षेत्र में एक सामाजिक सिद्धांत की जाँच में संलग्न एक शोध को . . . . . कहते हैं।

(a) निगमनात्मक शोध (b) आगमनात्मक शोध
(c) सैद्धांतिक शोध (d) प्राक्कल्पना की जाँच

उत्तर (d) दो या दो से अधिक चरों के बीच सम्भावित सम्बन्धों के बारे में बनाये गये जाँचनीय कथन को प्राक्कल्पना कहते हैं। इसके जाँच के उपरान्त ही सिद्धान्त का निर्माण होता है।

42. प्रति 1000 मृत्यु-संख्या को ..... कहते हैं।

(a) नाममात्रिक चर (b) क्रमसूचक चर
(c) मध्यान्तर चर (d) अनुपात चर

उत्तर (d) दो सजातीय चरों की तुलना को अनुपात कहते हैं। अतः प्रति हजार मृत्यु संख्या आनुपातिक चर कहलाता है।

43. प्राक्कल्पना को बेहतर ढंग से ..... के द्वारा समझा जा सकता है।

(i) सिद्धांत से असंबद्ध
(ii) सिद्धांत से संबद्ध
(iii) एक शोध समस्या का अस्थायी उत्तर

(a) (i) सही है
(b) (ii) सही है
(c) (i), (ii) तथा (iii) सही हैं
(d) (ii) तथा (iii) सही हैं

उत्तर (d) किसी सिद्धान्त से जुड़ी अवधारणाओं के बीच के सम्बन्धों को अभिव्यक्त करने वाले अपरीक्षित कथन को प्राक्कल्पना कहते हैं। सामान्यतः ये सम्बन्ध साहचर्य या कारणों को दर्शाते हैं दूसरे शब्दों में, प्राक्कल्पना एक ऐसा अस्थायी विचार या अनुमान से सम्बन्धित परीक्षणीय कथन है जो दो या दो से अधिक परिवर्त्यों या चरों के अन्तर्सम्बन्धों को प्रदर्शित करता हैं अतः सिद्धान्त से सम्बद्ध शोध समस्या का अस्थायी उत्तर प्राक्कल्पना कहलाता है।

44. किसी सह संबंध के परिगणित मूल्य का 0.1 के बराबर होना क्या इंगित करता है?

(a) सहसाहचर्य नहीं है (b) बीच का सहसंबंध
(c) नकारात्मक सहसंबंध (d) निम्न सहसंबंध

उत्तर (d) प्रोफेसर किंग के अनुसार,''दो पद मालाओं अथवा समूहों के बीच पाये जाने वाले कार्य-कारण सम्बन्ध को सह-सम्बन्ध कहते हैं। इन्होंने एक अन्य स्थान पर सह-सम्बन्ध को दूसरे ढंग से परिभाषित किया है और लिखा है कि यदि यह सच प्रमाणित हो कि अधिकांश क्षेत्रों में दो चर सदैव एक ही दिशा में या विपरीत दिशा में घटते बढ़ते हैं तो हम यह मानते है कि तथ्य निर्धारित हो गया और उनमें सम्बन्ध विद्यमान है । इस सम्बन्ध को ही सह-सम्बन्ध कहते हैं। किसी सह-सम्बन्ध का परिगणित मूल्य 0.1 के बराबर होना निम्न **सह-सम्बन्ध** कहलाता है।

45. किसी शोध गतिविधि में आँकड़ों के संकलन, विश्लेषण तथा व्याख्या की योजना को..... कहते हैं।

(a) मूल्यांकनपरक रूपरेखा (b) निदानात्मक रूपरेखा
(c) गवेषणात्मक रूपरेखा (d) विवरणात्मक रूपरेखा

उत्तर (d) विषय या समस्या के सम्बन्ध में वास्तविक तथ्यों के आधार पर वर्णनात्मक विवरण प्रस्तुत करना वर्णनात्मक (विवरणात्मक) शोध–प्ररचना का मुख्य उद्देश्य है। इस प्रकार की शोध प्ररचना में तथ्यों का संकलन किसी भी वैज्ञानिक प्रविधि के द्वारा किया जा सकता है। प्रायः साक्षात्कार, अनुसूची व प्रश्नावली, प्रत्यक्ष निरीक्षण, सहभागी निरीक्षण तथा सामुदायिक रिकार्ड का विश्लेषण आदि प्रविधियों के वर्णनात्मक शोध-प्ररचना में सम्मिलित किया जाता है।

46.

वर्ग मध्यान्तर	**आवृत्ति**
4-8	2
8-12	4
12-16	10
16-20	4
20-24	6
24-28	3

का परिकलित मूल्य नीचे दिया गया है। इनमें से सही उत्तर चुनें।

(a) 17.04 (b) 18.02
(c) 18.04 (d) 19.00

उत्तर (d)

वर्गान्तर	पद(x)	आवृत्ति(f)	पद × आवृत्ति (f × x)
4 - 8	6	2	$6 \times 2 = 12$
8 - 12	10	4	$10 \times 4 = 40$
12 - 16	14	10	$14 \times 10 = 140$
16 - 20	18	4	$18 \times 4 = 72$
20 - 24	22	6	$22 \times 6 = 132$
24 - 28	26	3	$26 \times 3 = 78$
योग -		$\sum f = 29$	$\sum fx = 474$

समान्तर माध्य $(\overline{X}) = \dfrac{\sum fx}{\sum f}$

$$= \frac{\text{(पद आवृत्ति)का योग}}{\text{आवृत्ति का योग}}$$

$$\Rightarrow \frac{474}{29} \approx 19$$

उपरोक्त विकल्प में कोई भी विकल्प सही नहीं है।

47. एक गैर-सम्भाव्यता प्रतिचयन तकनीक, जिसे संयोगिक प्रतिचयन का एक रूप माना जाता है, को ..... कहते हैं।

(a) उद्देश्यपूर्ण प्रतिचयन
(b) स्नोबॉल प्रतिचयन
(c) कोटा प्रतिचयन
(d) क्लस्टर प्रतिचयन

उत्तर (c) एक गैर सम्भाव्यता प्रतिचयन तकनीक जिसे संयोगिक प्रतिचयन का एक रूप माना जाता है को कोटा प्रतिचयन तकनीक (यथांश प्रतिचयन) कहते हैं। यथांश प्रतिचयन वह विधि है जिसमें सम्पूर्ण समग्र को किन्हीं परिवर्त्यों के आधार पर कुछ वर्गों में विभाजित कर, प्रत्येक वर्ग में से एकनिश्चित मात्रा में इकाइयों का चुनाव किया जाता है।

48. पुस्तकों, पत्रिकाओं, वेब-पेजों, कविताओं, समाचार-पत्रों गीतो, भाषाणों, चिट्ठियों, ई-मेल, संवादों, बुलेटिन, बोर्ड विधि का अन्य योगदानों में लेखबद्ध मानव सम्प्रेषण के अध्ययन को ..... कहते हैं।

(a) ऐतिहासिक विश्लेषण (b) अन्तर्विषय विश्लेषण
(c) सांख्यिकी विश्लेषण (d) तुलनात्मक विश्लेषण

उत्तर (a) ऐतिहासिक विश्लेषण में द्वितीय स्त्रोतों द्वारा सामग्री एकत्रित की जाती है जैसे– पुस्तकों, पत्रिकाओं, समाचार पत्रों पर आधारित संकलित सामग्री द्वारा अध्ययन करना।

49. लघु-समूह के स्तर पर सामाजिक जीवन से जुड़े मुद्दों से संबंधित उपागम को .....कहते हैं।

(a) माइक्रो अध्ययन (b) मैक्रो अध्ययन
(c) पैनल अध्ययन (d) केस-स्टडी

उत्तर (a) लघु समूह के स्तर पर सामाजिक जीवन से जुड़े मुद्दों से सम्बन्धित उपागम माइक्रो अध्ययन कहते हैं।

50. नियन्त्रित स्थिति में संचालित शोध को ..... कहते हैं।

(a) सर्वेक्षण शोध (b) प्रयोगात्मक शोध
(c) मूल्यांकन शोध (d) विवरणात्मक शोध

उत्तर (b) नियन्त्रित स्थिति में संचालित शोध को **प्रयोगात्मक शोध** कहते हैं **प्रयोगात्मक शोध** में शोधकर्ता एक अथवा अधिक स्वतंत्र परिवर्त्यों (चरों) को परिचालित अथवा नियंत्रित कर आश्रित परिवर्त्य पर उनके प्रभावों की जाँच करता है।

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2007

समाजशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

निर्देशः इस प्रश्नपत्र में पचास (50 बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक है। सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1. निम्न में से कौन सामाजिक स्तरीकरण (Social Stratification) हेतु प्रकार्यात्मक रूप से उपादेय नहीं है?

(a) यह अवसर उपलब्ध कराने में मदद करता है
(b) यह जुझारूपन का भाव उत्पन्न करता है
(c) यह समाज में प्रत्येक जिम्मेदारी निर्धारित करने में सहायक होता है।
(d) यह समाज में अयोग्य व्यक्ति की पहचान में सहायक होता है

उत्तर (b)—मानव समाज में व्यक्तियों के बीच समानताएँ ही नहीं पायी जाती वरन् अनेक भिन्नताएँ भी देखने को मिलती है। संसार में प्रत्येक व्यक्ति में कुछ न कुछ उसकी अपनी विशेषताएँ होती हैं जो दूसरों में नही पायी जाती है। ऐसा ही भेद हमें समूहो में दृष्टिगोचर होता है अतः इन अन्तरों को हम दो श्रेणियों में विभाजित कर सकते हैं (1) व्यक्तिगत विभेदी करण व (2) सामाजिक विभेदी करण।
सामाजिक विभेदीकरण चार आधार पर प्रस्तुत किये गये हैं।
(1) प्रकार्य (2) संस्कृति (3) रुचि (4) क्रम विन्यास
सामाजिक स्तरीकरण के प्रकार्यवादी दृष्टिकोण को दो अमेरिकी समाजशास्त्रियों किंग्सले डेविस व विलवर्ट मूर ने प्रस्तुत किया। सामाजिक स्तरीकरण हेतु प्रकार्यात्मक रूप से यह जुझारुपन का भाव उत्पन्न नहीं करता है

2. उत्पादन प्रक्रिया में कार्ल मार्क्स के अनुसार अधिकतम भूमिका होती है-

(a) पूँजी की (b) श्रम की
(c) सरकार की (d) मशीन उपकरणों की

उत्तर (b)—कार्ल मार्क्स वैज्ञानिक समाजवाद के जनक माने जाते है। और उत्पादन प्रक्रिया में कार्ल मार्क्स के अनुसार अधिकतम भूमिका श्रम की शक्ति की होती है।

3. 'संदर्भ समूह' की अवधारणा सर्वप्रथम प्रस्तुत की गयी थी-

(a) स्टाउफर द्वारा (b) हाइमन द्वारा
(c) आर. मर्टन द्वारा (d) शेरिफ एवं शेरिफ द्वारा

उत्तर (b)—सन्दर्भ समूह की अवधारणा को हरबर्ट हाइमेन ने सन् 1942 में विकसित किया था। यह अवधारणा सदस्यता समूह की अवधारणा के ठीक विपरीत अर्थो को प्रदर्शित करती है। सामान्यतः एक ऐसे समूह को सन्दर्भ-समूह की संज्ञा दी जाती है। जिसके साथ एक व्यक्ति अपना समीकरण बैठाता है या सात्मीकरण करता है अथवा समीकरण बिठाने की आकांक्षा रखता है तथा जिसके अनुसार एक व्यक्ति को अपने मूल्यों, विश्वासी मनोवृत्तियों को ढालने का प्रयास करता है।

4. संयुक्त परिवार व्यवस्था विघटन के कगार पर है। निम्न में से कौन-सा कारक इसके विघटन के लिए उत्तरदायी नहीं है?

(a) भूमि पर दबाव बढ़ रहा है
(b) कृषि-उत्पादन बढ़ रहा है
(c) पाश्चात्य प्रभाव बढ़ रहा है
(d) कृषि आधारित अर्थव्यवस्था औद्योगिक अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है

उत्तर (b)—संयुक्त परिवार व्यवस्था विघटन के कगार पर है। इसका प्रमुख कारक निम्नलिखित है। यौन संबन्धों की असन्तुष्टि, सदस्यों में अपना-पराया का विचार। सामाजिक मूल्यों और प्रतिभावों का विमेल आधुनिकीकरण का प्रभाव आदि। जिसके कारण संयुक्त परिवार व्यवस्था विघटित हो रहा है। कृषि उत्पादन की वृद्धि की कोई भूमिका संयुक्त परिवार के विघटन में नहीं है।

5. 'नगरवाद (Urbanism)' जीवन की एक पद्धति का विचार है-

(a) के. डेविस का (b) पार्क एवं बर्गेस का
(c) पी. गिड्डिस का (d) एल. बर्थ का

उत्तर (d)—जर्मनी में पैदा हुए एल. बर्थ की शिक्षा दीक्षा अमेरिका में हुई और बाद में वही वर्ष 1930 में समाजशास्त्र के शिकागों सम्प्रदाय के एक अग्रणी सदस्य बन गये। एल.बर्थ मुख्य रूप से अपने एक महत्वपूर्ण लेख जीवन शैली के रूप में नगरवाद (1938) के लिए बहुचर्चित रहे हैं।

6. आर्थिक तंगी के कारण किसी गाँव का भूमिहीन किसी शहर में जाकर कारखाना मजदूर बन जाता है, एक उदाहरण है-

(a) क्षैतिज गतिशीलता का
(b) ऊर्ध्वाधर गतिशीलता का
(c) सामाजिक गतिशीलता का
(d) ऊर्ध्वाधर अधोमुखी गतिशीलता का

उत्तर (a)—जब किसी संस्तरित व्यवस्था में संक्रमण के कारण प्रस्थिति एवं भूमिका दोनों में परिवर्तन आ जाता है तब इसे समस्तरी या क्षैतिज सामाजिक गतिशीलता कहते है। इस प्रकार किसी गतिशीलता के कारण सामाजिक वर्ग की प्रस्थिति में कोई बदलाव नही आता है। क्षैतिज गतिशीलता व्यक्ति की सामाजिक प्रस्थिति में होने वाला एक ऐसा परिवर्तन है जिसके कारण सामाजिक वर्ग स्तर अथवा प्रतिष्ठा संस्तरण की दृष्टि से व्यक्ति की सामान्य स्थिति में कोई परिवर्तन उत्पन्न नहीं होता।

7. हट्टन के अनुसार, जाति का कार्य है-

(a) सामाजिक व्यवहार को नियन्त्रित करना
(b) सामाजिक प्रस्थिति का निर्धारण करना
(c) सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना
(d) भारतीय समाज को एकता के सूत्र में पिरोना

उत्तर (*)–हट्टन ने जाति द्वारा किए जाने वाले कार्यों को तीन भागों में बाँटा है–

(A) व्यक्तिगत जीवन से सम्बन्धित कार्य–
- सामाजिक स्थिति को निश्चित करना
- मानसिक सुरक्षा प्रदान करना
- व्यवसाय का निर्धारण
- जीवन साथी का चुनाव
- सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना
- व्यवहारों पर नियंत्रण

(B) जाति समुदाय से सम्बन्धित कार्य–
- धार्मिक भावनाओं की रक्षा
- रक्त की शुद्धता बनाये रखना
- सामाजिक स्थिति प्रदान करना
- संस्कृति की रक्षा
- जातीय एकता को प्रोत्साहन

(C) सम्पूर्ण समाज या राष्ट्र के लिए कार्य–
- समाज के विकास और रक्षा में सहायक
- राजनीतिक स्थिरता को बनाये रखना
- समाज में सरल श्रम-विभाजन की व्यवस्था
- धार्मिक सहिष्णुता एवं उदारता
- दायित्व निर्वाह की प्रेरणा

8. प्रस्थिति व भूमिका की अवधारणा सर्वप्रथम व्यवस्थित रूप में विकसित की गयी थी-

(a) पारसन्स द्वारा (b) लिंटन द्वारा
(c) मैलिनोवस्की द्वारा (d) पार्क द्वारा

उत्तर (b)–संस्कृति और व्यक्तित्व वैचारिक सम्प्रदाय के अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति के अमरिकी मानवशास्त्री राल्फ लिंटन मूलरूप में एक पुरातत्व शास्त्री थे। प्रस्थिति व भूमिका की अवधारणा सर्वप्रथम व्यवस्थित रूप में लिंटन द्वारा विकसित किया गया था।

9. भारत में पंचवर्षीय योजनाओं का मॉडल लिया गया-

(a) चीन से (b) जापान से
(c) रूस से (d) यू.एस.ए. से

उत्तर (c)–भारत में योजना आयोग की स्थापना वर्ष 1950 को गयी थी। यह परियोजना रूस से प्रभावित होकर चलाया गया था। जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में प्रथम पंचवर्षीय योजना वर्ष 1951-1956 तक चली। केन्द्र सरकार द्वारा योजना आयोग को भंग कर 1 जनवरी, 2015 को नीति आयोग का गठन कर दिया गया है।

10. 'अनुकूलन परिवार' (Family of Orientation) 'प्रजनन परिवार' (Family of Procreation) में विभेद प्रस्तुत किया था-

(a) मॉर्गन द्वारा (b) वार्नर द्वारा
(c) मैकाइवर द्वारा (d) मरडॉक द्वारा

उत्तर (d)– मरडॉक ने अनुकूलन परिवार (Family of orientation) तथा प्रजनन परिवार (Family of procreation) में विभेद प्रस्तुत किया गया है। जिस परिवार में व्यक्ति का जन्म एवं उसकी शिक्षा-दीक्षा (समाजीकरण) होती है उसे जन्मित परिवार कहते हैं। सामान्यतः व्यक्ति के संस्कारों मूल्यों एवं विश्वासों का बीजारोपण इसी परिवार में होता है। जबकि विवाह के उपरान्त व्यक्ति जिस परिवार को स्वयं जन्म देता है अर्थात् जिसमें वह सन्तानोत्पत्ति करता है, जनन परिवार कहलाता है।

11. सुमेलित कीजिए-

सूची-I	**सूची-II**
A. दुर्खीम	1. सोशल थ्योरी एण्ड सोशल स्ट्रक्चर
B. स्पेंसर	2. अनइन्टेंशनल एण्ड अनकंशस
C. लैटेंट फंक्शन	3. सामाजिक डार्विनवाद
D. मर्टन	4. सामाजिक तथ्य

	A	**B**	**C**	**D**
(a)	4	3	2	1
(b)	3	2	4	1
(c)	1	2	3	4
(d)	4	2	1	3

उत्तर (a)–सुमेलित सूची निम्न प्रकार है–

दुर्खीम	- सामाजिक तथ्य
स्पेंसर	- सामाजिक डार्विनवाद
लैटेण्ट फंक्शन	- अन इंटेशेनल एवं अनकंशास
मर्टन	- सोशल थ्योरी एण्ड सोशल स्ट्रक्चर

12. सामाजिक संगठन और सामाजिक समूह-

(a) एक-दूसरे से पृथक नहीं होते है
(b) एक-दूसरे से पृथक होते है
(c) एक-दूसरे से जुड़े रहते है
(d) सदैव एक-दूसरे से निकट सहयोग करते हैं

उत्तर (c)–प्रत्येक समाज में कई छोटे-छोटे सामाजिक समूह होते हैं जो कि व्यक्तियों के पारम्परिक सम्बन्धों के परिणाम स्वरूप बनते हैं। ये समूह भिन्न-भिन्न होते हुए भी परस्पर सम्बन्धित होते हैं और सामाजिक संगठन का निर्माण करते हैं।

13. निम्न में से किसने गाँव को 'लघु गणतंत्र' कहा है?

(a) आर. रेडफील्ड (b) सर चार्ल्स मेटकॉफ
(c) ए. आर. देसाई (d) अल्बर्ट मेयर

उत्तर (b)—सर चार्ल्स मेटकॉफ ने ग्रामीण समुदाय को छोटे-छोटे गणराज्य कहा है जो स्वावलंबी है जिन पर बाहरी घटनाओं का प्रभाव नहीं पड़ता है। प्राकृतिक विपत्ति आती है व चली जाती है परन्तु भारतीय गाँव वट वृक्ष के समान अपनी निरंन्तरता बनाए रखती है।

14. निम्न में से कौन-सी सहयोगी प्रक्रियाएँ (Associative processes) है?

(i) सहयोग (ii) संघर्ष
(iii) प्रतिस्पर्द्धा (iv) अनुकूलन
(v) सात्मीकरण
(a) (i), (ii) और (iii) (b) (ii) और (iii)
(c) (i), (iv) और (v) (d) (iii), (iv) और (v)

उत्तर (c)—सहयोग, अनुकूलन तथा सात्मीकरण सहयोगी प्रक्रिया है जबकि प्रतिस्पर्धा, प्रतिकूलन एवं संघर्ष असहयोगी प्रक्रिया है।

15. समाज की संरचना की बात कहने वाले प्रथम विचारक थे-

(a) डार्विन (b) दुर्खीम
(c) स्पेंसर (d) ऑगस्ट कॉम्टे

उत्तर (c)—समाजशास्त्र के क्षेत्र में ऑगस्त कॉम्ट के कार्य को आगे बढ़ाने का श्रेय ब्रिटिश दार्शनिक एवं सामाजिक विचारक हरबर्ट स्पेन्सर को दिया जाता है। कॉम्ट ने समाजशास्त्र के जिस नक्शे को बनाया स्पेन्सर ने उसमें रंग भरे। स्पेंसर समाज की संरचना की बात कहने वाले प्रथम विचारक थे।

16. सिद्धांत, जो समाज और मानव शरीर के बीच अनेक बिंदुओं पर साम्यता (Resemblance) स्थापित करता है, कहलाता है-

(a) सावयवी सिद्धांत (Organic Theory)
(b) प्राकृतिक सिद्धांत (Natural Theory)
(c) समूह-मस्तिष्क सिद्धांत (Groupmind Theory)
(d) आदर्शवादी सिद्धांत (Idealist Theory)

उत्तर (a)— सिद्धांत, जो समाज और मानव शरीर के बीच अनेक बिंदुओं पर साम्यता (Resemblance) स्थापित करता है, सावयवी सिद्धांत (Organic Theory) कहलाता है। स्पेंसर ने मानव समाज की एक ऐसे जीवित, निरन्तर बढ़ते हुए सावयव (जीव) के रूप में व्याख्या की जो धीरे-धीरे सरल से एक जटिल व्यवस्था का रूप ले लेता है।

17. समुचित सामाजिक संगठन हेतु यह आवश्यक है कि-

(a) समाज अपने सदस्यों पर पूर्ण नियन्त्रण रखे
(b) समाज अपने सदस्यों पर आंशिक (Partial) नियन्त्रण रखे
(c) समाज अपने सदस्यों पर अतिशय नियन्त्रण न रखे
(d) सामाजिक नियन्त्रण कठोर और कसावयुक्त हों

उत्तर (a)—समुचित सामाजिक संगठन हेतु यह आवश्यक है कि समाज अपने सदस्यों पर पूर्ण नियन्त्रण रखें।

18. प्रकार्यात्मक विश्लेषण (Functional Analysis) में आवश्यकताओं के संस्तरण (Hierarchy of Need) की अवधारणा दी थी-

(a) मर्टन ने (b) दुर्खीम ने
(c) रैडक्लिफ ब्राउन ने (d) मैलिनोवस्की ने

उत्तर (d)—बी.मैलिनोवस्की ने अपनी पुस्तक A Scientific theory of Culture- 1960 में जनजातियों की संस्कृति को समझने के लिए विशिष्ट दृष्टिकोण 'आवश्यकताओं का सिद्धांत' (Theory of needs) का प्रतिपादन किया।

19. लोगों का समूह, जो निश्चित उद्देश्य की पूर्ति हेतु संगठित किया जाता है, कहलाता है-

(a) समुदाय (b) संघ
(c) संस्था (d) समाज

उत्तर (b)—संघ व्यक्तियों का एक ऐसा संग्रह है जो निश्चित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए एकजुट होते हैं और स्वीकृत नियमों तरीकों एवं उद्देश्यों को पूरा करते हैं।

20. भारतीय समाज की एकता और स्थिरता निर्भर करती है-

(a) धर्म एवं संस्कृति पर (b) जाति एवं धर्म पर
(c) गति एवं गणचिह्न पर (d) अस्पृश्यता पर

उत्तर (a)—भारतीय समाज की एकता और स्थिरता **धर्म एवं संस्कृति** पर निर्भर करती है। धर्म अध्यात्मिक शक्तियों में विश्वास है। जबकि व्यक्तियों के जीने के ढ़ग को ही संस्कृति कहते हैं। धर्म व संस्कृति दोनों भारतीय समाज की एकता एवं स्थिरता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

21. नातेदारी संबंधों के अध्ययन में सर्वप्रथम महत्वपूर्ण योगदान दिया था-

(a) टाइलर ने (b) मॉर्गन ने
(c) मैलिनोवस्की ने (d) दुर्खीम ने

उत्तर (b)—**मार्गन** को अमेरिकी सांस्कृतिक मानवशास्त्र का पिता माना जाता है। उन्होंने अपने लेखनों में उद्विकासीय सिद्धाँत का अनुसरण किया है। विवाह, परिवार और नातेदारी, संस्थाओं के वर्णन-विश्लेषण में उन्होंने इसी सिद्धाँत का प्रयोग करते हुए मानवीय समाज के उद्भव का पूर्णतः कामाचार अवस्था से लेकर कई अवस्थाओं से गुजरते हुए आधुनिक एक विवाही परिवार के स्तर तक पहुंचने की बात कही है।

22. लैटिन में जेनिटर शब्द का अर्थ है-

(a) जैविकीय पितृत्व (b) सामाजिक पितृत्व
(c) रचयिता (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर (a)—लैटिन में जेनिटर शब्द का अर्थ बालक का जैविकीय पिता अथवा जनक कहलाता है। कई समाजों जैसे अफ्रीका तथा आस्ट्रेलिया में जनक एवं पोषणकर्त्ता पिता में अन्तर किया जाता है। **दत्तकता** की प्रथा के कारण जन्म देने वाले पिता (जनक) और सामाजिक पिता (दत्तक पिता) में अन्तर होता है।

23. भारत की कुछ जनजातियों में किसी लड़की से विवाह करने से पूर्व लड़के द्वारा अपनी शक्ति सिद्ध करने की इच्छा प्रथा है। इसे कहते हैं-

(a) परिवीक्षा विवाह (b) घुसपैठ विवाह
(c) परीक्षण विवाह (d) शक्ति विवाह

उत्तर (c)–कई समाजों में पत्नी प्राप्त करने के पूर्व उसे अपने साहस एवं शौर्य का प्रदर्शन करना होता है। इस प्रकार की प्रदर्शनकारी परीक्षा में सफल होने पर ही व्यक्ति को वधू प्राप्त हो पाती है। भारत में विवाह के इस तरीके का प्रचलन भीलों तथा नागाओं में पाया गया है भीलों में इस प्रकार के विवाह को गोता-गधेडों कहते हैं।

24. निम्न में से किसने 'विवाह को बच्चों के प्रजनन एवं रख-रखाव हेतु एक समझौता' कहा है?

(a) मरडॉक ने (b) टाइलर ने
(c) मैलिनोवस्की ने (d) वेस्टरमार्क ने

उत्तर (c)–मैलिनोवस्की एकल विवाह के प्रबल समर्थक थे। उनके अनुसार एक विवाह ही विवाह का सच्चा स्वरूप है रहा था और रहेगा। इन्होंने विवाह को बच्चों के प्रजनन एवं रखरखाव हेतु एक समझौता कहा है।

25. सप्तपदी का अभिप्राय अग्नि के समक्ष वर-वधू द्वारा सात फेरे लेने से है। उसके बाद ही विवाह का समाज में स्वीकृति व वैधता मिलती है। इसे माना जाता है-

(a) अनुष्ठान (b) धर्म विधि
(c) परम्परागत व्यवहार (d) प्रथा

उत्तर (d)– सप्तपदी का अभिप्राय अग्नि के समक्ष वर-वधू द्वारा सात फेरे लेने से है। उसके बाद ही विवाह का समाज में स्वीकृति व वैधता मिलती है इसे अनुष्ठान माना जाता है। हिन्दू-विवाह के तीन अनुष्ठान मुख्य है- (i) होम, (ii) पाणिग्रहण एवं (iii) सप्तपदी।

26. जब संघर्ष की भावनाएँ यथेष्ट अभिव्यक्ति नहीं हो पाती, तो ऐसे संघर्ष को कहते हैं-

(a) सामाजिक संघर्ष (b) वैयक्तिक संघर्ष
(c) जाति संघर्ष (d) अव्यक्त संघर्ष

उत्तर (b)–जब संघर्ष की भावनाएँ **यथेष्ट** अभिव्यक्ति नहीं हो पाती तो ऐसे संघर्ष को वैयक्तिक संघर्ष कहते हैं। इसका आधार मनोवैज्ञानिक जैसे-घृणा, दैव तथा आर्थिक भी हो सकता है।

27. सुमेलित कीजिए-

सूची-I (अपराध का सिद्धांत)	सूची-II (प्रतिपादक)
A. शास्त्रीय सिद्धांत	1. लैम्ब्रोसो
B. भौगोलिक सिद्धांत	2. सदरलैण्ड
C. प्रारूपवादी सिद्धांत	3. क्वेटलेट
D. समाजशास्त्रीय सिद्धांत	4. बेकारिया

	A	B	C	D
(a)	1	4	3	2
(b)	3	4	2	1
(c)	4	3	1	2
(d)	4	2	1	3

उत्तर (c)–सुमेलित सूची निम्न प्रकार है–

(अपराध का सिद्धांत)		(प्रतिपादक)
शास्त्रीय सिद्धांत	-	बेकारिया
भौगोलिक सिद्धांत	-	क्वेटलेट
प्रारूपवादी सिद्धांत	-	लैम्ब्रोसो
समाजशास्त्रीय सिद्धांत	-	सदरलैण्ड

28. निम्न में से कौन-सी विशिष्टता भारतीय ग्रामीण समुदाय की नहीं है?

(a) परम्परानिष्ठ (b) वैज्ञानिक दृष्टि का अभाव
(c) अन्धविश्वास (d) व्यापक साक्षरता

उत्तर (d)–उद्विकासीय सिद्धाँत के सुप्रसिद्ध अनुसरणकर्ता विद्वान सर हेनरी मेन तुलनात्मक न्यायशास्त्र के प्रणेता रहे हैं। इन्होंने बताया कि भारतीय गाँव स्वावलम्बी, स्वायत्त, परम्परागत, अन्धविश्वासी एवं निरक्षर लोगों के समुदाय हैं। भारतीय ग्रामीण समुदाय में साक्षरता की कमी है।

29. ''जातियों में ऊर्ध्वाधर (Vertical) एकता पाई जाती है।'' यह कथन है-

(a) जी. एस. घुर्ये का (b) आन्द्रे बेतेई का
(c) मैकिम मैरियट का (d) एम. एन. श्रीनिवास का

उत्तर (d)–एम. एन. श्रीनिवास ने कहा है कि ''जातियों में ऊर्ध्वाधर एकता पाई जाती है।'' जाति व्यवस्था में काफी विविधताओं को देखते हुए श्रीनिवास ने भारतीय जाति व्यवस्था में ऊर्ध्व (vertical) और क्षैतिज (Horizontal) एकजुटता की बात कही है।

30. दादा-दादी और नाती-पोतों के बीच परिहास संबंध पाए जाते हैं-

(a) टोडा जनों में (b) ट्रोसियांड द्वीपवासियों में
(c) ओरांव जनजाति में (d) भील जनजाति में

उत्तर (c)–ओरांव जनजाति में दादा-दादी और नाती-पोतों के बीच परिहास संबंध पाये जाते हैं। कुछ विशिष्ट संबंधियों के बीच विशेषाधिकार मेल जोल घनिष्ठता एवं उन्मुक्ता द्योतक संबंध परिहास संबंध कहलाते हैं। हिन्दुओं में जीजा-साली, देवर-भाभी, ननद-भौजाई के संबंध परिहास संबंधों के कुछ उदाहरण हैं।

31. निम्न में से कौन सहयोग का एक तत्व नहीं है?

(a) सहयोगी संगठनों का समान उद्देश्य हासिल करने होते है
(b) उद्देश्यों को हासिल करने के तरीके संगठित या असंगठित हो सकते है
(c) उद्देश्यों को हासिल करने के तरीके सुनियोजित हों
(d) इसे राज्य और व्यक्तियों पर समान रूप से लागू किया जा सकता है।

उत्तर (b)–सहयोग दो यो दो से अधिक व्यक्तियों द्वारा किसी कार्य को करने का किसी समान उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए किया जाने वाला निरन्तर एवं सामूहिक प्रयत्न है। उद्देश्य को हासिल करने का तरीका असंगठित नहीं हो सकता।

32. निम्न में से कौन-सा वर्गीकरण हरबर्ट स्पेंसर के नाम से सम्बद्ध है?

(a) गेमिनशाफ्ट - गैसेलशाफ्ट
(b) प्रस्थिति - अनुबन्ध
(c) सैनिक समाज - औद्योगिक समाज
(d) यान्त्रिक समाज - आंगिक एकता

उत्तर (c)—स्पेन्सर को सामाजिक विचारकों में दूसरा संस्थापक जनक कहा जाता है। स्पेन्सर ने सामाजिक और राजनीतिक संगठन के ऐतिहासिक विकासवाद का विस्तृत विवरण सैनिक समाज तथा औद्योगिक समाज के रूप में प्रस्तुत किया है।

33. अभिवृत्तियों (Aptitudes) को मापने के लिए 'सामाजिक दूरी सोपान' (Social distance scale) तकनीक का विकास किया गया था-

(a) एल. थर्स्टन द्वारा (b) एल. गटमैन द्वारा
(c) ए. लुण्डबर्ग द्वारा (d) ई. बोगार्डस द्वारा

उत्तर (d)—ई. बोगार्डस ने सामाजिक अंतर नापने के लिए अर्थात् सम्बन्ध रखने या विभिन्न समूहों में नजदीकी नापने के लिए एक अनुमापक का विकास किया। अनुमापक अभिवृत्ति नापने के काम आते हैं। बोगार्डस ने अभिवृत्तियों को मापने के लिए सामाजिक दूरी सोपान तकनीक का विकास किया।

34. निम्न में से कौन परिवर्तन-संवर्धक (Change Promotion) आंदोलन नहीं है?

(a) साक्षरता आंदोलन (b) महिला मुक्ति आंदोलन
(c) दलित आंदोलन (d) आरक्षण-विरोधी आंदोलन

उत्तर (d)—आरक्षण विरोधी आंदोलन परिवर्तन संवर्धक आंदोलन नहीं है।

35. 'राजनीतिक समाजीकरण' (Political Socialization) पद का प्रयोग किया गया था-

(a) हरबर्ट हाइमन द्वारा (b) हरबर्ट स्पेंसर द्वारा
(c) आमण्ड पॉवेल द्वारा (d) ईस्टन एवं डेनिस द्वारा

उत्तर (a)—राजनीतिक समाजीकरण का अर्थ है अपने देश की राजनीतिक संस्कृति को सीखना। इस शब्दावली का प्रयोग सर्वप्रथम हरबर्ट हाइमन ने अपनी पुस्तक 'राजनीतिक समाजीकरण' (1959) में किया था।

36. सामाजिक स्तरीकरण (Stratification) अध्ययन है-

(a) सामाजिक समस्याओं का
(b) सामाजिक अन्याय का
(c) सामाजिक असमानताओं का
(d) सामाजिक विघटन का

उत्तर (c)—सामाजिक स्तरीकरण किसी सामाजिक व्यवस्था में प्रतिष्ठा, प्रभाव, शक्ति, सम्पत्ति तथा सुविधाओं आदि की भिन्नता के आधार पर प्रस्थितियों एवं भूमिकाओं की एक अपेक्षाकृत स्थाई श्रेणीबद्ध को सामाजिक स्तरीकरण से सम्बोधित करते हैं।

37. मानव समाज के विकास को तीन अवस्थाओं-जंगलीपन, बर्बरता एवं सभ्यता को चिह्नाकिंत किया गया था-

(a) ए. एल. क्रोबर द्वारा (b) चार्ल्स डार्विन द्वारा
(c) हरबर्ट स्पेंसर द्वारा (d) एल. एच. मार्गन द्वारा

उत्तर (d)—लेविस हेनरी मॉर्गन की गणना मानवशास्त्र में प्रारम्भिक मानवशास्त्रियों में की जाती है जिन्होंने अमेरिका के मूल निवासियों का अपने अध्ययन के आधार पर नातेदारी व्यवस्था का सर्वप्रथम एक व्यवस्थित वर्गीकरण किया था। उन्होंने मानव समाज के विकास को तीन अवस्थाओं-जंगलीपन, बर्बरता एवं सभ्यता से चिह्नांकित किया था।

38. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में 'पिछड़ा वर्ग' (Backward Class) पद का प्रयोग किया गया है?

(a) अनुच्छेद 15 (4) (b) अनुच्छेद 16 (4)
(c) अनुच्छेद 17 (4) (d) अनुच्छेद 23 (4)

उत्तर (b)—संविधान के **अनुच्छेद 16(4) के** अन्तर्गत राज्य के पिछड़े हुए नागरिकों के किसी वर्ग के पक्ष में जिनका प्रतिनिधित्व राज्य की राय में राज्य के अधीन सेवाओं में पर्याप्त नहीं है, नियुक्तियों या पदों का आरक्षण के लिए उपबंध करने से निवारित नहीं करेगी।

39. अपराधशास्त्र का कौन-सा सम्प्रदाय (School) मानता है कि 'अपराधी जन्मजात होता है'?

(a) प्रारूपवादी सम्प्रदाय (b) शास्त्रीय सम्प्रदाय
(c) समाजशास्त्रीय सम्प्रदाय (d) भौगोलिक सम्प्रदाय

उत्तर (a)—लोम्ब्रोसो इटली की सेना में एक चिकित्सक थे। अपने चिकित्सकीय व्यवसाय के दौरान ही उन्होंने यह अनुभव किया कि जैविकीय एवं आनुवंशिक (पैतृक) गुणों की अपराध में विशिष्ट भूमिका होती है और इसी के आधार पर उन्होंने अपराधी प्रकार के सिद्धांत को प्रणीत किया। **प्रारूपवादी सम्प्रदाय** मानता है कि अपराधी जन्म जात होते हैं।

40. ''समाजशास्त्री आधुनिक समाज के पुजारी है'' यह विचार है-

(a) मैक्स वेबर का (b) इमाईल दुर्खीम का
(c) ऑगस्ट कॉम्टे का (d) कार्ल मार्क्स का

उत्तर (c)—ऑगस्त कॉम्ट ने कहा है कि ''समाजशास्त्री आधुनिक समाज के पुजारी हैं।''

41. असंगत युग्म की पहचान करें-

(a) बाह्य समूह - समनर
(b) प्राथमिक समूह - कूले
(c) संदर्भ समूह - मर्टन
(d) मानव समूह - मैक्स वेबर

उत्तर (d)—अमेरिकी समाजशास्त्रीय जार्ज होमन्स मुख्यतः अपने विनिमय सिद्धान्त, लघु समूहों के अध्ययन और सामाजिक जीवन की प्रकृति सम्बन्धी अपने विचारों के लिए जाने जाते है। मानव समूह का सम्बन्ध जार्ज होमन्स से है। अतः विकल्प (d) असंगत युग्म है।

42. ग्रामीण विकास कार्यो के लिए 'स्वयं सहायता समूह योजना (Self Help Group Scheme-SHG) प्रारम्भ हुई-

(a) 2 अक्टूबर, 1995 को
(b) 26 जनवरी, 1996 को
(c) 15 अगस्त, 1997 को
(d) 1 अप्रैल, 1999 को

उत्तर (*)—ग्रामीण विकास कार्यो के लिए 'स्वयं सहायता समूह योजना (Self Help Group Scheme-SHG) नाबार्ड द्वारा वर्ष 1992 में शुरु की गई। नाबार्ड के साथ RBI ने SHG को वर्ष 1993 से बैंकों में बचत खाता रखने की अनुमति दी। इस कार्रवाई ने SHG आन्दोलन को काफी बढ़ावा दिया और SHG बैंक लिंकेज कार्यक्रम का मार्ग प्रशस्त किया।

43. निम्न में से कौन लघु परम्परा का अंग नहीं है?

(a) लोककथा (b) दंतकथा
(c) रामायण (d) विवाह गीत

उत्तर (c)—लघु परम्परा की अवधारणा का सर्वप्रथम प्रयोग राबर्ट रेडफील्ड ने किया था। लघु परम्परा से तात्पर्य रीति-रिवाजों, कर्मकाण्डों से हैं जो लोक स्तर पर अपनाये गये हैं जैसे गोबर्धन पूजा, लोककथा, दन्तकथा, विवाह-गीत आदि। रामायण लघु परम्परा का अंग नहीं है।

44. निम्न विशेषताओं पर विचार कीजिए-

(i) पितृसत्तात्मकता (ii) अन्तःविवाह
(iii) बहिर्विवाह (iv) मात्रसत्तात्मक

इनमें से कौन-सी विशेषताएँ हिंदू जाति व्यवस्था की प्रारूपी है?

(a) (ii) एवं (iv) (b) केवल (ii)
(c) (i) एवं (iv) (d) उक्त सभी

उत्तर (b)—अन्तःविवाह हिन्दू जाति की रीढ़ है। वे अपनी ही जाति में विभिन्न, प्रवरों, गोत्रों में विवाह सम्पन्न करवाते हैं।

45. वर्णाश्रम व्यवस्था में निम्न में से किसे महत्व दिया गया है?

(a) व्यक्ति को (b) समाज को
(c) 'a' एवं 'b' दोनों को (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर (c)—वर्णाश्रम व्यवस्था में व्यक्ति और समाज दोनों को महत्व दिया गया है। यह भारतीय सामाजिक-संगठन का मौलिक आधार थी। इसने व्यक्तियों के सामाजीकरण में अपूर्व योगदान दिया। इस व्यवस्था ने व्यक्तियों को जहाँ कर्त्तव्य-पालन की प्रेरणा प्रदान किया, वहीं समाज को संगठित बनाए रखने का प्रयास किया और पारस्परिक अन्तर्निर्भरता को प्रोत्साहन दिया।

निर्देश (46-50)-कथन A एवं कारण R पर आधारित निम्न कूट की सहायता से इन प्रश्नों का उत्तर दें-

(a) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(b) A और R दोनों सही है, किन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A सही है, किन्तु R गलत है
(d) A गलत है, किन्तु R सही है

46. कथन (A)- समाजशास्त्र की उत्पत्ति एक विघटित समाज के काल में हुई जिसका लक्ष्य सामाजिक विघटन के कारणों का अध्ययन और समाज में व्यवस्था को स्थापित करना था।
कारण (R)- समाजशास्त्र केवल उस समाज में महत्व रखता है, जो समाज संकटों से भरा हो।

उत्तर (c)—समाजशास्त्र की उत्पत्ति एक विघटित समाज के काल में हुई जिसका लक्ष्य सामाजिक विघटन के कारणों का अध्ययन और समाज में व्यवस्था को स्थापित करना था। परन्तु समाजशास्त्र मानव समाज एवं उससे सम्बन्धित सभी सामान्य घटनाओं एवं सामाजिक समस्याओं का अध्ययन करता है।

47. कथन (A)- गंदी बस्तियाँ बाल-अपराध के लिए उत्तरदायी है।
कारण (R)- गंदी बस्तियाँ न होती तो बाल अपराध भी न होते।

उत्तर (c)—समाजीकरण के फलस्वरूप ही व्यक्ति अच्छा या बुरा बनता है। गन्दी बस्तियों में जहाँ पहले से ही नकारात्मक समाजीकरण फैला होता है वहाँ, आगे की पीढ़ियाँ वैसी ही समाजीकरण की प्रक्रिया द्वारा सीखेंगे। लेकिन जरूरी नहीं कि बाल अपराध के लिए गन्दी बस्तियाँ ही जिम्मेदार हों। अतः A कथन सही है तथा R गलत है।

48. कथन (A)- संस्कृति सीखे हुए व्यवहार प्रतिमानों का संपूर्ण योग है।
कारण (R)- वह प्राणिशास्त्रीय विरासत का फल नहीं है।

उत्तर (a)—हॉबल कहते हैं कि संस्कृति सीखा हुआ व्यवहार है। संस्कृति मनुष्य को अपने माता-पिता द्वारा उसी प्रकार वंशानुक्रमण में प्राप्त नहीं होती, जिस प्रकार से शरीर रचना प्राप्त होती है। संस्कृति मानव के सीखे हुए व्यवहार प्रतिमानों का योग है अर्थात् यह संस्कृति प्राणीशास्त्रीय विरासत का फल नहीं हैं।
अतः अभिकथन A तथ्य कारण R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।

49. कथन (A)- हम समिति के सदस्य होते हैं, संस्था के नहीं।
कारण (R)- समिति समूह होता है, किन्तु संस्था नियम व कार्यप्रणाली।

उत्तर (a)—हम समितियों के सदस्य होते हैं न कि संस्था के, अर्थात् समिति से मनुष्यों के एक संगठित समूह का बोध होता है जबकि संस्था से एक कार्य प्रणाली का। परिवार महाविद्यालय, धार्मिक संगठन, राजनीतिक दल, आदि व्यक्तियों के समूह के रूप में समितियाँ है और नियमों, विधि-विधानों और कार्य प्रणालियों के रूप में संस्थायें हैं।
अतः अभिकथन A तथा कारण R दोनों सही तथा R, A की सही व्याख्या है।

50. कथन (A)- मानव का सांस्कृतिक जीवन आर्थिक व्यवस्था का प्रतिबिम्ब है।
कारण (R)- उत्पादन की विधि आर्थिक दशा से निर्धारित होती है।

उत्तर (a)—कार्ल मार्क्स ने अपने आर्थिक निर्धारण वाद में उत्पादन विधि के लिए आर्थिक दशा को महत्वपूर्ण माना है तथा यह कथन भी सत्य है कि मानव का सांस्कृतिक जीवन आर्थिक व्यवस्था का प्रतिबिम्ब है। अतः अभिकथन A तथा कारण R दोनों सत्य है तथा R, A की व्याख्या करता है।

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2008

समाजशास्त्र

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

1. 'द एलिमैंट्री फॉर्म्स ऑफ रिलीजिअस लाइफ' पुस्तक के लेखक कौन है?

(a) मैक्स वेबर (b) इमाईल दुर्खीम
(c) इवाम प्रिचर्ड (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर (b) दुर्खीम ने अपनी पुस्तक 'एलीमेंट्री फॉर्म्स ऑफ रिलीजियस लाइफ' में धर्म की प्रकृति, उत्पत्ति, प्रभाव आदि की विस्तृत विवेचना की है। उसने समाज को देवता माना है और कहा कि धर्म सामूहिक चेतना (कलेक्टिव कांसियसनेस) का प्रतीक है। उसने लिखा है कि आदिम मानव इतना बुद्धिमान नहीं था कि वह प्राकृतिक और अलौकिक घटनाओं को उसी रूप में समझ पाता जिस रूप में इस सिद्धान्त के प्रतिपादकों ने समझा है।

2. निम्नलिखित में से कौन-सी तकनीक परिमाणात्मक पद्धति में आँकड़े एकत्रित करने में काम नहीं आती?

(a) प्रेक्षण (b) अनुसूची
(c) मौखिक इतिहास (d) साक्षात्कार

उत्तर (c) मौखिक इतिहास (Oral History) तकनीक परिमाणात्मक पद्धति में आंकड़ें एकत्रित करने में काम नहीं आती, क्योंकि यह गुणात्मक पद्धति है। जबकि साक्षात्कार, प्रेक्षण, प्रश्नावली, दस्तावेज, पुनरीक्षण तकनीक परिमाणात्मक पद्धति है।

3. ''दण्ड अपराध की सामाजिक प्रतिक्रिया का रूप है'' यह विचार इनमें से किसके हैं?

(a) आर. के. मर्टन (b) इमाईल दुर्खीम
(c) हरबर्ट स्पेंसर (d) टालकॉट पारसन्स

उत्तर (b) दुर्खीम के अनुसार सामाजिक एकता के दो स्वरूपों या अवस्थाओं में यान्त्रिक और सावयवी की अन्य प्रमुख विशेषता यह है कि इनमें से प्रत्येक अवस्था में एक विशेष प्रकार की वैधानिक व्यवस्था पाई जाती है। यान्त्रिक एकता की अवस्था में समाज में दमनकारी कानून का प्रचलन होता है जबकि सावयवी एकता की अवस्था में प्रतिकारी कानून का प्रचलन होता है।

दमनकारी कानून का प्रचलन आदिम समाजों में जहाँ कि सामूहिक चेतना या इच्छा के विरूद्ध कार्य अपराध समझे जाते हैं। अतः दण्ड उन्हें दिया जाता है जो कि सामूहिक इच्छा का उल्लंघन करते हैं और सामूहिक भावनाओं को ठेस पहुँचाते हैं। दमनकारी कानून का उद्देश्य अपराधी द्वारा की गई क्षति की पूर्ति नहीं; यह कानून तो समाज में नैतिक संतुलन बनाए रखने तथा सामूहिक इच्छा को पुनः स्थापित करने के लिए होता है। प्रतिकारी कानून आधुनिक समाज की विशेषता है। सभ्यता के विकास और सामाजिक श्रम-विभाजन के साथ-साथ आदिम समाज में पाई जाने वाली एकरूपता नष्ट हो गई तथा समाज में भिन्नताएँ उत्पन्न हो गईं। प्रत्येक व्यक्ति के भिन्न-भिन्न व्यक्तित्व अनुभव व कार्य हो गए जिसके कारण व्यक्तिगत या वैयक्तित्व स्वतन्त्रता का महत्व बढ़ गया। इन सबका परिणाम यह हुआ कि अपराध को अब समस्त समाज के विरूद्ध कार्य या सामूहिक इच्छा का उल्लंघन न समझ कर व्यक्ति के विरुद्ध कार्य समझा जाने लगा।

4. समिति का लक्षण इनमें से कौन-सा है?

(a) यह विस्तृत है
(b) सामाजिक संबंधों का जाल
(c) सदस्यता अनिवार्य है
(d) सदस्यता स्वैच्छिक है

उत्तर (d) विभिन्न समाजशास्त्रियों ने समिति की निम्नलिखित विशेषताएँ प्रस्तुत की हैं–

1. व्यक्तियों का समूह
2. निश्चित उद्देश्य
3. विचारपूर्वक स्थापना
4. एक निश्चित संगठन
5. नियमों पर आधारित
6. ऐच्छिक सदस्यता
7. अस्थायी प्रकृति
8. अनौपचारिक सम्बन्ध
9. साध्य न होकर साधन

ऑगबर्न एवं निमकॉफ के अनुसार, ''समिति एक ऐसा संगठन है जो प्रायः विशेष स्वार्थों की पूर्ति के लिए बनाया जाता है। इसका उद्देश्य अपने सदस्यों की विशेष या सामान्य इच्छाओं की संतुष्टि के अतिरिक्त और कुछ नहीं है।''

5. किसने संस्कृति को इस प्रकार परिभाषित किया है?

(a) रॉबर्ट बीरस्टीड (b) एडवर्ड बी. टायलर
(c) मैलिनोवस्की (d) बोगार्ड्स

उत्तर (b) एडवर्ड बी. टायलर ने अपनी पुस्तक 'प्रिमिटिव कल्चर' (1871) में संस्कृति को परिभाषित किया है–''संस्कृति वह सम्पूर्ण जटिलता है जिसमें, ज्ञान, विश्वास, कला, नैतिकता, कानून, प्रथा तथा वे सभी क्षमताएँ एवं गुण सम्मिलित है, जिन्हें मानव समाज का सदस्य होने के नाते प्राप्त करता है।''

राबर्ट बीरस्टीड के अनुसार, ''संस्कृति उन सभी वस्तुओं का जटिल सम्पूर्ण है जिनमें वह सब निहित है जो कुछ हम समाज का सदस्य होने के नाते सोचते और कहते हैं।''

मैलिनोवस्की के अनुसार, ''संस्कृति मनुष्य की कृति तथा एक साधन है जिसके द्वारा वह अपने लक्ष्यों की प्राप्ति करता है।''

6. किसने प्रतीक को 'ऐसा उद्दीपक जिसकी अनुक्रिया पहले से दी हुई होती है' के रूप में परिभाषित किया?

(a) हरबर्ट ब्लूमर (b) किंग्स्ले डेविस
(c) जी.एच.मीड (d) ई. गॉफमैन

उत्तर (c) जी.एच.मीड ने प्रतीक को 'ऐसा उद्दीपक जिसकी अनुक्रिया पहले से दी हुई होती है' के रूप में परिभाषित किया।

7. इनमें से कौन-सा सामुदायिक मनोभावों का तत्व नहीं है?

(a) गौण की भावना (b) हम की भावना
(c) भूमिका की भावना (d) निर्भरता की भावना

उत्तर (a) गौण की भावना सामुदायिक मनोभावों का तत्व नहीं है। समुदाय से तात्पर्य साथ-साथ मिलकर सेवा करने से है अन्य शब्दों में समुदाय का अर्थ व्यक्तियों के ऐसे समूह से है जो निश्चित भौगोलिक भू-भाग पर साथ-साथ रहते हैं और वे किसी एक उद्देश्य के लिए नहीं बल्कि सामान्य उद्देश्यों के लिए इकट्ठे रहते हैं, उनका सम्पूर्ण जीवन सामान्यतः यहीं व्यतीत होता है।
समुदाय के तीन आवश्यक तत्व इस प्रकार हैं–
1. व्यक्तियों का समूह
2. निश्चित भौगोलिक क्षेत्र
3. सामुदायिक भावना
सामुदायिक भावना के अन्तर्गत प्रमुखतः तीन बातें पायी जाती हैं–
1. हम की भावना की अभिव्यक्ति
2. योगदान या दायित्व निर्वाह की भावना
3. निर्भरता की भावना

8. प्राथमिक समूह सामाजिक संबंधों की ओर निर्दिष्ट करता है-

(a) अवैयक्तिक (b) अप्रत्यक्ष
(c) संविदा (d) सम्मुख

उत्तर (d) चार्ल्स कूले ने अपनी पुस्तक 'सोशल आर्गनाइजेशन' (1909) में प्राथमिक समूह का वर्णन किया है जिसके सदस्यों में आमने-सामने के सम्बन्ध पाये जाते हैं अर्थात् सदस्य एक दूसरे के सम्पर्क में प्रत्यक्ष रूप से आते हों। इस प्रकार के सम्पर्क में आने वाले लोगों में मित्र, पड़ोसी, साथी, परिवार के सदस्य तथा सदैव मिलने-जुलने वाले लोग आते हैं। चार्ल्स कूले ने सर्वप्रथम खेलकूद के साथियों, परिवार तथा पड़ोस की प्रकृति को स्पष्ट करने हेतु 'प्राथमिक समूह' शब्द को काम में लिया। आपने इन समूहों को प्राथमिक इसलिए कहा क्योंकि महत्व एवं प्रभाव की दृष्टि से ये व्यक्ति के जीवन में प्राथमिक हैं।

9. निम्नलिखित में से कौन-सा नाम 'थ्योरी ऑफ सोशलाइजेशन' (समाजीकरण का सिद्धांत) से जुड़ा है?

(a) टालकॉट पारसन्स (b) जी.एच.मीड
(c) आर.के. मर्टन (d) इमाईल दुर्खीम

उत्तर (b) 'थ्योरी ऑफ सोशलाइजेशन' से तीन नाम जुड़े हैं। जिन्हें आत्म के विकास के सिद्धान्त भी कहते हैं ये तीन नाम हैं – कूले, फ्रायड एवं मीड।
कूले के सिद्धांत को दर्पण सिद्धान्त (लुकिंग ग्लास कॉन्सेप्ट) कहा गया है। उनके अनुसार, मनुष्य 'स्व' के बारे में धारणा दूसरे व्यक्तियों की सहायता से बनाता है। मनुष्य उस समय तक अपने बारे में कोई धारणा नहीं बनाता जब तक वह दूसरे के सम्पर्क में नहीं आता तथा अपने बारे में उसकी धारणा नहीं जान लेता है।
मीड ने समाजीकरण की प्रक्रिया का समाजशास्त्रीय विश्लेषण किया है उनके अनुसार बच्चे का दूसरे व्यक्तियों से जब संवहनात्मक सम्पर्क होता है, तब आत्म का विकास होता है। नवजात शिशु की भोजन और वस्त्र सम्बन्धी आवश्यकताएँ होती है। अतः इन आवश्यकताओं की पूर्ति करती है जिससे बच्चा उसके ऊपर निर्भर हो जाता है और वह भावनात्मक स्तर पर माता के साथ स्वयं का तादात्मीकरण कर लेता है, परन्तु कालान्तर में बच्चा स्वयं को माता से अलग समझने लगता है जिससे स्वयं को तथा माता को एक नयी सामाजिक व्यवस्था, दो व्यक्ति, दो भूमिका व्यवस्था में समाकलित करता है।

10. 'मेहर' किस प्रकार के विवाह से जुड़ा है?

(a) मुस्लिम विवाह (b) ईसाई विवाह
(c) हिन्दू विवाह (d) यहूदी विवाह

उत्तर (a) मेहर वह राशि होती है जिसे मुस्लिम विवाह में वर पक्ष कन्या पक्ष को देता है। यह राशि तलाक के समय कन्या पक्ष वर पक्ष को वापस कर देता है।

11. इनमें से किसने 'लुकिंग ग्लास सेल्फ थ्योरी' (Looking Glass Self Theory) का प्रतिपादन किया?

(a) जी. एच. मीड (b) सी. एच. कूले
(c) फेयर चाइल्ड (d) एम. एन. श्रीनिवास

उत्तर (b) आत्म विकास सम्बन्धी कूले के सिद्धान्त को 'दर्पण सिद्धान्त' 'लुकिंग ग्लास कॉन्सेप्ट' कहा गया है। उसके अनुसार मनुष्य 'स्व' के बारे में धारणा दूसरे व्यक्तियों की सहायता से बनाता है। दर्पण सिद्धान्त के तीन मुख्य तत्व हैं – (1) दूसरे लोग मेरे बारे में क्या-क्या सोचते हैं। (2) दूसरे लोगों ने जो धारणा मेरे बारे में बनायी है, उसके सन्दर्भ में मैं अपने बारे में क्या सोचता हूँ (3) मैं अपने बारे में सोचकर अपने को कैसा मानता हूँ
मनुष्य उस समय तक अपने बारे में कोई धारणा नहीं बनाता जब तक वह दूसरों के सम्पर्क में नहीं आता तथा अपने बारे में उनकी धारणा को नहीं जान लेता। वह अपने स्व की धारणा अपने बारे में अन्य लोगों की धारणा के आधार पर बनाता है। इस प्रकार जब हमारे मित्र हमको बुद्धिमान या सामान्य, लम्बा या छोटा, मोटा या पतला कहते हैं तो हम उनकी ऐसी धारणा के प्रति प्रतिक्रिया करते हैं तथा अपने बारे में वही धारणा बना लेते हैं जो उन्होंने हमारे बारे में बनाई है।

12. इनमें से मैक्स वेबर द्वारा की गई सामाजिक क्रिया के वर्गीकरण का भाग कौन-सा है?

(a) तार्किक क्रिया (b) अतार्किक क्रिया
(c) तर्कसंगत क्रिया (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर (a) वेबर के अुनसार, समाजशास्त्र के अध्ययन का उपयुक्त एवं प्रमख उद्देश्य सामाजिक क्रिया का अध्ययन करना है। सामाजिक क्रिया से उनका तात्पर्य 'ऐसी क्रिया से है जो दूसरे व्यक्तियों के प्रति की जाती है और जिनके साथ हम व्यक्तिपरक अर्थ जोड़ते है।' वेबर ने सामाजिक क्रिया के चार रूप बताये हैं- पारम्परिक, भावात्मक, मूल्यांकनात्मक और तार्किक क्रिया।

13. 'तारवाड' इनमें से किस जनजाति का परिवार है?

(a) नायर (b) टोडा
(c) खासी (d) भील

उत्तर (a) जे.डी. मेन ने अपनी पुस्तक 'हिन्दू लॉ एण्ड कस्टम' में मालाबार के नायरों में प्रचलित संयुक्त परिवार जिसे थारवाड भी कहते हैं, को इस व्यवस्था का एक पूर्ण उदाहरण माना है।
स्रोत - समाजिक मानव शास्त्र– गुप्ता एवं शर्मा

14. गहन अध्ययन के लिए इनमें से कौन-सी तकनीक सबसे उपयुक्त है?

(a) प्रश्नावली (b) प्रेक्षण
(c) साक्षात्कार (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (b) पी. वी. यंग के अनुसार, ''अवलोकन को नेत्रों द्वारा सामूहिक व्यवहार एवं जटिल सामाजिक संस्थाओं के साथ ही साथ सम्पूर्णता की रचना करने वाली पृथक इकाइयों के अध्ययन की विचार पूर्ण पद्धति के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है।''
आक्सफोर्ड शब्दकोश में निरीक्षण की परिभाषा इस प्रकार दी गई है, ''घटनाएँ कार्य-कारण अथवा पारस्परिक सम्बन्धों के सम्बन्ध, के जिस रूप में उपस्थित होती है का यथार्थ निरीक्षण एवं वर्णन है।''
स्पष्ट है कि एक अवलोकन-प्रविधि प्राथमिक सामग्री के संग्रहण की प्रत्यक्ष प्रविधि है। अवलोकन का तात्पर्य उस प्रविधि से है जिनमें नेत्रों द्वारा नवीन अथवा प्राथमिक तथ्यों का विचारपूर्वक संकलन किया जाता हो साथ ही इस प्रविधि में अनुसंधानकर्ता अध्ययन के अन्तर्गत आए समूह के दैनिक जीवन में भाग लेते हुए अथवा उससे दूर बैठकर उसके सामाजिक एवं व्यक्तिगत व्यवहारों का अपनी ज्ञानेन्द्रियों द्वारा निरीक्षण करता है।

15. निम्नलिखित में से कौन स्तरीकरण के विरोधी विचारक थे?

(a) डेहरेण्डॉर्फ, कार्ल मार्क्स, जी. लॉस्की
(b) सी. डब्ल्यू मिल्स, टी. पारसंस, डेविस तथा मूर
(c) मैलविन ट्यूमिन, डेहरेण्डॉर्फ, कार्ल मार्क्स
(d) टी. पार्सन्स, एम. ट्यूमिन, डेहरेण्डॉर्फ

उत्तर (c) मैल्विन ट्यूमिन, स्तरीकरण के प्रकार्यवादी विचार के आलोचक रहे हैं ये समाज में स्तरीकरण को ठीक नहीं मानते। डेहरेण्डॉर्फ संघर्षात्मक प्रकार्यवादी है जिन्होंने अपनी धारणा में व्यक्त किया की संघर्ष सामाजिक व्यवस्था के लिए प्रकार्यात्मक है। कार्ल मार्क्स सामाजिक स्तरीकरण के विरोधी थे। वे समाजवादी समाज की कल्पना करते थे।
अन्य विद्वानों यथा-पारसन्स, जी. लास्की, सी.डब्लू. मिल्स, डेविस और मूर ने समाज में स्तरीकरण की आवश्यकता को स्वीकार किया है। पारसन्स सामाजिक अधिकार वितरण की प्रणाली को स्वीकार करते है एवं समाज की विभाजन आधारित व्यवस्था को स्वीकार करते हैं। कुछ ऐसा ही विचार सी. राइट मिल्स का भी है। अपने स्तरीकरण सम्बन्धी विचार में शक्ति को महत्वपूर्ण मानते हैं तथा अमेरीकी समाज में शक्ति अभिनत की बात करते हैं। जी. लास्की राज्य की व्यवस्था का समर्थन करते हैं तथा सामाजिक विभाजन को स्वीकार करते हैं।

16. निम्नलिखित में से किसने ओड़िशा के गाँव के अध्ययन में स्पष्ट किया कि अर्थव्यवस्था की 'विस्तृत सीमाएँ' (extending frontiers) तथा नीति किस प्रकार जाति संगठन में परिवर्तन लाती है?

(a) के.एम. कपाड़िया (b) योगेन्द्र सिंह
(c) इरावती कर्वे (d) एफ.जी. बेली

उत्तर (d) एफ. जी. बेली ने उड़ीसा के गाँव, विसीपारा के अध्ययन में ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आये परिवर्तनों का विश्लेषण करते हुए बताया कि व्यावसायिकतावाद के प्रभाव के कारण ग्रामीण अर्थव्यवस्था वृहद राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का भाग बन जाती है। बेली के अनुसार अंग्रेजी शासन में परिवर्तन राजनैतिक वातावरण ने गाँव के पारस्परिक जाति पद क्रम और भूस्वामित्व संरचना को धक्का पहुँचाया जिसके कारण बेली का मानना है कि यद्यपि सामाजिक स्थितियों में आंतरिक अदल-बदल हुआ परन्तु सम्बन्धित समूहों में जाति व्यवस्था अभी भी राजनैतिक सम्बन्ध निर्धारित करती रही तथा आर्थिक प्रस्थितियों को प्रतिबंधित करती रही। इस अर्थ में, व्यापक परिवर्तनों के बावजूद जाति की निरन्तरता अभी भी बनी हुई है।

17. पूँजीवादी औद्योगिक समाज में श्रमिक वर्ग को अकुशल, अर्द्ध-कुशल तथा कुशल श्रमिक की कोटियाँ किसने बनाई हैं?

(a) कार्ल मार्क्स (b) मैक्स वेबर
(c) डेहरेण्डॉर्फ (d) इमाईल दुर्खीम

उत्तर (b) मैक्स वेबर ने उपलब्धि वर्ग (Acquisition class) की अवधारणा को प्रस्तुत किया है। उपलब्धि वर्ग को दो भागों में बाँटा गया है–
1. सकारात्मक विशेषाधिकार उपलब्धि वर्ग–इसके अन्तर्गत वो लोग सम्मिलित है जिनका उत्पादन के प्रतिष्ठानों पर स्वामित्व है।
2. नकारात्मक विशेषाधिकार उपलब्धि वर्ग–इसके अन्तर्गत अकुशल, अर्द्धकुशल श्रमिक वर्ग आते हैं।

18. समाज द्वारा स्वीकृत उद्देश्य तथा साधनों की सीमित पहुँच के कारण जो खींचतान होती है उसके अनुकूलन के लिए रॉबर्ट के. मर्टन द्वारा प्रस्तुत इनमें से सबसे सामान्य तरीका कौन-सा है?

(a) अनुष्ठान (विधि-विधान)
(b) पलायनवाद
(c) बगावत
(d) अनुरूपता

उत्तर (d) विचलन की बात सर्वप्रथम राबर्ट के. मर्टन द्वारा 1938 में अपनी पुस्तक 'सोशल स्ट्रक्चर' में की गयी। विचलन का तात्पर्य समाज के नियमों व मानकों के अनुरूप आचरण न करना है
राबर्ट के. मर्टन विचलन के लिए समाज व सामाजिक संरचना को उत्तरदायी मानते हैं और कहते हैं कि, ''समाज गैर अनुचलन आचरण के लिए उत्तरदायी है।'' मर्टन सामाजिक संरचना की व्याख्या सांस्कृतिक लक्ष्य और संस्थागत साधन के रूप में करते हैं और इस आधार पर पाँच प्रकार के व्यक्तित्व का उल्लेख करते हैं–
1. अनुरूपता 2. नवाचार 3. संस्कारवाद
4. प्रत्यावर्तन 5. विद्रोह

विचलन का स्वरूप	सांस्कृतिक लक्ष्य	संस्थागत साधन
1. अनुरूपता	+	+
2. नवाचार	+	–
3. संस्कारवाद	–	+
4. प्रत्यावर्तन	–	–
5. विद्रोह	∓	∓

मर्टन द्वारा प्रस्तुत यह वर्गीकरण विचलन और उसे सम्बन्धित कारकों को दर्शाता है। यहाँ '(+)' स्वीकृति (∓) – प्रचलित मूल्यों को छोड़ना व नवीन मूल्यों का प्रतिस्थापन तथा (–) अस्वीकृति को दर्शाता है।

19. 'भूमिका पुँज' इनमें से किसको निर्दिष्ट करता है?

(a) भूमिका अदा करने वाले का असली व्यवहार
(b) जिसकी कुछ स्थिति है उसका अपेक्षित व्यवहार
(c) दायित्वपूर्ण भूमिका को निभाने में कठिनाई महसूस करने वाला
(d) सामाजिक स्थिति बनाने वाला साहचर्य भूमिकाओं का गुच्छ

उत्तर (d) सामाजिक स्थिति बनाने वाले साहचर्य भूमिकाओं का गुच्छ भूमिकापुंज कहा जाता है। इसका तात्पर्य यह है कि एक व्यक्ति अनेक भूमिकाओं का निर्वहन स्वयं अकेले करता है जो वास्तव में समाज में उसके महत्व को इंगित करती है। जैसे एक व्यक्ति एक समय में अधिकारी, पिता, बेटा, श्वसुर, दामाद, चाचा आदि भूमिकाएँ स्वयं ही लेता है और उनका संचालन भी करता है।

20. सामाजिक व्यवस्था को समझने के लिए 'AGIL Model' (ए जी आई एल मॉडल) का विकास इनमें से किसने किया?

(a) रैडक्लिफ ब्राउन (b) टालकॉट पारसन्स
(c) मैलिनोवस्की (d) नाडेल

उत्तर (b) सामाजिक व्यवस्था को बनाये रखने के लिए **पारसन्स** कुछ पूर्व आवश्यक शर्तें बताते हैं। जिसके बिना व्यवस्था जिंदा नहीं रह सकती। पारसन्स के इस सिद्धान्त को प्रकार्यवादी सिद्धान्त कहते हैं। पारसन्स चार प्रकार की प्रकार्यात्मक पूर्व-आवश्यकतायें बताते हैं–

1. अनुकूलन (Adaptation)–भौतिक तत्वों से सामन्जस्य बैठाने की प्रक्रिया पारसन्स इसे अनुकूलन कहते हैं।

2. लक्ष्य (Goal)–प्रत्येक व्यवस्था के किसी न किसी साधन को लक्ष्य पूर्ति में लगाना तभी सम्भव है, जब शक्तियों का प्रयोग किया जाय।

3. एकीकरण– (Integration)–समाज व्यवस्था में अनेक उपव्यवस्थायें होती है, अर्थव्यवस्था, राजनीतिक व्यवस्था, शैक्षणिक व्यवस्था, सैन्य व्यवस्था आदि उप-व्यवस्थाओं का परस्पर ऐसा संतुलन होना चाहिए कि सभी मिलकर समाज व्यवस्था को चलाने में सहायक हों। अतः सभी उप-व्यवस्थाओं को एक सूत्र में बाँधे रहने का कार्य एकीकरण कहलाता है।

4. यथास्थिति (Letancy)–व्यवस्था जैसे पहले थी वैसे बनाये रखने की जिम्मेदारी इस पूर्व आवश्यक शर्त की है। यह कार्य समाज में परिवार तथा शिक्षा व्यवस्था करती है।

निर्देश-(21-29)- दिए गए प्रश्नों के उत्तर निम्न कूट से दीजिए।

(a) दोनों A तथा R सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(b) दोनों A तथा R सही हैं परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A सही है, परन्तु R गलत है
(d) A गलत है, परन्तु R सही है

21. कथन (A)- सौजन्स (sauztions) जो कि प्रतिमान को प्रवर्तित करती है वह सामाजिक नियन्त्रण की प्रक्रिया का मुख्य भाग होती है।

तर्क (R)- सामाजिक नियन्त्रण की ये प्रक्रियाएँ समाज में व्यवस्था के निर्वाह के लिए उत्तरदायी नहीं हैं।

उत्तर (c) सौजन्स प्रतिमानों को प्रवर्तित कर समाज को नियंत्रित करने में योगदान देती है लेकिन यह सत्य नहीं है कि ये ही प्रक्रियायें समाज में व्यवस्था निर्वाह के लिए भी उत्तरदायी हो।

22. कथन (A)- विवाह दो व्यक्तियों में नितान्त संवेगात्मक संबंधों के रूप में बढ़ती हुई प्रगाढ़ता है।

तर्क (R)- बढ़ती हुई तलाक दर इस तथ्य को व्यक्त करती है।

उत्तर (c) विवाह दो व्यक्तियों में नितान्त संवेगात्मक संबंधों के रूप में बढ़ती हुए प्रगाढ़ता है किन्तु तलाक इसमें नकारात्मक कारण हैं। अतः प्रश्न में दिये गये कथन का यह तर्क सही नहीं है।

23. कथन (A)- उपभोक्ता एक ब्रांड से दूसरी ब्रांड पर त्वरित गति से परिवर्तित कर रहा है।

तर्क (R)- ग्राहक की निष्ठा अब वैसी नहीं है जैसे पहले होती थी।

उत्तर (a) उपभोक्ता एक ब्रॉण्ड से दूसरे ब्रॉण्ड में त्वरित परिवर्तित हो रहा है क्योंकि स्वतन्त्र बाजार व्यवस्था में एवं पूर्ण बाजार प्रतियोगिता में उपभोक्ताओं को नये, अच्छे तथा सस्ती वस्तुओं को प्रयोग करने का अवसर मिला है। यही कारण है कि ग्राहकों की निष्ठा वैसी नहीं रही जैसे पहले होती थी।

24. कथन (A)- जनजाति के संबंध में सरकारी नीति संतुलित है।

तर्क (R)- यह वी. एल्विन की अलगाव की नीति तथा घुर्ये की समीकरण नीति के बीच में है।

उत्तर (a) जनजातियों की समस्या के समाधान के लिए स्वतंत्रता उपरान्त कई प्रयास किये गये तथा कई नीति निर्माताओं से सलाह भी ली गई। वेरिवर ऐल्विन ने जनजातियों के पुनरूद्धार की बात कही तथा राष्ट्रीय उपवन की स्थापना का सुझाव दिया तथा घुर्ये ने इन्हें पिछड़े हिन्दू कहकर सम्बोधित किया तथा इसे व्यापक समाज में आत्मसात करने की बात कही।

आज जनजाति कल्याण नीतियाँ दोनों के बीच की अवधारणा है। अर्थात् जनजातियों की संस्कृति को छेड़ा न जाय और उनके द्वारा जो भी सम्भव हो समाज में लिया जाय। अर्थात् उनके उत्पादनों और तकनीकों को व्यापक समाज में स्वीकार किया जाय।

25. कथन (A)- 'अनुसूचित जाति' शब्द साइमन कमीशन ने गढ़ा था।

तर्क (R)- औपनिवेशक काल में अनुसूचित जाति के लिए प्रायः शोषित वर्ग, बहिर्जाति तथा अछूत शब्दों का प्रयोग हुआ है।

उत्तर (b) 'अनुसूचित जाति' शब्द का प्रयोग 1935 ई. में साइमन कमीशन द्वारा किया गया था। इस शब्द का प्रयोग अस्पृश्य लोगों के के लिए किया गया तथा यह भी कथन सत्य है कि सन् 1935 में दलित अछूत व हरिजन के लिए विधान में इन लोगों को कुछ विशेष सुविधायें प्रदान करने की दृष्टि से अनुसूची तैयार की गयी जिसमें विभिन्न अस्पृश्य जातियों को सम्मिलित किया गया इस अनुसूची के आधार पर वैधानिक दृष्टिकोण से इन जातियों के लिए अनुसूचित जाति शब्द को काम में लिया।

26. कथन (A)- तेलंगाना आन्दोलन महत्वपूर्ण आमूल (radical) कृषक आंदोलनों में से एक है।

तर्क (R)- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इसे प्रभावशाली नेतृत्व प्रदान किया।

उत्तर (c) तेलंगाना आन्दोलन (1946-51) के मध्य हैदराबाद के निजाम तथा उनके रजाकारों के विरूद्ध जो कृषक संघर्ष हुए उन्हें तेलंगाना कृषक आन्दोलन के नाम से जाना जाता है। तथा इस आंन्दोलन को काँग्रेस का नेतृत्व प्राप्त नहीं हुआ। सरदार पटेल के

सहयोग से जब सितम्बर 1948 में निजाम का आत्म समर्पण सम्भव हुआ तब जाकर यह आन्दोलन कुछ धीमा पड़ा। निजाम के समर्पण के बाद सैनिक शासन को स्थानीय कृषकों का भरपूर सहयोग मिला। कम्युनिस्ट समर्थकों ने आन्दोलन की पकड़ ढीली नहीं करनी चाही। अतः गुरिल्ला युद्ध के स्तर पर पुनः इस आन्दोलन की नींव डाली और गाँवों से बढ़ते हुए सुदूर वन्यजातीय इलाकों में भी फैल गए।

27. **कथन (A)-** जनगणना रिपोर्ट हमेशा त्रुटियों से मुक्त नहीं होती।

तर्क (R)- जनगणना रिपोर्ट राजनीतिक उद्देश्यों के लिए सम्प्रयोजन गलत प्रस्तुत की जाती है।

उत्तर (c) जनगणना रिपोर्ट हमेशा त्रुटियों से मुक्त नहीं होती। क्योंकि यह एक कठिन कार्य है। भारत जैसे विशाल देश में जनसंख्या की गणना सौ प्रतिशत सही नहीं हो सकती क्योंकि भारत में कहीं सुगम मैदानी इलाकें हैं तो कहीं-कहीं पथरीले और दुर्गम पहाड़ी व जंगली इलाके। जम्मू कश्मीर जैसे दुर्गम क्षेत्रों में भी जनगणना आसान नहीं होती है। अतः जनगणना को पूरी तरह से सही नहीं माना जा सकता। कुछ त्रुटियाँ तो विद्यमान रहती ही हैं।

28. **कथन (A)-**आरक्षण की नीति पिछड़े वर्ग में से अभिजात्य वर्ग को जन्म देती है।

तर्क (R)- आरक्षण के लाभों का उनके द्वारा अधिपत्य किया गया है।

उत्तर (a) भारत के संविधान में पिछड़े वर्ग को आरक्षण का प्रावधान है (अनु. 16(4))। ये बात सही है कि आरक्षण से पिछड़े वर्गों को लाभ मिला है किन्तु वर्ग का क्रीमीलेयर ही अधिकांश योजनाओं और आरक्षण के लाभों को ले रहा है क्योंकि इससे जो अभिजात्य वर्ग का जन्म हुआ है वह अधिक जागरूक व सक्षम है जो अन्य को लाभ से वंचित करता है। अतः कथन व तर्क दोनों सही हैं एवं तर्क कथन की व्याख्या भी करता है।

29. **कथन (A)-** कोई भी समाज विचलन से पूरी तरह से मुक्त नहीं है।

तर्क (R)- समाज में विचलन तथा अनुरूपता निरन्तर चलने वाली प्रक्रियाएँ हैं।

उत्तर (a) मर्टन के अनुसार कोई भी समाज विचलन से पूर्ण मुक्त नहीं है, क्योंकि समाज में विभिन्न निर्माणकारी व विनाशकारी प्रक्रियाएँ लगातार चलती रहती हैं। यदि यह सोचा जाय की कोई समाज विचलन से पूर्ण मुक्त हो गया है तो ऐसा सही नहीं है क्योंकि विचलन के कारण तो समाज में सदैव विद्यमान रहते हैं। अतः प्रश्न का तर्क विचलन और अनुरूपता निरन्तर चलने वाली प्रक्रियाएँ हैं, सत्य है तथा तर्क कथन की व्याख्या भी करता है।

30. **सूची I में दी गई मदों को सूची II की मदों से मिलाइए-**

सूची I (पुस्तक)	**सूची II (लेखक)**
(A) कास्ट इन मॉडर्न इंडिया	1. ए. बैतेई
(B) कास्ट, क्लास, पॉवर	2. एल. ड्यूमॉन्ट
(C) होमो हायरार्किस	3. इन्द्रदेव
(D) फोक कल्चर एण्ड पीजैण्ट सोसाइटीज इन इंडिया	4. एम.एन. श्रीनिवास
	5. जे. एच. हट्टन

	A	**B**	**C**	**D**
(a)	4	1	2	3
(b)	3	2	1	5
(c)	1	2	4	3
(d)	5	2	3	1

उत्तर (a) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(पुस्तक)	**(लेखक)**
कास्ट इन मॉडर्न इंडिया	- एम. एन. श्रीनिवास
कास्ट, क्लास, पॉवर	- ए. बैतेई
होमो हायरार्किस	- लुई ह्यूमॉ
फॉक कल्चर एण्ड पीजैण्ट सोसाइटी इन इण्डिया	- इन्द्रदेव

31. **सूची I में दी गई मदों को सूची II की मदों से मिलाइए-**

सूची I (लेखक)	**सूची II (संकल्पनाएँ)**
(A) लुइस विर्थ	1. लोक-नगरीय नैरन्तर्य (फोक-अर्बन कन्टीन्यूअम)
(B) एल्टन मैयो	2. वैज्ञानिक प्रबन्धन
(C) रॉबर्ट रैडफील्ड	3. शहरीकरण जीवन का एक तरीका (अर्बनिज्म ऐज ए वे आफ लाइफ)
(D) फ्रैडरिक टेलर	4. मानव संबंध (ह्यूमन रिलेशन)

	A	**B**	**C**	**D**
(a)	3	4	2	1
(b)	3	4	1	2
(c)	4	3	1	2
(d)	4	3	2	1

उत्तर (b) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(लेखक)	**(संकल्पनाएँ)**
लुइस वर्थ	- शहरीकरण जीवन का एक तरीका
एल्टन मेयो	- मानव सम्बन्ध
रॉबर्ट रैडफील्ड	- लोक नगरीय नैरन्तर्य
फ्रैडरिक टेलर	- वैज्ञानिक प्रबन्धन

लुइस वर्थ ने नगरीकरण के सम्बन्ध में संकल्पनाएँ दी है। एल्टन मेयो को मानव सम्बन्ध आन्दोलन का अग्रदूत माना जाता है। रॉबर्ट रेडफील्ड ने लघु समुदायों पर अपना अध्ययन केन्द्रित किया। फैडरिक टेलर वैज्ञानिक प्रबन्धन सिद्धान्त के जनक हैं।

32. **सूची I में दी गई मदों को सूची II की मदों से मिलाइए-**

सूची I (रचना)	**सूची II (लेखक)**
(A) सोशल थ्योरी एण्ड सोशल स्ट्रक्चर	1. कार्ल मार्क्स
(B) कांफ्लिक्ट सोशियोलॉजी	2. डेहरेण्डॉर्फ
(C) द फंक्शंस ऑफ सोशल कॉनफ्लिक्ट	3. कोजर
(D) क्लास एण्ड क्लास कांफ्लिक्ट इन इण्डस्ट्रियल सोसाइटी	4. कॉलिन्स
	5. मर्टन

	A	B	C	D
(a)	2	3	4	5
(b)	5	4	3	2
(c)	1	3	5	4
(d)	3	4	5	1

उत्तर (b) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(रचना)	(लेखक)
सोशल थ्योरी एण्ड सोशल स्ट्रक्चर	- मर्टन
कांफ्लिक्ट सोशियोलॉजी	- कॉलिन्स
द फंक्शंस ऑफ सोशल कांफ्लिक्ट	- कोजर
क्लास एण्ड क्लास कांफ्लिक्ट इन इण्ड्रस्ट्रियल सोसाइटी	- डेहरेनडॉर्फ

33. सूची I में दी गई मदों को सूची II की मदों से मिलाइए-

सूची I (संकल्पनाएँ)	सूची II (लेखक)
(A) संदर्भ समूह (रेफरेन्स ग्रुप)	1. सी.एच. कूले
(B) प्राथमिक समूह (प्राइमरी ग्रुप)	2. मर्टन
(C) समानाधिकृत समूह (को-ऑर्डिनेटिड ग्रुप)	3. लेविस कोजर
(D) समूह संसक्ति (ग्रुप कोहीजन)	4. दुर्खीम

	A	B	C	D
(a)	2	1	4	3
(b)	2	5	3	4
(c)	4	2	3	1
(d)	3	5	2	4

उत्तर (a) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(संकल्पनाएं)	(लेखक)
सन्दर्भ समूह	- मर्टन
प्राथमिक समूह	- कूले
समानाधिकृत समूह	- दुर्खीम
समूह संसक्ति (ग्रुप कोहीजन)	- लेविस कोजर

34. सूची I में दी गई मदों को सूची II की मदों से मिलाइए-

सूची I (संकल्पनाएँ)	सूची II (लेखक)
(A) सामाजिक स्थैतिकी तथा सामाजिक गतिकी	1. इमाईल दुर्खीम
(B) एकात्मकता	2. ऑगस्ट कॉम्टे
(C) दफ्तरशाही (नौकरशाही)	3. मैक्स वेबर
(D) अवशिष्ट एवं भ्रान्त तर्क	4. मयक्यावली
	5. विल्फ्रेडो परेटो

	A	B	C	D
(a)	2	5	3	4
(b)	3	2	4	1
(c)	5	1	3	2
(d)	2	1	3	5

उत्तर (d) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(संकल्पनाएँ)	(लेखक)
सामाजिक स्थैतिकी तथा सामाजिक गतिकी	- ऑगस्त कॉम्ट
एकात्मकता	- इमाईल दुर्खीम
दफ्तरशाही	- मैक्स वेबर
अवशिष्ट एवं भ्रांततर्क	- विल्फ्रेडो परेटो

35. सूची I में दी गई मदों को सूची II की मदों से मिलाइए-

सूची I (संकल्पनाएँ)	सूची II (लेखक)
(A) प्रकार्यात्मक अनिवार्यता	1. आर. के. मर्टन
(B) प्रकार्यात्मक परिणामों का शुद्ध संतुलन	2. बी. मैलिनोवस्की
(C) सार्वभौमिक प्रकार्यात्मकता	3. ऑगस्ट कॉम्टे
(D) प्रत्यक्षवादी जैविकताद	4. टी. पारसंस
	5. रैडक्लिफ बाउन

	A	B	C	D
(a)	4	1	2	3
(b)	4	1	5	3
(c)	2	4	5	3
(d)	2	5	2	4

उत्तर (a) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(संकल्पनाएं)	(लेखक)
प्रकार्यात्मक अनिवार्यता	- टी. पारसन्स
प्रकार्यात्मक परिणामों का शुद्ध संतुलन	- आर.के. मर्टन
सार्वभौमिक प्रकार्यात्मकता	- बी. मैलिनोवस्की
प्रत्यक्षवादी जैविकवाद	- ऑगस्त कॉम्ट

36. सूची I में दी गई मदों को सूची II की मदों से मिलाइए-

सूची I (संकल्पनाएँ)	सूची II (लेखक)
(A) पश्चिमीकरण तथा संस्कृतिकरण	1. मैकिम मैरियट
(B) सार्वभौमीकरण तथा संकीर्णता	2. रॉबर्ट रैडफील्ड
(C) वृहत परंपरा तथा लघु परंपरा	3. एम.एन. श्रीनिवास
(D) सार्वभौमीकरण तथा विशिष्टकरण	4. टालकॉट पार्सन्स
	5. बी. मैलिनोवस्की

	A	B	C	D
(a)	3	4	2	1
(b)	4	3	1	4
(c)	2	1	4	3
(d)	3	1	2	4

उत्तर (d) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(संकल्पनाएँ)	(लेखक)
पश्चिमीकरण तथा संस्कृतिकरण	- एम.एन. श्रीनिवास
सार्वभौमीकरण तथा संकीर्णता	- मैकिम मैरियट
वृहद परम्परा तथा लघु परम्परा	- रॉबर्ट रेडफील्ड
सावैभौमिकरण तथा विशिष्टीकरण	- टालकॉट पारसन्स

पश्चिमीकरण तथा संस्कृतिकरण की धारणा एम.एन. श्रीनिवास की संकल्पनाएँ हैं। सार्वभौमिकरण तथा संकीर्णता की धारणा में मैकिम मैरियट ने अपने क्षेत्र कार्य के अध्ययन के बाद की। समाजशास्त्री रॉबर्ट रैडफिल्ड ने वृहद परम्परा एवं लघु परम्परा की धारणा ग्रामीण समुदाय के अध्ययन के दौरान दी। सार्वभौमीकरण तथा विशिष्टीकरण के संकल्पनाओं को टॉलकॉट पारसन्स ने अपने सामाजिक व्यवस्था के अध्ययन में दिया।

37. सूची I में दी गई मदों को सूची II की मदों से मिलाइए-

	सूची I (अर्थ)	सूची II (संकल्पना)
(A)	उच्च प्रस्थिति को अर्जित करने के लिए निम्न जाति के लोग सामूहिक रूप से उच्च जाति के व्यवहार एवं विश्वासों को ग्रहण करने की कोशिश करते हैं	1. आर. के. मर्टन
(B)	आर्थिक तथा राजनीतिक सत्ता कौन हासिल करता है तथा अधिक्रम में उच्च स्थिति प्राप्त करता है	2. पश्चिमीकरण
(C)	हमारे समाज में पाश्चात्य संपर्क द्वारा आने वाले परिवर्तनों की व्याख्या करता है	3. संस्कृतिकरण
(D)	अपनी संस्कृति की श्रेष्ठता मानने की हर वर्ग की प्रवृत्ति	4. प्रबल (डॉमीनेंट कास्ट)

	A	B	C	D
(a)	4	1	3	2
(b)	2	4	3	1
(c)	1	3	4	2
(d)	3	4	2	1

उत्तर (d) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(अर्थ)	(संकल्पनाएँ)
उच्च प्रस्थिति को अर्जित करने के लिए निम्न जाति के लोग सामूहिक रूप से उच्च जाति के व्यवहार एवं विश्वासों को ग्रहण करने की कोशिश करते हैं।	– संस्कृतिकरण
आर्थिक तथा राजनीतिक सत्ता कौन हासिल करता है तथा अधिक्रम में उच्च स्थिति प्राप्त करता है।	– प्रबल जाति
हमारे समाज में पाश्चात्य संपर्क द्वारा आने वाले परिवर्तनों की व्याख्या करता है।	– पश्चिमीकरण
अपनी संस्कृति की श्रेष्ठता मानने की हर वर्ग की प्रवृत्ति	– स्वजाति वादी

38. सूची I में दी गई मदों को सूची II की मदों से मिलाइए-

	सूची I (सिद्धांत)	सूची II (लेखक)
(A)	चक्रीय	1. वीको
(B)	रेखीय	2. सोरोकिन
(C)	उतार-चढ़ाव	3. स्पेंगलर
(D)	सर्पिल	4. स्पेंसर
		5. मूर

	A	B	C	D
(a)	3	4	2	1
(b)	3	4	1	4
(c)	2	4	5	1
(d)	2	3	4	1

उत्तर (a) सही सुमेलन निम्न प्रकार है–

(सिद्धान्त)	(लेखक)
चक्रीय सिद्धान्त	- स्पेंगलर
रेखीय सिद्धान्त	- स्पेन्सर
उतार चढ़ाव	- सोरोकिन
सर्पिल	- वीकों

39. औद्योगिक क्रान्ति से पूर्व पाश्चात्य अर्थव्यवस्था का क्रम बताइए-

(a) पुटिंग-आउट सिस्टम, मैनोरियल सिस्टम, गिल्ड सिस्टम
(b) गिल्ड सिस्टम, पुटिंग-आउट सिस्टम, मैनोरियल सिस्टम
(c) मैनोरियल सिस्टम, गिल्ड सिस्टम, पुटिंग-आउट सिस्टम
(d) मैनोरियल सिस्टम, पुटिंग-आउट सिस्टम, गिल्ड सिस्टम

उत्तर (c) औद्योगिक क्रान्ति से पूर्व पाश्चात्य अर्थव्यवस्था का क्रम निम्नवत है–
1. मैनोरियल सिस्टम (जागीर व्यवस्था)
2. गिल्ड सिस्टम (श्रेणी-मूलतः शिल्पकारों और व्यापारियों का संघ)
3. पुटिंग-आउट सिस्टम (कुटीर उद्योग)

40. इआन रॉबर्टसन (Ian Robertson) की पुस्तक 'सोशियोलॉजी' में समाजीकरण के प्रकारों का जो क्रम दिया है उसके अनुसार इनका क्रम बताइए-

(a) पुनर्समाजीकरण, पूर्वाभासी समाजीकरण, प्राथमिक समाजीकरण, विकासीय समाजीकरण
(b) विकासीय समाजीकरण, पुनर्समाजीकरण, पूर्वाभासी समाजीकरण, प्राथमिक समाजीकरण
(c) प्राथमिक समाजीकरण, पुनर्समाजीकरण, विकासीय समाजीकरण, पूर्वाभासी समाजीकरण
(d) प्राथमिक समाजीकरण, पूर्वाभासी समाजीकरण, विकासीय समाजीकरण, पुनर्समाजीकरण

उत्तर (d) इआन रॉबर्टसन ने अपनी पुस्तक सोशियोलॉजी में समाजीकरण की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की है। उन्होंने समाजीकरण को क्रमशः चार भागों में विभाजित किया है–
1. प्राथमिक समाजीकरण
2. पूर्वाभासी समाजीकरण
3. विकासीय समाजीकरण
4. पुनर्समाजीकरण